RNI NO. MPHIN/2016/69135

दैनिक लोकप्रदेश

वर्ष-10 | अंक-217 | प्रातः कालीन हिन्दी दैनिक | भोपाल, गुरूवार 10 सितम्बर 2026 | पृष्ठ-8 | मूल्य-2 रुपये

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने दुबई में दुनिया के उद्योग जगत को दिया न्योता

मप्र निवेशकों का भरोसेमंद साथी

25 से अधिक नई नीतियां

निवेश और कारोबार को आसान बनाने के लिए 25 से अधिक नयी नीतियां और 2700 से अधिक अप्रासंगिक कानून समाप्त।

76 हजार करोड़ रूपए से अधिक निर्यात

वर्ष 2026-27 में मध्यप्रदेश से 76 हजार करोड़ रुपये से अधिक का निर्यात। रीवा, इंदौर और उज्जैन में तीन नए आईटी पार्क विकसित किए जा रहे हैं।

भूमि-बिजली-पानी की ताकत

पर्याप्त लैंड बैंक, भूमि, सरप्लस बिजली, जल संसाधन और ग्रीन एनर्जी की उपलब्धता को निवेश की बड़ी ताकत बताया।

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का 6 से 8 सितंबर का दुबई दौरा मध्यप्रदेश की निवेश रणनीति को वैश्विक मंच पर नए विस्तार देने वाला रहा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव की मंशा निवेश के साथ तकनीक, बाजार, निर्यात और रोजगार को जोड़कर मध्यप्रदेश को वैश्विक निवेश एवं विनिर्माण का प्रमुख केंद्र बनाना है। एआईएम कांग्रेस-2026 में मुख्यमंत्री डॉ यादव ने मध्यप्रदेश को केवल निवेश के गंतव्य के रूप में नहीं, बल्कि वैश्विक कंपनियों और निवेशकों के लिए दीर्घकालिक साझेदार के रूप में प्रस्तुत किया। दुबई प्रवास के दौरान लगभग 53 हजार करोड़ रूपये से अधिक के निवेश प्रस्ताव प्राप्त हुए है। यूएई के शीर्ष मंत्रियों, तातारस्तान के नेतृत्व, विश्व बैंक और डीपी वर्ल्ड, क्रिसेंट एंटरप्राइज़, जेम्स एजुकेशन, शराफ ग्रुप, चोइथराम्स, राणा होल्डिंग्स, वीएफएस ग्लोबल और क्ष्क्ष्श्न॥ जैसी कंपनियों के साथ हुई बैठकों में लॉजिस्टिक्स, फूड प्रोसेसिंग, टेक्सटाइल, एआई एवं डिजिटल टेक्नोलॉजी, ग्रीन एनर्जी, ई-मोबिलिटी, फार्मा, शिक्षा, पर्यटन, स्वास्थ्य, आधुनिक विनिर्माण और वेस्ट-टू-एनर्जी जैसे क्षेत्रों में निवेश और तकनीकी साझेदारी की संभावनाएं खुलीं। दुबई ने मध्यप्रदेश में पर्यटन एवं हॉस्पिटैलिटी क्षेत्र का अध्ययन करने के लिए प्रतिनिधिमंडल भेजने, विमानन संपर्क बढ़ाने तथा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 में उच्चस्तरीय निवेशक दल के साथ भागीदारी की दिशा में सहमति जताई, वहीं विश्व बैंक ने एआई और डिजिटल गवर्नेंस परियोजनाओं में सहयोग में रुचि दिखाई।

किसानों को उन्नत कृषि तकनीक, गुणवत्तापूर्ण बीज और बेहतर कृषि सुविधाएं उपलब्ध कराकर उनकी आय में वृद्धि की जाए

भोपाल। बलराम कृषि महोत्सव के अवसर पर निवाड़ी में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव नई दिल्ली से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जुड़े। उन्होंने किसानों को संबोधित करते हुए कृषि विकास, आधुनिक तकनीकों के उपयोग और किसानों की आय बढ़ाने पर जोर दिया।मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किसानों से संवाद कर कृषि से जुड़े विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कहा कि किसानों की समृद्धि प्रदेश सरकार की प्राथमिकता है तथा किसानों को उन्नत तकनीक, बेहतर सुविधाएं और शासन की योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कार्यक्रम में मौजूद किसानों से कहा कि कृषि क्षेत्र आने वाले समय में प्रदेश की अर्थव्यवस्था का मजबूत स्तंभ और सबकी समृद्धि की सबसे बड़ी गारंटी बनने जा रहा है। उन्होंने किसानों से कहा कि वे दुग्ध उत्पादन, श्रीअन्न उत्पादन, मत्स्य पालन, उद्यानिकी जिसमें भी उनकी रुचि है, एक नई शुरुआत के साथ आगे बढ़ें। हमारी सरकार फील्ड से लेकर फैक्ट्री तक हमेशा किसानों के साथ खड़ी है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सभी किसान इस बलराम कृषि महोत्सव में बढ़-चढ़कर हिस्सा लें।

एमपी में 7500 पुलिस आरक्षकों की भर्ती

गृह जिले में पोस्टिंग नहीं, चुनी यूनिट में 5 साल रहना होगा; 22 सितंबर से कर सकेंगे आवेदन

भोपाल। मध्यप्रदेश में 7,500 पुलिस आरक्षकों की भर्ती के लिए कर्मचारी चयन मंडल ने शेड्यूल जारी किया है। आवेदन 22 सितंबर से शुरू होंगे और 6 अक्टूबर तक किए जा सकेंगे। भर्ती में चयनित उम्मीदवारों को गृह जिले में पदस्थापना नहीं दी जाएगी। अभ्यर्थियों को आवेदन के दौरान प्रदेश के 55 जिलों में अपनी यूनिट चुननी होगी।

जिस यूनिट में नियुक्ति मिलेगी, वहां कम से कम 5 साल की सेवा पूरी करना जरूरी होगा। इसके बाद ही दूसरी यूनिट में ट्रांसफर किया जा सकेगा।अभ्यर्थी को आवेदन में यह भी स्पष्ट करना होगा कि वह आरक्षक (एसएएफ को छोड़कर) या आरक्षक विशेष सशस्त्र बल के पद के लिए आवेदन कर रहा है। चयनित उम्मीदवारों की नियुक्ति शासकीय रेल पुलिस इंदौर, जबलपुर और भोपाल में भी की जाएगी। परीक्षा केंद्र पर आधार-इनेबल्ड बायोमेट्रिक सत्यापन होगा। एक से अधिक शिफ्ट में परीक्षा होने पर अंकों का नॉर्मलाइजेशन किया जाएगा।

कच्चा तेल 100 डॉलर पार

6 हफ्ते में सबसे महंगा. अमेरिका और ईरान के बीच तनाव बढ़ने का असर, पेट्रोल-डीजल और एलपीजी महंगी हो सकती है

मुंबई। कच्चे तेल यानी क्रूड ऑयल की कीमत 100 डॉलर प्रति बैरल के पार पहुंच गई है। आज यानी 9 सितंबर को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड के दामों में 2.25 प्रतिशत का इजाफा हुआ। इसकी वजह अमेरिका-ईरान के बीच फिर तनाव बढ़ना बताया जा रहा है। इस बढ़ोतरी के पहले क्रूड की कीमत 98 बैरल प्रति डॉलर थी। इससे पहले 24 जुलाई को क्रूड का दाम 100 बैरल प्रति डॉलर पहुंचा था। अगर कच्चे तेल के दाम ऐसे ही बढ़ते रहे तो इससे पेट्रोल-डीजल और एलपीजी के दाम बढ़ सकते हैं।

कैबिनेट के अहम फैसले } रेलवे के सात हाई-डेंसिटी कॉरिडोर होंगे फोर-ट्रैक

नई दिल्ली। केंद्र द्र सरकार रेलवे के आधुनिकीकरण पर लगातार जोर दे रही है। केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कैबिनेट बैठक के बाद बताया कि आज की बैठक में रेलवे आधुनिकीकरण से जुड़े कुछ महत्वपूर्ण प्रोजेक्ट पर चर्चा हुई। ये परियोजनाएं पिछले 12 वर्षों से चल रहे रेलवे के व्यापक बदलाव और आधुनिकीकरण के काम का हिस्सा हैं।

सात हाई-डेंसिटी कॉरिडोर पर क्या होगा काम

अश्विनी वैष्णव ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में रेलवे के पूर्ण ओवरहाल और आधुनिकीकरण की दिशा में काम किया जा रहा है। इसके तहत सात हाई-डेंसिटी रेलवे कॉरिडोर को फोर-ट्रैक और क्वाड्रुपल करने की योजना है। इन कॉरिडोर पर ट्रैक क्षमता बढ़ाने का काम किया जाएगा, ताकि भविष्य में इन मार्गों पर बढ़ने वाले यातायात का दबाव संभाला जा सके।

पीएम गति शक्ति के तहत कैसे आगे बढ़ेगा काम?

सरकार ने बताया कि इन परियोजनाओं की योजना पीएम गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के तहत बनाई गई है। इसका फोकस मल्टी-मॉडल कनेक्टिविटी और लॉजिस्टिक्स क्षमता को बेहतर बनाने पर है। इसके लिए एकीकृत योजना और संबंधित पक्षों के साथ विचार-विमर्श को आधार बनाया गया है। इससे लोगों, सामान और सेवाओं की आवाजाही के लिए बेहतर कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

गोल्डन क्वाड्रिलेटरल और उसके दोनों डायगोनल पर बढ़ेगी क्षमता

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने रेलवे के हाई-डेंसिटी कॉरिडोर को लेकर जानकारी दी। उन्होंने बताया कि दिल्ली-मुंबई, मुंबई-चेन्नई, चेन्नई-कोलकाता और कोलकाता-दिल्ली मार्ग मिलकर गोल्डन क्वाड्रिलेटरल बनाते हैं। उन्होंने कहा कि दिल्ली-चेन्नई और मुंबई-कोलकाता इसके दो डायगोनल हैं। इसके अलावा दिल्ली-गुवाहाटी कॉरिडोर भी इस योजना में शामिल है। इस तरह कुल सात हाई-डेंसिटी कॉरिडोर को क्वाड्रुपल यानी चार-लेन किया जा रहा है। वैष्णव के मुताबिक, इन सभी परियोजनाओं पर चरणबद्ध तरीके से काम आगे बढ़ रहा है। फिलहाल करीब 4,000 किलोमीटर के हिस्से के लिए विस्तृत परियोजना रिपोर्ट तैयार करने की प्रक्रिया चल रही है। कैबिनेट समिति ने बुधवार को रेलवे मंत्रालय की तीन मल्टी-ट्रैकिंग परियोजनाओं को भी मंजूरी दे दी।

पांच राज्यों के 14 जिलों को मिलेगा फायदा

ये तीनों परियोजनाएं पश्चिम बंगाल, झारखंड, ओडिशा, मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ के 14 जिलों से होकर गुजरेंगी। परियोजनाओं के जरिए भारतीय रेलवे के मौजूदा नेटवर्क में करीब 656 किलोमीटर की वृद्धि होगी। सरकार के अनुसार, इससे लगभग 4,790 गांवों की कनेक्टिविटी बेहतर होगी। इन गांवों में करीब 56 लाख लोगों की आबादी है। इन परियोजनाओं से कई प्रमुख पर्यटन और धार्मिक स्थलों की रेल कनेक्टिविटी मजबूत होने की उम्मीद है। इनमें तारातारिणी मंदिर, श्री क्षेत्र जगन्नाथ मंदिर, बंधवगढ़ टाइगर रिजर्व, विराटेश्वर मंदिर, अमरकंटक मंदिर, ज्वालेश्वर धाम, अचानकमार टाइगर रिजर्व, खुटाघाट बांध, मल्हार पुरातात्विक स्थल और रतनपुर महामाया मंदिर समेत कई स्थान शामिल हैं।

मोहन सरकार ने मानी बातः इंटर्न डॉक्टरों की मांग पर बड़ा फैसला

अब 21500 रू. मिलेंगे, आंदोलन खत्म

काम पर लौटे; लाठीचार्ज-वाटर कैनन मामले में 2 पुलिसकर्मी लाइन

भोपाल। मध्यप्रदेश सरकार ने तीन दिन से जारी इंटर्न डॉक्टरों के प्रदर्शन के बाद उनके स्टाइपेंड में 7,000 रुपये से अधिक की बढ़ोतरी करने का निर्णय लिया है। अब प्रदेश के इंटर्न डॉक्टरों को हर महीने 21,500 रुपये स्टाइपेंड दिया जाएगा। उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल के साथ डॉक्टरों के प्रतिनिधिमंडल की बातचीत के बाद इस बढ़ोतरी पर सहमति बनी। इससे पहले इंटर्न डॉक्टर 14,337 रुपये के मासिक स्टाइपेंड को बढ़ाकर 30,000 रुपये करने की मांग कर रहे थे।

स्टाइपेंड बढ़ाने पर बनी सहमति

अपनी मांगों को लेकर इंटर्न डॉक्टरों ने सोमवार को भोपाल के हमीदिया अस्पताल के मुख्य गेट पर प्रदर्शन किया था। इस दौरान पुलिस ने वाटर कैनन का इस्तेमाल किया और कथित तौर पर लाठीचार्ज भी किया गया। कार्रवाई में कई डॉक्टरों के घायल होने की बात सामने आई थी। घटना के बाद डॉक्टरों में आक्रोश बढ़ गया। मामले का संज्ञान लेते हुए उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल ने जांच के निर्देश दिए।

ओपीडी बंद होने से बढ़ा सरकार पर दबाव

स्टाइपेंड बढ़ाने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे इंटर्न डॉक्टरों, जूडा और एमटीए के संयुक्त प्रतिनिधिमंडल ने उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल से चर्चा की। बातचीत के दौरान उप मुख्यमंत्री ने भरोसा दिलाया कि मुख्यमंत्री के दुबई दौरे से लौटने के बाद स्टाइपेंड बढ़ाने की आधिकारिक घोषणा की जाएगी। इसी बीच इंटर्न डॉक्टरों के समर्थन में मध्यप्रदेश डॉक्टर महासंघ ने बुधवार को प्रदेश के सभी सरकारी मेडिकल कॉलेजों में ओपीडी सेवाएं पूरी तरह बंद रखने का आह्वान किया। ओपीडी बंद रहने से सरकारी अस्पतालों में इलाज के लिए पहुंचे इससे सरकार पर आंदोलन का जल्द समाधान निकालने का दबाव बढ़ गया।

आईआरजीसी ने दी पलटवार की धमकी | अमेरिका ने खार्ग द्वीप के पास मिसाइल हमले में उड़ाए ईरान के पांच तेल टैंकर

तेहरान, एजेंसी

अमेरिका-ईरान के बीच युद्ध अभी भी जारी है। अमेरिका ने मंगलवार, 8 सितंबर को फारस की खाड़ी में खार्ग द्वीप के पास ईरान के कई तेल टैंकरों पर हमला किया। ऱ सेंट्रल कमांड ने 8 सितंबर को ईरान के कच्चे तेल ले जाने वाले जहाजों के नष्ट करने का सैटेलाइट वीडियो भी जारी किया। अमेरिकी वारशिप पर हमला होने के बाद अमेरिकी सेना ने ईरानी तेल टैंकरों को निशाना बनाया।

आईआरजीसी ने अमेरिका के युद्धपोत को बनाया निशाना

मिडिल ईस्ट में ये हमले सिर्फ अमेरिका की तरफ से जारी नहीं हैं। ईरान की इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने पिछले दो दिनों में दो बार बैलिस्टिक मिसाइलों से ऱनौसेना के युद्धपोत को निशाना बनाया। ऱनौसेना के युद्धपोत ने ईरान के दोनों मिसाइल हमलों से खुद को बचाया और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में गश्त जारी रखी, लेकिन अमेरिकी सेना ने हमलों का जवाब दिया और ईरान के तेल टैंकरों को उड़ाया।

अमेरिकी सेना ने जारी कीं सैटेलाइट तस्वीरें

सेंट्रल कमांड ने ईरानी तेल टैंकरों पर हमले के बाद बताया कि अमेरिकी सेना ने ओमान की खाड़ी में ईरान के कच्चे तेल ले जाने वाले जहाजों कविज, चारमीनार, होराइजन 1 और रिस्को को और खार्ग द्वीप के पास डेर्या को नष्ट कर दिया। अमेरिकी सेना का दावा है कि ईरान ने आईआरजीसी और उसके क्षेत्रीय प्रॉक्सी समूहों को फंड देने के लिए अरबों डॉलर के शैडो नेटवर्क के हिस्से के रूप में इन टैंकरों का इस्तेमाल किया था। सेंटकॉम ने 5 सितंबर को भी ईरान के तीन कच्चे तेल के जहाजों को नष्ट किया था अमेरिका ने कहा कि पहले के हमले ईरान द्वारा यूएस एयरक्राफ्ट कैरियर और गाइडेड-मिसाइल डिस्ट्रॉयर पर हमले की कोशिश के बाद किए गए थे।

जवाब में ईरान ने जॉर्डन पर किया हमला

आईआरजीसी ने बुधवार को कहा कि तेहरान के जहाजों पर अमेरिकी हमलों के जवाब में उन्होंने जॉर्डन में अमेरिकी सैन्य अड्डे पर मिसाइलों से हमला किया। रिपोर्ट के मुताबिक, गार्ड्स ने एक ऑपरेशन के तहत जॉर्डन में अमेरिकी अल-अजराक बेस पर भारी मिसाइल हमले किए। वहीं जॉर्डन का कहना है कि उसने ईरान से आई 20 में से 18 मिसाइलों को मार गिराया। सरकारी न्यूज एजेंसी ने बुधवार को सेना के हवाले से बताया कि दो मिसाइलें सुनसान इलाकों में गिरीं और किसी के हताहत होने की खबर नहीं है।

14 से 16 सितंबर तक घरेलू उद्योग को अपनी काबिलियत दिखाने का मौका

पोखरण रेंज में 'ड्रोनथॉन' दिखाएगा स्वदेशी ऑपरेशनल क्षमता

नई दिल्ली (एजेंसी)

घरेलू उद्योग को अनमैन्ड एरियल सिस्टम्स (यूएएस) और काउंटर अनमैन्ड एरियल सिस्टम्स (सीयूएएस) में अपनी काबिलियत और तरक्की दिखाने के लिए भारतीय वायु सेना 14 से 16 सितंबर तक जैसलमेर के पोखरण रेंज में 'आईएएफ ड्रोनथॉन' का आयोजन करने जा रही है।

यह इवेंट नई ड्रोन और काउंटर ड्रोन टेक्नोलॉजी के साथ-साथ उनकी ऑपरेशनल क्षमता देखने और आपसी सीख को बढ़ावा देने में मदद करने के लिए डिजाइन किया गया है। रक्षा मंत्रालय का कहना है कि इस इवेंट में स्थिर और लाइव प्रदर्शन शामिल हैं। इसमें सर्विलांस और टोही, ऑटोनॉमस ऑपरेशन, झुंड टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध के क्षेत्र पर ध्यान दिया जाएगा। आत्मनिर्भर भारत के राष्ट्रीय विजन के साथ तालमेल बिठाते हुए ड्रोनथॉन-2026 का मकसद इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स, स्टार्ट-अप्स और इनोवेटर्स को जोड़कर स्वदेशी डिफेंस इकोसिस्टम को मजबूत करना है।

अनमैन्ड और काउंटर-अनमैन्ड सिस्टम में अपनी काबिलियत दिखा सकेंगे

भारतीय वायुसेना में 'ड्रोनथॉन' इंडस्ट्री, स्टार्टअप और टेक्नोलॉजी डेवलपर्स को एक साथ लाएगा, ताकि वे अनमैन्ड और काउंटर-अनमैन्ड सिस्टम में अपनी काबिलियत दिखा सकें। तीन दिन के इस इवेंट में वायुसेना सर्विलांस और रिकॉनिसेंस, ऑटोनॉमस ऑपरेशन, स्वॉर्म टेक्नोलॉजी और इलेक्ट्रॉनिक वॉरफेयर एप्लीकेशन में परफॉर्मेंस का मूल्यांकन करेगी। सरकार की यह पहल भारत के आत्मनिर्भर भारत के मकसद से जुड़ी है, जिसका मकसद घरेलू डिफेंस की क्षमता बढ़ाना है। वायुसेना ने 'ड्रोनथॉन' को अनमैन्ड सिस्टम में तकनीकी आत्मनिर्भरता के लिए तैयार किया है, जहां ऑपरेशनल डिमांड पारंपरिक एक्विजिशन टाइमलाइन की तुलना में तेजी से बदल रही हैं। खासतौर पर काउंटर-ड्रोन कैपेबिलिटी सभी सेनाओं में प्रायोगिक से परिचालन प्राथमिकता तक में बदल गई है, जो रीजनल थिएटर्स में दुश्मन ड्रोन एक्टिविटी के बढ़ने को दिखाती है।

निजी निर्माता की भूमिका

सेनाओं में हाल की पहलों ने ड्रोन लॉजिस्टिक्स डिप्लॉयमेंट से लेकर ट्रांसपोर्ट एयरक्राफ्ट और हेलीकॉप्टर पर स्टैंडऑफ वेपन इंटीग्रेशन तक प्राइवेट मैन्युफैक्चरर्स की भूमिका को बढ़ाया है। ड्रोनथॉन से वायुसेना को ट्रेडिशनल प्रोक्योरमेंट की तुलना में तेजी से समाधान पहचानने में मदद मिलेगी। यह इवेंट रक्षा मंत्रालय के स्वदेशी ड्रोन इंडस्ट्रियल बेस बनाने की प्रतिबद्धता का भी संकेत देता है, जिससे गोला-बारूद प्रोडक्शन, मिसाइल सिस्टम और एडवांस्ड प्लेटफॉर्म पर सेनाओं और घरेलू डिफेंस फर्मों के बीच चल रही पार्टनरशिप और मजबूत हुई है।

मुस्लिम भी गरबा देखने आएं तो इसमें कुछ गलत नहीं

महाराष्ट्र सीएम की पत्नी बोलीं- त्योहार का शांतिपूर्वक आनंद लेने में क्या बुराई

मुंबई। महाराष्ट्र सीएम देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस ने कहा कि अगर मुस्लिम भी गरबा देखने आते हैं तो इसमें कुछ गलत नहीं है। त्योहार सभी को साथ लेकर चलने वाले होने चाहिए। अमृता मंगलवार को चंद्रपुर के सबसे बड़े महाशिवलिंग मंदिर में आयोजित रुद्राभिषेक कार्यक्रम में पहुंची थीं। यहां उन्होंने महाराष्ट्र सरकार में मंत्री नितेश राणे के बयान को लेकर पूछे गए सवाल के जवाब में ये बात कही। राण ने नवरात्रि में गरबा आयोजनों में मुस्लिमों की एंट्री का विरोध किया था।

गणेशोत्सव में डीजे को लेकर कहा- आसपास के लोगों को परेशानी न हो

अमृता फडणवीस ने गणेशोत्सव के दौरान डीजे और तेज संगीत को लेकर चल रहे विवाद पर भी टिप्पणी की। उन्होंने कहा कि त्योहार मनाते समय सभी को सरकार और अदालतों द्वारा निर्धारित नियमों का पालन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह जरूरी है कि हमारे उत्सवों के कारण समाज या क्षेत्र के अन्य नागरिकों को कोई परेशानी न हो। घर पर यथासंभव धर्म का पालन करना अच्छा है.

संक्षिप्त समाचार

जन शिक्षण संस्थान में प्रमाण पत्रों का वितरण

सतना। कौशल विकास एवम उद्यमिता मंत्रालय भारत सरकार द्वारा स्थापित जन शिक्षण संस्थान सतना के केंद्र उचेहरा में गत सत्र 2025- 26 में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षणार्थियों को संस्थान के निदेशक राजकुमार सनाढ्य के निर्देशन में ब्यूटी केयर असिस्टेंट और सॉफ्ट टॉयज मेकिंग प्रशिक्षणों के प्रमाण पत्रों का वितरण संस्थान के कार्यक्रम अधिकारी वा ब्लॉक प्रभारी प्रदीप कुमार जैन व 08 सितंबर को किये गया। साथ ही ब्यूटी केयर असिस्टेंट प्रशिक्षण की परीक्षा भी संपन्न कराई गई ।इस अवसर पर ट्रेनर मीरा चौरसिया वा पुष्पा चौरसिया , शिक्षिका मीरा गर्ग व प्रशिक्षणार्थी गण उपस्थित रही । उल्लेखनीय है कि जन शिक्षण संस्थान द्वारा संपूर्ण जिले में संचालित किए जा रहे विभिन्न स्वरोजगारणमुखी प्रशिक्षणों का लाभ जरूरत मंद महिलाओं पुरुषों जो कि कम पढ़ें लिखे हैं,स्कूल ड्रॉप आउट हैं रूडिमेंट्री स्तर के हैं ,के द्वारा प्राप्त करके स्वयं का केंद्र ,रोजगार स्थानीय स्तर पर स्थापित कर आत्मनिर्भर बन रहे हैं। और आसानी के अपना और अपने परिवार का भरण पोषण करने में सक्षम हो रहे है।

शहर में शुरू हुई गणेशोत्सव की तैयारियां

गणेश चतुर्थी 14 को, प्रतिमा की स्थापना के लिए बन रहा अमृत व स्वार्थ सिद्धी योग

नगर संवाददाता, सतना।

भगवान गणेश सभी देवी-देवताओं में प्रथम पूजनीय हैं। विवाह की अग्नि प्रज्वलित होने से पहले, नई दुकान खुलने से पहले या बहीखाते पर पहला पन्ना लिखे जाने से पहले भगवान गणेश का नाम लिया जाता है। वे विघ्नहर्ता हैं, जो बाधाओं को दूर करने वाले है। भाद्रपद माह के दस दिनों तक वे सिर्फ हमारी प्रार्थनाएं ही पूरी नहीं करते बल्कि वे धरती पर निवास करते हैं। इस साल गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर सोमवार से शुरू होगा। गणेशोत्सव को लेकर शहर में तैयारियां शुरू हो गई हैं। मूर्तिकारों ने गणेश प्रतिमाओं को सजाने व संवारने का काम शुरू कर दिया है तो वहीं रेडीमेड प्रतिमाओं के लिए दुकाने लगाने का काम जारी है। वहीं सजावट आदि के सामानों की नई -नई वैरायटी दुकानों में उपलब्ध कराने का काम दुकानदार कर रहे हैं।

कितने दिन बाद कर सकेंगे विसर्जन

हर साल भाद्रपद मास के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि से देशभर में गणेश उत्सव का शुभारंभ होता है। इस दिन को भगवान श्री गणेश के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। मान्यता है कि, इस शुभ अवसर पर भक्तजन अपने घर गणपति जी को लाते हैं और विधि-विधान से उनकी पूजा-अर्चना करते हैं। इस दौरान गणेश जी की स्थापना से लेकर पूजा-पाठ, भोग-व्रत और विसर्जन तक कई नियमों का पालन भी किया जाता है। हालांकि, गणेश जी की स्थापना के बाद भक्त अपनी श्रद्धा के अनुसार डेढ़, तीसरे , पांचवें या अनंत चतुर्दशी के दिन ही गणपति का विसर्जन करते हैं।

तिथि व स्थापना मुहूर्त

हिंदू पंचांग के मुताबिक, भाद्रपद माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्थी तिथि को ही गणेश चतुर्थी मनाई जाती है। अधिकांश हिंदू व्रत सूर्योदय के समय ही किए जाते हैं लेकिन गणेश स्थापना दोपहर के समय की जाती है। ऐसा इसलिए क्योंकि माना जाता है कि भगवान गणेश का जन्म दोपहर में ही हुआ था। दोपहर के समय मूर्ति स्थापित करना काफी शुभ माना जाता है।पंचांग के अनुसार, चतुर्थी तिथि का आरंभ 14 सितंबर 2026 को सुबह 7 बजकर 6 मिनट पर होगा और इसका समापन 15 सितंबर को सुबह 7 बजकर 44 मिनट पर होगा। उदया तिथि के अनुसार, गणेश चतुर्थी का पर्व 14 सितंबर 2026, सोमवार को ही मनाया जाएगा। इसी दिन गणपति जी की स्थापना की जाएगी। गणेश स्थापना और पूजा का शुभ मुहूर्त सुबह 11.02 बजे से दोपहर 1.31 बजे तक रहेगा।

मुहूर्त पर नजर...

गणेश चतुर्थी प्रारंभ- सोमवार, 14 सितंबर सुबह 7 बजकर 6 मिनट

चतुर्थी तिथि समाप्त - मंगलवार 15 सितंबर सुबह 7 बजकर 44 मिनट

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ ने विभिन्न मांगों को लेकर सौंपा ज्ञापन

नगर संवाददाता, सतना।

मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के तत्वाधान में ब्लॉक व तहसील अध्यक्ष सोहावल द्वारा अपनी विभिन्न मांगों को लेकर मुख्यमंत्री एवं मुख्य सचिव मप्र शासन भोपाल के नाम ज्ञापन मंगलवार 8 सितम्बर को अनुविभागीय अधिकारी रघुराजनगर को ज्ञापन सौंपा गया। ज्ञापन में मुख्यमंत्री की घोषणाओं कर्मचारियों पेंशनरों के स्वास्थ्य बीमा योजना, कर्मचारी आयोग का गठन, एवं दो संतान की बाध्यता समाप्ति, करने संबंधित अपेक्षित कार्यवाही, लिपिक संवर्ग को मंत्रालय के समान समयमान वेतनमान ओपीएस बहाली, स्टाइपेंड समाप्ति, सहित अन्य मांगें ज्ञापन में दिया गया।

मप्र राज्य कर्मचारी संघ के ब्लॉक अध्यक्षविष्णु नारायण त्रिपाठी तहसील अध्यक्ष हेमराज सिंह के नेतृत्व में समस्त पदाधिकारी/कर्मचारी उपस्थित रहे। जिनमें मुख्य रूप से जिला अध्यक्ष जितेंद्र त्रिपाठी, संतोष श्रीवास्तव, ऋषिकेश गुप्ता, विजय सिंह परिहार, हेमराज सिंह, अमित त्रिपाठी, रमेश चतुर्वेदी, अमित मिश्रा, प्रहलाद वर्मा, सुरेंद्र रावत, प्रियव्रत सिंह, राजेन्द्र सिंह, सूर्यप्रकाश चौधरी, शोभा चौधरी, सरला तिवारी,प्रवीण मिश्रा, सूरज मिश्रा, शशिलता धुर्वे, स्नेहलता खरे, खुशबू सिंह, किरण सिंह, विवेक प्रजापति, अजीत सिंह, कमलेन्द्र सिंह, संध्या मिश्रा, साधना शुक्ला, रन्नु, राजकुमारी शुक्ला, संजीव गर्ग, भूपेंद्र सिंह, पुष्पा सिंह, पुष्पा कुशवाहा, सौरभ सिंह, अजय सिंह, कामिनी गौतम, नवाब सिंह, पंकज सिंह, विनीत धुर्वे, अंखिला सेन आदि उपस्थित रहे।

'सेवा संकल्प अभियान' को बूथ स्तर तक आयोजित करने प्रभारी मंत्री ने दिये निर्देश

- पार्टी कार्यालय में कार्यकर्ताओं से की मुलाकात, जिला विकास समिति की ली बैठक

नगर संवाददाता, सतना।

प्रदेश के नगरीय विकास विभाग व आवास मंत्री एवं जिले के प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय मंगलवार को सतना पहुंचे जहां पर उन्होंने सर्किट हाउस में प्रशासन एवं पार्टी कार्यकर्ताओं की एक संयुक्त बैठक लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले सेवा संकल्प अभियान के सफल क्रियान्वयन हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए। प्रभारी मंत्री ने भाजपा कार्यालय में जिला विकास समिति की बैठक लेकर जिले के विकास के

सम्बंध में महत्वपूर्ण चर्चा की । इस दौरान उन्होंने नवनियुक्त एल्डरमैनों से परिचय भी प्राप्त किया।

भाजपा की जनसेवा परंपरा को और मजबूत करता अभियान

श्री विजयवर्गीय ने पार्टी के वरिष्ठ नेताओं एवं कार्यकर्ताओं से अलग से सौजन्य मुलाकात कर सेवा संकल्प अभियान को लेकर गरीमामयी आयोजन करने के सम्बंध में गंभीर चर्चा की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारत को विकसित राष्ट्र बनाने का जो संकल्प लिया है, उसे साकार करने में संगठन और कार्यकर्ताओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान को एकजुटता और समर्पण के साथ बूथ से लेकर मंडल एवं जिला स्तर तक प्रभावी रूप से संचालित किया जाए। श्री विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक जीवन सेवा, सुशासन और राष्ट्र निर्माण के प्रति समर्पण का प्रेरणादायी उदाहरण है। उनके जन्मदिवस को सेवा कार्यों के माध्यम से मनाना भारतीय जनता पार्टी की जनसेवा की परंपरा को और मजबूत करता है।

ये रहे उपस्थित

इस दौरान सांसद गणेश सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष पं भगवती प्रसाद पांडे, विधायक सुरेंद्र सिंह गहरवार, महापौर योगेश ताम्रकार, पूर्व विधायक ऊषा चौधरी, जिला पंचायत उपाध्यक्ष सुष्मिता सिंह परिहार, नगरनिगम अध्यक्ष राजेश चतुर्वेदी, वरिष्ठ भाजपा नेता पुष्पेंद्र प्रताप सिंह, मनीष तिवारी, पुष्पराज बागरी, श्रीमती ममता पांडे, ऋषभ सिंह, बालेन्द्र गौतम, मुरारी सोनी, गीतेश्वर सिंह, रामपाल यादव, जय प्रकाश गुप्ता, रमाकांत गौतम, प्रियंशा उर्मलिया, गेंदलाल पटेल, अशोक गुप्ता, बाबूलाल सिंह, अतुल शुक्ला, चंद्रभान कुशवाहा, वसुंधरा सिंह, दीप नारायण सिंह, राकेश सोनी, सुनील सेनानी, अतुल सिंह परिहार, महेंद्र तिवारी,राबेन्द्र सिंह, लक्ष्मण रावत, श्यामलाल गुप्ता श्यामू, नीता सोनी, अर्चना पटेल, प्रियंक त्रिपाठी सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

माटी गणेश-सिद्ध गणेश अभियान अंतर्गत कार्यक्रम का आयोजन

नगर संवाददाता, सतना।

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के तत्वावधान में माटी गणेश-सिद्ध - गणेश अभियान के अंतर्गत पर्यावरण संरक्षण, भारतीय संस्कृति एवं परंपराओं के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से कार्यक्रम का आयोजन विनायक पब्लिक स्कूल, पौराणिक टोला में किया गया। कार्यक्रम में माटी से निर्मित गणेश प्रतिमा के उपयोग तथा पर्यावरण हितैषी गणेशोत्सव मनाने का संदेश दिया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से आशीष कुमार ताम्रकार जिला समन्वयक, सुभाष चौधरी जिला विधिक अधिकारी, अरुण सिंह ब्लॉक समन्वयक, विश्वनाथ ब्लॉक समन्वयक, राम नारायण त्रिपाठी, प्रेमशंकर भनेश, परामर्शदाता अर्चना त्रिपाठी, श्रद्धा दुबे, अनिल त्रिपाठी सहित विद्यालय परिवार एवं अन्य गणमान्यजन उपस्थित रहे।

महर्षि कश्यप ऋषि जयंती व वैश्य दिवस की तैयारी को लेकर बैठक

- वाहन रैली, प्रभात फेरी व शोभायात्रा के लिए बनी कार्ययोजना

नगर संवाददाता, सतना।

महर्षि कश्यप ऋषि जयंती एवं वैश्य दिवस समारोह की तैयारियों को लेकर महत्वपूर्ण बैठक कश्यप मैरिज गार्डन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता वैश्य परिषद अध्यक्ष कमलेश गुप्ता ने की, जबकि कार्यक्रम संयोजक हरिओम गुप्ता की उपस्थिति में कार्यक्रम की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की गई। कार्यक्रम मीडिया संयोजक महेश कुमार गुप्ता ने जानकारी देते हुए बताया कि बैठक में 14 सितंबर को आयोजित होने वाली वाहन रैली तथा 15 सितंबर को होने वाली प्रभात फेरी एवं शोभायात्रा की तैयारियों को लेकर सघन विचार-विमर्श किया

गया।कार्यक्रम संयोजक हरिओम गुप्ता ने तैयारियों से संबंधित जानकारी दी। बैठक का संचालन वैश्य परिषद के उपाध्यक्ष विनोद गुप्ता ने किया।

शहर के विभिन्न मार्गों से 14 को निकलेगी वाहन रैली

बैठक मे चर्चा हुई कि 14 सितंबर को दोपहर 3 बजे विशाल वाहन रैली वैश्य घटकों के युवा साथियों एवं मातृशक्ति की सहभागिता से हनुमान नगर, नई बस्ती से हरी झंडी दिखा कर प्रारंभ होगी। वाहन रैली शहर के विभिन्न मार्गों से भ्रमण करते हुए टिकुरिया टोला स्थित कश्यप चौक पहुंचेगी, जहां स्वल्पाहार के साथ रैली का समापन होगा।

15 को निकाली जायेगी शोभायात्रा

वहीं 15 सितंबर, ऋषि पंचमी के अवसर पर टिकुरिया टोला कश्यप चौक स्थित महर्षि कश्यप ऋषि के मंदिर में दोपहर 1 बजे पूजा-अर्चना एवं मंचीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। इसके पश्चात दोपहर 3 बजे टिकुरिया टोला स्थित गुरुकुलम स्कूल के पास से भव्य शोभायात्रा प्रारंभ होगी, जो शहर के विभिन्न मार्गों से भ्रमण करते हुए कसौधन धर्मशाला, केशव दास मंदिर, पुराना पावर हाउस चौक पहुंचेगी, जहां प्रसाद वितरण के साथ शोभायात्रा का समापन होगा।

ये रहे मौजूद

बैठक में प्रमुख रूप से जगदीश गुप्ता, कमलेश गुप्ता, हरिओम गुप्ता, विनोद गुप्ता, घनश्याम केसरी, अशोक कुमार गुप्ता, श्याम सुंदर गुप्ता, रामजी गुप्ता, जगदीश गुप्ता, सचिन गुप्ता, गणेश प्रसाद गुप्ता, छवी गुप्ता, ओम प्रकाश गुप्ता, सी.एल. गुप्ता, सतीश गुप्ता, अजय गुप्ता, विजय कुमार गुप्ता, अश्विनी गुप्ता, जयप्रकाश गुप्ता, ओम प्रकाश गुप्ता, देवीदिन गुप्ता, विकास गुप्ता, दयाल दास गुरु, महेश कुमार गुप्ता, आशीष गुप्ता एवं बेटू गुप्ता समेत भारी संख्या में वैश्य समाज के सामाजिक बंधु उपस्थित रहे।

नेकी फाउंडेशन ने किया महाआरती का आयोजन

नगर संवाददाता, सतना।

प्रत्येक महीने की तरह इस बार भी दक्षिण मुखी हनुमान जी पुरानी कचहरी में जन कल्याण के लिए देव हनुमान जी के चरणों में विनय आरती की गई । आरती के प्रारंभ में पंडित ओंकार पयासी द्वारा मंत्र उच्चारण कर अतिथियों से दीपक प्रजलित करवाए गए। इस महा आरती में नगर के प्रतिष्ठित व्यवसायी वरिष्ठ समाजसेवी मनमोहन माहेश्वरी विशेष रूप से उपस्थित रहे । धीरज एवं संस्था के बृजेश शुक्ला ने सभी भक्त जनों का तिलक वंदन कर अभिनंदन किया। इसी के साथ अंशुल तिवारी, मोहित सिंह कपूर , डॉ राहुल मेहरोत्रा सहित मातृ शक्तियों में निधि कपूर,गुरुशा सिंह कपूर,शालिनी सिंह, डॉ रिंकल मेहरोत्रा ,विक्रम माकीन एवं काफी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे । जन कल्याण के लिए की जाने वाली यह महा आरती विगत कई वर्षों से निरंतर जारी है । यही कारण है कि भक्तों की भीड़ निरंतर बढ़ रही है । संस्था के संस्थापक राजेंद्र सिंह कपूर ने सभी भक्तों का अभिनंदन करते हुए जनकल्याण के लिए देव चरणों में दुआएं मांगी।

[मौसम] 4 दिन में 7 डिग्री बढ़ा पारा

थमी बारिश, बढ़ी उमस व गर्मी

नगर संवाददाता, सतना।

पिछले कुछ दिनों से जिले में बारिश लगभग थम सी गई है। आसमान में रह रहकर बादल डेरा डाल रहे हैं लेकिन बारिश नहीं होने से एक बार फिर से उमस व गर्मी का असर देखने को मिलने लगा है। मंगलवार को बादलों के बीच सूर्यदेव की लुकाछिपी कई बार देखने को मिली। हल्की बूंदाबांदी के बाद जैसे ही धूप निकली गर्मी व उमस से लोग बेहाल होने लगे।

अब तक 1251.9 मि.मी. औसत वर्षा दर्ज

जिले में इस वर्ष 1 जून से 8 सितम्बर तक 1251.9 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई

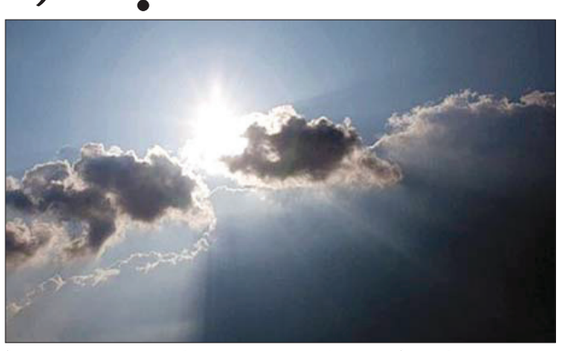

है। अधीक्षक भू-अभिलेख सतना से प्राप्त जानकारी के अनुसार अब तक जिले की सतना (रघुराजनगर) तहसील में 1353.4 मि.मी., सोहावल (रघुराजनगर) में 1307 मि.मी., बरौंधा (मझगवां) में 1568.8 मि.मी, बिरसिंहपुर में 1418.4 मि.मी., रामपुर बाघेलान में 1331 मि.मी., नागौद में 1299.7 मि.मी., जसो (नागौद) में 853.7 मि.मी. एवं उचेहरा में 883 मि.मी. औसत वर्षा अब तक दर्ज की जा चुकी है। जिले की औसत सामान्य वर्षा 891.7 मि.मी. है। विगत वर्ष इस अवधि तक जिले में औसत वर्षा 982.7 मि.मी. वर्षा दर्ज की जा चुकी थी।

तापमान पर एक नजर

दिनांक	अधिकतम	न्यूनतम
5 सितम्बर	26.6	24.0
6 सितम्बर	29.7	24.7
7 सितम्बर	31.4	24.6
8 सितम्बर	33.0	25.0

(नोट : तापमान डिग्री सेल्सियस में)

33 डिग्री पर पहुंचा अधिकतम पारा

बारिश थमने के बाद से तापमान में बढ़ोत्तरी का सिलसिला लगातार जारी हो गया है। चार दिन पहले शनिवार को अधिकतम तापमान जहां 26.6 डिग्री रिकार्ड किया गया था वही चार दिन बाद मंगलवार को 33.0 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। इसी प्रकार से न्यूनतम तापमान जो शनिवार को 24.0 डिग्री सेल्सियस था उसमें मामूली बढ़ोत्तरी देखने को मिली। मंगलवार को न्यूनतम तापमान 25.0 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया।

'विश्व हृदय दिवस' पर विशेष पोस्टर का विमोचन

सतना। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन एवं भारत विकास परिषद सतना के संयुक्त तत्वावधान में 'विश्व हृदय दिवस' के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। कार्यक्रम को लेकर आज पोस्टर का विमोचन किया गया। आयोजकों ने बताया कि 'दिल की बातें, हम भी जाने' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में देश के प्रख्यात हृदय रोग विशेषज्ञों द्वारा हृदय स्वास्थ्य, हृदय रोगों से बचाव और स्वस्थ जीवनशैली को लेकर महत्वपूर्ण जानकारी एवं मार्गदर्शन दिया जाएगा। यह कार्यक्रम रविवार, 27 सितंबर को शाम 4 बजे से 6 बजे तक टाउन हॉल, सेमरिया चौक में आयोजित होगा। कार्यक्रम का उद्देश्य लोगों को हृदय रोगों के प्रति जागरूक करना और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है।

चेम्बर ने प्रभारी मंत्री को शहर की दुर्दशा से कराया अवगत

नगर संवाददाता, सतना।

प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के सतना प्रवास के दौरान चेम्बर अध्यक्ष श्री सतीश सुखेजा के नेतृत्व मे चेम्बर प्रतिनिधि मण्डल ने सर्किट हाउस मे प्रभारी मंत्री से मुलाकात की।

चेम्बर महामंत्री मनोज कटारे ने बताया कि चेम्बर अध्यक्ष द्वारा शहर की जर्जर सड़के, गंदे पानी के निकास की समस्या, यातायात की समस्या, ठेलों के अतिक्रमण के कारण उत्पन्न अव्यवस्था से प्रभारी मंत्री को अवगत कराया। चेम्बर अध्यक्ष ने मुलाकात के दौरान 1 जुलाई 2026 से लेकर अभी तक शासन के साथ किये गये सभी पत्राचारों की प्रतिलिपि एवं शहर की समस्याओं पर 14 सूत्रीय ज्ञापन सौपते हुए यह भी बताया कि चेम्बर ने 14 जुलाई 2026 को शहर की मूलभूत सुविधाओं के

प्रति नगर निगम की उदासीनता के विरोध मे नगर निगम का घेराव किया था और शहर के व्यापारी लगभग 6 घण्टे तक नगर निगम कार्यालय के बाहर जमीन पर बैठकर शांतिपूर्वक प्रदर्शन करते रहे परन्तु नगर निगम आयुक्त मौके पर नही पहुंचे उनके स्थान पर महापौर ने चेम्बर का ज्ञापन स्वीकार करते हुए यह कहां था कि चेम्बर की मांगे जायज हैं और यह आश्वासन भी दिया था कि तीन दिन के अंदर व्यापारियो के प्रतिनिधि मण्डल के साथ एक वृहद बैठक कर समस्याओ का त्वरित निराकरण किया जायेगा परन्तु दुर्भाग्य है कि आज दिनांक तक महापौर एवं नगर निगम अमले द्वारा कोई कार्यवाही नही की गई और शहर की हालात बद से बदतर हो गई। प्रभारी मंत्री ने चेम्बर अध्यक्ष को यह आश्वासन दिया है कि अधिकारियों को निर्देशित कर समस्या का समाधान जल्द से जल्द किया जायेगा।

संक्षिप्त समाचार

महिला कांग्रेस जिलाध्यक्ष विजयलक्ष्मी हुईं गंभीर बीमार

रीवा। महिला कांग्रेस जिला अध्यक्ष ग्रामीण विजय लक्ष्मी मिश्रा अचानक गंभीर रूप से अस्वस्थ हो गई हैं। बताया गया कि विजय लक्ष्मी महिला कांग्रेस के इंदौर स्नेह बंधन रक्षाबंधन कार्यक्रम में शामिल हुई,इसके बाद राहुल गांधी के 19 सितंबर को आयोजित होने वाले कार्यक्रम की तैयारी बैठक में शामिल होने के बाद इंदौर से रीवा आने पर उनको अचानक ही चक्कर मार दिया इसके बाद वह गंभीर रूप से बीमार हो गई हैंजिनका इलाज भगवती अस्पताल न्यूरोसर्जन डॉक्टर दिनेश पटेल के सानिध्य में चल रहा है।

कमिश्नर आज करेंगे विभिन्न विभागों की समीक्षा

रीवा। संभाग के कमिश्नर शीलेन्द्र सिंह 9 सितम्बर को शाम 4 बजे से वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से आयोजित संभागीय बैठक में विभिन्न विभागों की समीक्षा करेंगे। बैठक में राजस्व, पंचायत एवं ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य विभाग, शिक्षा विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा पुलिस एवं आबकारी विभाग से जुड़े मुद्दों की समीक्षा करेंगे। सभी संबंधित अधिकारियों को 8 सितम्बर तक एजेण्डा बिन्दुओं की जानकारी प्रस्तुत करने तथा बैठक में वीडियो कांफ्रेंसिंग से बैठक में शामिल होने के निर्देश दिए गए हैं। संभागीय अधिकारी कमिश्नर कार्यालय एनआईसी केन्द्र से बैठक में शामिल होंगे।

बाल भारती विद्यालय में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया शिक्षक दिवस

रीवा, नगर संवाददाता। 05 सितम्बर 2026 को बाल भारती विद्यालय में शिक्षक दिवस समारोह डॉ. अमोल कुमार मिश्रा 'बटरोही' सेवानिवृत्त पूर्व जिला शिक्षा अधिकारी के मुख्यातिथ्य में सम्पन्न हुआ। सर्वप्रथम मुख्य अतिथि डॉ. मिश्रा जी ने पूर्व राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी के छाया चित्र पर माल्यार्पण कर दीप प्रज्ज्वलन किया। विद्यालय के छात्र-छात्राओं द्वारा पुष्पगुच्छ भेंटकर 'हे गुरुवर तुम्हीं ने राह दिखाई' स्वागत गीत के माध्यम से मुख्य अतिथि महोदय का अभिनंदन एवं स्वागत किया गया। शिक्षक दिवस के इस पावन अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य ने मुख्य अतिथि का परिचय देते हुए अपने स्वागत भाषण में डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन के जीवन एवं उनके शिक्षा के प्रति योगदान को याद करते हुए कहा कि 'शिक्षक केवल ज्ञान नहीं देता बल्कि विद्यार्थियों को जीवन जीने की कला भी सिखाता है।' शिक्षक किसी भी राष्ट्र का शिल्पी होता है। उस पर राष्ट्र की बड़ी जिम्मेदारी होती है। वह बच्चों में चरित्र निर्माण एवं नैतिक कर्तव्यों को विकसित कर सफलता के शिखर तक पहुँचाता है। विद्यालय कैप्टन मास्टर अक्षत त्रिपाठी ने गुरुजनों को शत-शत नमन करते हुए राष्ट्रोत्थान एवं समाज कल्याण में शिक्षकों के योगदान को सर्वोपरि बताया।

समीक्षा बैठक में कमिश्नर का निर्देश

अनुपस्थिति पर पैरा स्टाफ के विरुद्ध होगी कार्रवाई

रीवा, नगर संवाददाता। संभाग के कमिश्नर श्री शीलेंद्र सिंह ने संभागीय समय सीमा की बैठक में सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि गत दिनों हुई लगातार बारिश के दौरान जो शासकीय संपत्ति डैमेज हुई है, सभी संबंधित विभाग प्रमुख अपनी शासकीय संपत्तियों को हुए नुकसान का आकलन करें और सभी शासकीय संपत्तियों एवं भवनों को पुनः रिस्टोर करें। इसके लिए व्यापक स्तर पर प्लान बनाकर मरम्मत का कार्य प्रारंभ कर दें।

कमिश्नर ने सभी संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि अपनी शासकीय परिसंपत्तियों पर हुए अतिक्रमण को पुलिस विभाग के सहयोग से तत्काल हटाना सुनिश्चित करें एवं कब्जाधारियों के विरुद्ध अनिवार्य रूप से एफआईआर दर्ज कर कार्रवाई करें। कमिश्नर ने 100 दिवस से अधिक की सीएम हेल्पलाइन की सभी शिकायतों का आगामी एक सप्ताह में निराकरण करने के निर्देश दिए। इस दौरान कमिश्नर ने महिला एवं बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग, खाद्य विभाग, नगरीय प्रशासन विभाग, श्रम विभाग, विद्युत विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह अपनी 100 दिवस से अधिक की शिकायतों का संतुष्टि पूर्वक निराकरण करना सुनिश्चित करें। कमिश्नर ने कहा कि शिकायतों के निराकरण में लापरवाही एवं देरी बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

कमिश्नर ने निर्देश दिए की सभी चिकित्सालयों में चिकित्सक एवं पैरामेडिकल स्टाफ अपनी निर्धारित ड्यूटी नियम एवं ईमानदारी से करना सुनिश्चित करें। यदि कोई चिकित्सक या पैरामेडिकल स्टाफ नियम विरुद्ध ड्यूटी से अनुपस्थित पाया जाएगा तो उनके विरुद्ध प्रभावशील कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी। कमिश्नर ने कहा कि चिकित्सालय में इलाज कराने आए मरीज के एक अटेंडर को ही रहने की अनुमति दी जाएगी। कमिश्नर ने स्कूल शिक्षा विभाग एवं उच्च शिक्षा विभाग की समीक्षा करते हुए सभी जिला शिक्षा अधिकारियों को निर्देश दिए कि वह जिलों में नीट एवं जेईई के प्रश्न बैंक बनवाएं ताकि विद्यार्थी इसका लाभ उठा सके। उन्होंने संयुक्त संचालक उच्च शिक्षा को निर्देश दिए की सभी महाविद्यालय एवं विकासखंड में स्थित महाविद्यालयों में यूपीएससी एवं एमपीपीएससी की कक्षाएं नियमित रूप से संचालित करते रहें एवं विद्यार्थियों को विषय से संबंधित सभी पाठ्यक्रम एवं सिलेबस उपलब्ध कराया जाए।

मेडिकल कॉलेज के प्रभारी डीन डॉ. मनोज इंदुरकर ने बताया कि संजय गांधी अस्पताल में मरीज के अटेंडर की संख्या एक रखी जाएगी एवं अस्पताल में एक एंट्री पॉइंट ही रखा जाएगा। मोबाइल टीम बनाई गई है, आपातकालीन स्थिति में इंटरकॉम फोन के माध्यम से ही चिकित्सक आपस में संपर्क में रहेंगे। कमिश्नर ने प्रभारी डीन को निर्देश दिए कि वह अस्पताल में हुए क्रिटिकल उपचार एवं ऑपरेशन तथा अच्छे कार्यों की स्टोरी मीडिया एवं आम जनता से साझा करें। बैठक में संयुक्त आयुक्त वीरेंद्र पटेल, उपायुक्त राजस्व एलएल अहिरवार, डिप्टी कमिश्नर श्रीमती दिव्या त्रिपाठी सहित सभी संबंधित विभाग के अधिकारी गण उपस्थित रहे।

कांग्रेसियों की सद्बुद्धि के लिए शुरू हुआ धरना

रीवा, नगर संवाददाता। रीवा कलेक्टर कार्यालय के सामने 8 सितंबर 2026 से नगरवासियों द्वारा धरना एवं हनुमान चालीसा पाठ शुरू किया गया है। यह आयोजन 'सद्बुद्धि दो राम' के नाम से किया जा रहा है। धरने पर बैठे लोगों का कहना है कि स्वास्थ्य मंत्री राजेंद्र शुक्ल द्वारा कल्पना मिश्रा प्रकरण में उचित कार्रवाई करते हुए उनकी मांगों को पूरा किया गया था, जिसके बाद भी अनशन जारी है और नई मांगें रखी जा रही हैं। उनका आरोप है कि कांग्रेस नेताओं के दबाव के कारण अनशन समाप्त नहीं किया जा रहा है। इसी को लेकर नगरवासी राजेंद्र शुक्ल के समर्थन में धरना दे रहे हैं और हनुमान चालीसा पाठ एवं व्याख्यान माला का आयोजन कर रहे हैं।

ग्रीन बेल्ट में निर्मित स्थाई स्ट्रक्चर पर होगी कार्यवाही

■ सर्वे के आधार पर जारी होंगे नोटिस

रीवा, नगर संवाददाता। निगम आयुक्त अक्षत जैन द्वारा शहर के ग्रीन बेल्ट क्षेत्र में निर्मित स्ट्रक्चर के संबंध में समीक्षा करते हुए निर्देशित किया गया कि सर्वे कराकर नियमानुसार 50 मीटर के दायरे में आने वाले समस्त स्थाई स्ट्रक्चर को नोटिस जारी किए जाएं। उन्होंने कहा कि सर्वे कार्य समयबद्ध रूप से पूर्ण कर प्रतिवेदन प्रस्तुत किया जाए तथा नियमों के विपरीत पाए गए निर्माणों पर नियमानुसार आगे की कार्यवाही सुनिश्चित की जाए।

निगम आयुक्त ने भवन अनुज्ञा से संबंधित कार्यों को और अधिक व्यवस्थित बनाने हेतु बिल्डिंग इंस्पेक्टर एवं बिल्डिंग ऑफिसर की विशेष ट्रेनिंग आयोजित कराने के निर्देश दिए। प्रशिक्षण में मास्टर प्लान, भूमि विकास नियम एवं भवन अनुज्ञा से जुड़े समस्त प्रावधानों की विस्तृत जानकारी दी जाएगी, ताकि समस्त अनुज्ञाएं नियमों का पूर्ण पालन करते हुए जारी हों और भविष्य में भवन अनुज्ञा को लेकर किसी प्रकार की समस्या की स्थिति निर्मित न हो। आयुक्त ने कहा कि प्रशिक्षण उपरांत भवन अनुज्ञा की प्रक्रिया में एकरूपता आएगी तथा आवेदकों को भी अनावश्यक विलंब का सामना नहीं करना पड़ेगा। नियमानुसार प्राप्त आवेदनों का निराकरण निर्धारित समय-सीमा में किया जाए यह सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए। उन्होंने निर्देशित किया कि बिल्डिंग इंस्पेक्टर मौके पर उपस्थित रहकर स्थल निरीक्षण करें एवं अपनी रिपोर्ट प्रकरण में अनिवार्य रूप से संलग्न करें। निगम आयुक्त ने स्पष्ट किया कि इस कार्य में लापरवाही बरतने पर तथा नियमों को दरकिनार कर अनुज्ञा जारी किए जाने की स्थिति में संबंधित के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की जाएगी।

कमिश्नर ने जनसुनवाई में विभिन्न आवेदनों की सुनवाई की

रीवा। आम जनों की शिकायतों एवं समस्याओं के त्वरित निराकरण के लिए शासन के निर्देश अनुसार प्रति मंगलवार को जनसुनवाई के कार्यक्रम आयोजित किये जाते हैं। कमिश्नर कार्यालय में आयोजित जनसुनवाई में रीवा संभाग के कमिश्नर शीलेंद्र सिंह ने संभाग के सीधी, रीवा, मऊगंज, सिंगरौली, मैहर एवं सतना जिले से आए आवेदनकर्ताओं के आवेदनों पर सुनवाई की और सभी आवेदनों के निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में ग्राम सर तहसील मंनगवा के सुनील अवस्थी और अन्य लोगों ने कमिश्नर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत कर बताया कि रीवा से सीधी रेलवे लाइन हेतु उनकी भूमि अधिग्रहित की गई है। उन सभी ने भूमि के अधिग्रहण के एवज में नियम अनुसार शासकीय नौकरी अथवा विकल्प के रूप में एक मुश्त 5 लाख रुपए की राशि दिलाने की मांग की। कमिश्नर ने सभी आवेदकों को तत्काल एसडीएम चुरहट के पास चुरहट मे मिलने को कहा। कमिश्नर ने कहा कि आवेदकों की समस्याओं का निराकरण प्राथमिकता से किया जाएगा। ग्राम खारा के ग्रामीणों ने पटवारी हल्का जुड़मनिया रघुनाथ में पदस्थ पटवारी को उनके मनमाने व्यवहार के लिए निलंबित करने अथवा उनका स्थानांतरण अन्यत्र करने से संबंधित आवेदन दिया।

पूरे प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई हैः कमलेश्वर पटेल

रीवा, नगर संवाददाता। प्रदेश सहित जिले की स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली के विरोध मे आदिवासी कांग्रेस एवं जिला कांग्रेस कमेटी के संयुक्त तत्वाधान मे किया जा रहा न्याय सत्याग्रह के तीसरे दिन सीडब्ल्यूसी सदस्य एवं पूर्व मंत्री कमलेश्वर पटेल के मुख्यआतिथ्य एवं आदिवासी कांग्रेस विभाग के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया की अध्यक्षता मे सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर न्याय सत्याग्रह मे उपस्थित कांग्रेसजनों को संबोधित करते हुये कमलेश्वर पटेल ने कहा कि पूरे प्रदेश की स्वास्थ्य व्यवस्था चरमरा गई है, कल्पना मिश्रा और उसके नवजात शिशु की दर्दनाक मृत्यु स्वास्थ्य विभाग की यह पहली घटना नही है, वरन् पूरे प्रदेश मे आयेदिन इस प्रकार की घटनायें घटित हो रही है। श्री पटेल ने कहा कि रीवा संभागीय मुख्यालय है यहां संजय गांधी अस्पताल मे संभाग भर के लोग चिकित्सा हेतु आते हैं, जिनके जीवन के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। न्याय सत्याग्रह की अध्यक्षता कर रहे डॉ. विक्रान्त भूरिया ने कहा कि स्वास्थ्य मंत्री स्वास्थ्य विभाग संभालने मे पूरी तरह अक्षम साबित हुये हैं। न्याय सत्याग्रह को विधायक फुन्देलाल मारको, बिछिया विधायक नारायण सिंह पट्टा, पूर्व राज्यसभा सांसद राजमणि पटेल, जिला पंचातय अध्यक्ष सिंगरौली सोनम सिंह, प्रदेश महासचिव सुखेन्द्र सिंह बन्ना, प्रदेश महासचिव कविता पाण्डेय, डॉ. रश्मी सिंह पटेल, युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष यश घंघोरिया, पूर्व विधायक राजेन्द्र मिश्रा ने संबोधित किया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी ग्रामीण अध्यक्ष इंजी. राजेन्द्र शर्मा, मऊगंज जिला अध्यक्ष हरिलाल कोल, जिला जिला कांग्रेस अध्यक्ष विजय कोल, महापौर अजय मिश्रा बाबा, शहर अध्यक्ष अशोक पटेल, प्रदेश महासचिव गुरमती सिंह मंगू, पूर्व विधायक विद्यावती पटेल, प्रदेश सचिव डॉ. शीला त्यागी, जिला संगठन प्रभारी रामलखन पटेल, रामगरीब बनवासी, रमाशंकर सिंह, संगठन महासचिव रवि तिवारी, शहर संगठन महासचिव सज्जन पटेल सहित कांग्रेसजन उपस्थित रहे।

युकां पर आंसू गैस और पानी की बौछार

रीवा, नगर संवाददाता। स्वास्थ्य व्यवस्थाओं और संजय गांधी अस्पताल में जच्चा-बच्चा की मौत के मामले को लेकर मंगलवार को युवा कांग्रेस ने प्रदर्शन किया। प्रदेश अध्यक्ष यस घनघोरिया के नेतृत्व में कार्यकर्ता स्वास्थ्य मंत्री के आवास का घेराव करने पहुंचे। प्रदर्शन को देखते हुए पुलिस ने आवास की ओर जाने वाले मार्गों पर बैरिकेडिंग कर सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी थी। प्रदर्शनकारियों को आगे बढने से रोकने के दौरान पुलिस और कार्यकर्ताओं के बीच धक्का-मुक्की की स्थिति बनी। पुलिस ने भीड़ को नियंत्रित करने के लिए वाटर कैनन का इस्तेमाल किया। स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े जाने की भी जानकारी सामने आई है। पुलिस ने युवा कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष सहित कई कार्यकर्ताओं को हिरासत में लिया। युवा कांग्रेस नेताओं ने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं में सुधार, जच्चा-बच्चा की मौत के मामले में जिम्मेदार लोगों पर कार्रवाई और स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की मांग की। पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हुए घटनाक्रम के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए तनाव की स्थिति बनी रही। प्रशासन ने कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया।

युवा कांग्रेस ने अमहिया थाने में जाकर अपनी गिरफ्तारी दी

रीवा, नगर संवाददाता। युवा कांग्रेस के सैकड़ो लोग स्वास्थ्य मंत्री राजेन्द्र शुक्ल के निवास के घेरवा पर हुये एफआईआर में स्वयं चल कर अमहिया थाने में गिरफ्तारी दिये लेकिन पुलिस प्रशासन ने अजमानतीय धाराये 190, 191(2), 296(बी), 333, 324(2) बी.एन.एस. लगाने के बावजूद भी जेल नही भेजा गया। बहन कल्पना मिश्रा को न्याय दिलाने के लिये युवक कांग्रेस के साथियो ने स्वास्थ मंत्री के आवास का घेराव करते हुये न्याय की मांग की थी। घेराव करने वाले युवो में प्रदेश के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अभिषेक परमार, जिला अध्यक्ष अनूप सिंह चंदेल, एनएसयूआई के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मंजुल त्रिपाठी, प्रदेश सचिव एनएसयूआई रवि सुमित सिंह, युवा कांग्रेस के जिला महासचिव शिवेन्द्र गुप्ता शिब्बू, गुढ विधानसभा अध्यक्ष रोहित यादव, गंगेव ब्लाक अध्यक्ष रामनारायण सिंह, रायपुर ब्लाक अध्यक्ष कृष्णकांत विश्वकर्मा, अनिकेश पाण्डेय के नाम से एफआईआर दर्ज की गई है।

शहर में निकाला मशाल जुलूस

रीवा, नगर संवाददाता। मृतिका कल्पना मिश्रा मौत मामले को लेकर कांग्रेस मुखर है। दोषी चिकित्सकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने सहित संजय गांधी अस्पताल की बदहाल व्यवस्था को लेकर युवा कांग्रेस,एनएसयूआई ने शहर में मशाल जुलूस निकाला। न्याय सत्याग्रह मशाल जुलूस में स्वास्थ्य मंत्री के इस्तीफे की भी मांग की गयी। उल्लेखनीय है कि कल्पना मिश्रा और गर्भस्थ नवजात की मौत के बाद एक तरफ जहॉ उनके पिता राम शिरामणि मिश्रा दोषी चिकित्सकों के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराने की मांग को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर डटे हुए हैं वहीं दूसरी तरफ कांग्रेस कमिश्नरी के सामने न्याय सत्याग्रह शुरू कर दिया। आज तीसरे दिन कांग्रेसियों ने बड़ी संख्या में एकत्रित होकर शहर में मशाल जुलूस निकाल शासन सत्ता को चेताया।

लोक निर्माण विभाग में सड़कों की अधूरी काया

सूची में 109 दर्ज, मौके पर शून्य

रीवा, नगर संवाददाता। लोक निर्माण विभाग में सड़को के कई कार्य अधर में चल रहे हैं। प्राप्त जानकारी के अनुसार 109 कार्य ऐसे हैं जो प्रगतिरत की सूची में दर्ज हैं किन्तु इनमें से कई कार्य ऐसे हैं जहां कई महीने बीतने के बाद प्रगति शून्य बताई जा रही है। बावजूद इसके विभाग के अधिकारी ऐसे ठेकेदारों के खिलाफ कोई कार्रवाई करने के लिये तैयार नहीं है। बताया जा रहा है कि ये कार्य अधिकांशतः वर्ष 2023 में स्वीकृत हुये थे। कई कार्यो की समय सीमा भी समाप्त हो चुकी होगी लिहाजा ऐसे कार्यो का निरीक्षण किया जाना चाहिये किन्तु ऐसा होता नहीं दिख रहा है। विभाग से भी निर्देश हैं कि संबंधित जि मेदार अधिकारियों को केवल कार्यालय में बैठकर प्रगति की समीक्षा तक सीमित नहीं रहना चाहिये बल्कि उन्हें मौके पर भी समय-समय पर निरीक्षण कर प्रगति की जानकारी लेनी चाहिये। आवश्यकता के अनुसार कम प्रगति या शून्य प्रगति वाले ठेकेदारों के खिलाफ अनुबंध की शर्तो के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिये। किन्तु ऐसा होता दिखाई नहीं दे रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार रीवा गड्डी, जोरी बाया भण्डारी तालाब रोड भुगतान 70 लाख प्रगति शून्य, छत्रगढ़ खुर्द से कसियार कगास नाला दुबहा व्यय 92 लाख, प्रगति शून्य, देवास पहरखा मुख्य रोड से मड़फा शंकरजी मंदिर बाया

मझपटिया डिहिया व्यय 26 लाख प्रगति शून्य, चौराघाट हनुमना सोनौरी रोड व्यय व्यय 2.35 करोड़ प्रगति शून्य, दुअरानाथ से हरदोली बाया हायर सेकेण्डरी स्कूल व्यय 44 लाख, अटरिया शिवप्रसाद मऊगंज रोड पाडर डेम से भैयालाल पटेल टोला सब कुछ शून्य, मढी महुला से पडरिया पहुच मार्ग जीरो, आलमगंज से मुक्तिधाम तिवनी बाया नहर शून्य, अमहटा से पचौर रोड व्यय 31 लाख प्रगति शून्य, बड़ी डीह पहुच मार्ग व्यय 29 लाख, बदरावं तिवरियान से भेडरहा मऊ पहुच मार्ग शून्य, बगहिया प्लान्ट से प्राथमिक स्कूल भोदहा शून्य, बरा से रहट पहुच मार्ग व्यय 1.28 करोड़ प्रगति शून्य, भागो से मलैगवां प्रगति शून्य, घूमन धुरकुच सोना डाबर पातिन डभौरा रोड प्रगति शून्य, चौराघाट रोड गनिगवां पुलिया से भगदेवा केवट बस्ती, छोटी सरूई से खतिलवार आदिवासी बस्ती शून्य, डेल्ही से देवगांव तिवरियान बाया सेमरी कोलगढ़ मेथौरी रोड व्यय 2.51 करोड़ प्रगति शून्य आदि इसी तरह से जिले में कई सड़कें हैं जिनका टेण्डर 2023 में हुआ था किन्तु कार्य की प्रगति आज तक शून्य है। बावजूद इसे कई कार्यो में कई लाख व एक करोड़ से अधिक का भुगततान भी किया जा चुका है। ऐसी सड़कों की गुणवत्ता क्या होगी जो समय सीमा में पूर्ण होने की स्थिति में दिखाई नहीं दे रही हैं।

हमारा प्रदर्शन तब तक चलेगा जब तक हम निर्णायक स्थिति पर नहीं पहुंच जातेः इंजी. शर्मा

रीवा, नगर संवाददाता। कांग्रेस कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में पत्रकारों को संबोधित करते हुए इंजी. राजेन्द्र शर्मा ने कहा कि जिले के युवक कांग्रेस के कार्यकर्ता शांतिपूर्ण तरीके से स्वास्थ्य मंत्री के खिलाफ स्वास्थ्य व्यवस्था की बदहाली को लेकर उनसे चर्चा करने के जा रहे थे लेकिन पुलिस प्रशासन द्वारा उन पर जबरन वॉटर कैनन का इस्तेमाल करना एवं उन्हें गिरफ्तार करना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण एवं लोकतांत्रिक अधिकारों का दमन है। कांग्रेस के नौजवान आजादी की लड़ाई लड़ने स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों की विचारधारा के सिपाही है। लोकतंत्र में अपनी आवाज उठाना और सरकार से सवाल करना प्रत्येक नागरिक का संवैधानिक अधिकार है। उन्होने कहा कि भाजपा के सांसद जनार्दन मिश्रा ने हमारे कांग्रेस कार्यकर्ताओं को कायर कहकर अपनी गुलामी मानसिकता का परिचय दिया है। उन्होने कहा कि आज प्रदेश की बदहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर युवा कांग्रेस के प्रदेश सरकार और स्वास्थ्य मंत्री से जवाब मांग रहें है। उनके सवालों का जवाब देने की बजाय पुलिस के बल पर आवाज दबाना और दमनात्मक कार्यवाही करना भाजपा सरकार की हताशा को दर्शाता है। सवाल यह है कि जिस प्रदेश में आमजन मानस अपने इलाज के लिए सरकारी अस्पताल पर भरोसा करता है। इस मामले में चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ पर निलंबन की कार्यवाही पर अस्पताल अधीक्षक को हटाया गया और मेडिकल कालेज के डीन को स्थानांतरित कर दिया गया। अभी इन घटनाओं के बाद प्रशासन चिर निंद्रा खुली है। कलेक्टर और एसपी आधी रात को औचक निरीक्षण किये है। श्री शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्य विभाग में पदस्थ कर्मचारियों के खिलाफ बहुत आसान रहा किन्तु इस व्यवस्था के लिए असली जिम्मेदार कौन है इस पर अभी तक कोई ध्यान नहीं दिया गया। पत्रकारवार्ता को मप्र कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं पूर्व विधायक सुखेन्द्र सिंह बन्ना ने संबोधित करते हुये कहा कि यह धरना निर्णायक होगा। पत्रकार वार्ता सत्यनारायण तिवारी एवं जी.पी. त्रिपाठी उपस्थित रहें।

संपादकीय

आखिर ट्रंप की मंशा क्या है?

ईरान युद्ध के छह माह के दौरान 10 लाख से अधिक भारतीयों को खाड़ी देशों से वापस घर आना पड़ा है। वे अचानक बेरोजगार हो गए हैं। खाड़ी देशों में काम करते हुए भारतीय करीब 51-54 अरब अमरीकी डॉलर अपने घरों को भेजते रहे हैं। यह औसत अब काफी कम हो सकता है। खाड़ी देशों में करीब 1 करोड़ भारतीय विभिन्न क्षेत्रों में, लंबे वक्त से, काम कर रहे हैं। अचानक थोपे गए युद्ध ने बहुत कुछ अस्थिर, अनिश्चित कर दिया है। होर्मुज जलडमरूमध्य लगभग बंद है और उस पर ईरान की आईआरजीसी का पूर्ण नियंत्रण है। राष्ट्रपति ट्रंप सपने देखते रहते हैं, लिहाजा यह बयान भी अटपटा नहीं लगना चाहिए कि उन्होंने कहा है कि होर्मुज का नाम बदल कर 'ट्रंप स्ट्रेट' कर देना चाहिए। बहरहाल होर्मुज से कच्चे तेल की भारत को आपूर्ति नगण्य है। कतर, कुवैत, बहरीन और संयुक्त अरब अमीरात को भारत जो इंजीनियरिंग उत्पाद निर्यात करता था, वह लगभग ठप हो गया है। बासमती चावल, केला, नारियल और चाय पत्ती आदि का निर्यात भी 50 फीसदी तक गिर गया है।

यह आर्थिक नुकसान, अंतत: भारत की अर्थव्यवस्था को प्रभावित करेगा। अब भारत एलपीजी और एलएनजी का, अमरीका से, सबसे बड़ा आयातक बन गया है। भारत ने कुल 11 लाख टन एलपीजी का आयात किया है, जिसमें अमरीका की हिस्सेदारी करीब 6 लाख टन है। अमरीका से ही एलएनजी का आयात भी 38 फीसदी से अधिक है। कभी कतर हमें 43-45 फीसदी एलएनजी की आपूर्ति करता था। अमरीकी गैस महंगी भी पड़ती है, लेकिन मजबूरी है कि इतने विशाल देश की खपत के लिए पर्याप्त गैस भी अनिवार्य है। अमरीकी पाबंदियों के बावजूद भारत ने जून-जुलाई में रूस से औसतन 26-28 लाख बैरल तेल रोजाना खरीदा है। यह हिस्सेदारी 50-55 फीसदी है। तेल-गैस का कारोबार बढ़ने और वेनेजुएला के तेल पर 'अवैध' कब्जा करने के बावजूद अमरीका पर कर्ज 40 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। यह चीन, जर्मनी, जापान, ब्रिटेन और भारत की साझा, कुल अर्थव्यवस्थाओं से भी अधिक है। यह कर्ज प्रत्येक अमरीकी पर करीब 1,19,000 डॉलर का है और प्रत्येक घर पर करीब 3 लाख डॉलर का कर्ज है। राष्ट्रपति ट्रंप इसे पिछले 35 साल का कर्ज मानते हैं और अपने कार्यकाल के दौरान कर्ज को स्वीकार करने को तैयार नहीं हैं।

बहरहाल युद्ध में संहारक प्रहार वाली, इंटरसेप्टर मिसाइलों-पैट्रियट और थाड-की कमी 50-65 फीसदी है। उत्पादन के पुराने स्तर तक लौटने में सालों लगेंगे, लेकिन फिर भी राष्ट्रपति ट्रंप ईरान युद्ध को लंबा खींचना चाहते हैं। या यूं कहें कि वह ऐसे 'चक्रव्यूह' में फंस गए हैं कि युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता ही नहीं दिख रहा। अब राष्ट्रपति ट्रंप और इजरायल के प्रधानमंत्री नेतन्याहू ईरान में तख्तापलट की साजिशों में जुटे हैं। किसका तख्तापलट चुनी हुई सरकार का अथवा खामेनेई और आईआरजीसी के नेतृत्व का! नेतन्याहू ने ट्रंप को आश्वस्त किया है कि उन्होंने पूरे तंत्र को निर्देश दे दिए हैं कि ईरान में तख्तापलट करना है। दोनों नेताओं के सामने यह मकसद तब भी था, जब 28 फरवरी को उन्होंने ईरान पर हवाई हमलों की बौछार कर दी थी। वे ईरान के सुप्रीम लीडर खामेनेई और उनके 45-48 सिपहसालारों, कमांडरों की हत्याएं ही कर पाए। अलबत्ता ईरान में हुकूमत यथावत है और आज मुज्तबा खामेनेई ईरान के सुप्रीम लीडर हैं। राष्ट्रपति ट्रंप एक तरफ ईरानी अवाम को 'विद्रोह' के लिए भड़का रहे हैं, उन्हें हथियार मुहैया कराने का लालच भी दे रहे हैं, ईरान भी पलटवार कर अमरीकी ठिकानों की तबाही कर रहा है। सवाल यह है कि आखिर ट्रंप की मंशा क्या है?

सत्य निकेतन हादसा

बच्चों की मौत का जिम्मेदार कौन?

डॉ. रमेश ठाकुर

मानवीय हिमाकतों के चलते दिल्ली में और एक बड़ी दर्दनाक घटना घट गई। सत्य निकेतन के मोतीनगर स्थिति एक सालों पुरानी जर्जर हालत की बिल्डिंग मौत बनकर रिमझिम बारिश में भरभराकर गिर पड़ी। घटना की सूचना पाकर पहुंचे बच्चों के परिजनों की चीखें कलेजा फाड़ रही हैं। परिजन बिलख रहे हैं,मांए बदहवास और बेसुध हैं। स्थानीय पुलिस और हुकुमती अधिकारियों का घटनास्थल पर जमघट लगा है। राहत-बचाव कार्य जारी है। घायल बच्चे एम्स के ट्रामा सेंटर भिजवाए जा रहे हैं। लेकिन वहां से कुछ बच्चों के ना रहने की सूचनाएं हर किसी को झकझोर रही हैं। बिल्डिंग में रहने वाले बच्चे तकरीबन बाहरी प्रदेशों के थे। वह अपना उज्जवल भविष्य बनाने की चाह लेकर शिक्षा ग्रहण करने पहुंचे थे। पर, उन्हें क्या पता हादसों का रूप ले चुकी दिल्ली उनकी जान लील लेगी। पढ़ने वाले बच्चों के साथ दिल्ली में आए दिन कोई न कोई हादसा होता ही रहता है। राजेंद्र नगर स्थिति कोचिंग सेंटर की बेसमेंट में पानी भरने से हुई बच्चों की मौत को शायद ही कोई भूल पाया हो। मुखर्जी नगर की कोचिंग सेंटर में आग लगने की घटना को याद करके भी रोंगटे खड़े होते हैं।

इस तरह की प्रत्येक घटनाओं पर जिम्मेदार अधिकारियों और नेताओं का हमेशा से एक ही बयान होता है। दोषी बख्शे नहीं जाएंगे, सख्त कार्रवाई होगी? इसके अलावा मृतकों के परिजनों को मुआवजा और घायलों की इलाज कराकर मामला रफा-दफा कर दिया जाता है और जब तक मीडिया में घटना की चर्चाएं होंगी, कार्रवाई के नाम पर सरकारी डंडा पीटा जाता रहेगा। शोर जैसे ही शांत होगा। जांच-पड़ताल ठंडे बस्ते में चली जाएंगी। जमीदोज हुई बिल्डिंग में ज्यादातर विश्वविधायल में पढ़ने वाले और सिविल सर्विसेज की तैयारी करने वाले मात्र 20-22 आयु के बच्चे रहते थे। मालिक ने बिल्डिंग को करीब 30 सालों से पीजी के लिए किसी अन्य को किराए पर दिया हुआ था। बिल्डिंग मानकों के एकदम विरुद्ध निर्मित हुई थी। क्षेत्रफल मात्र 55 गज का था जिसमें 30 कमरे बना रखे थे। बिल्डिंग 40 से 45 साल पुरानी बताई जाती है। जबकि, देखने में इससे भी कहीं पुरानी लगती थी। मालिक पर मुकदमा हुआ है। एकाध महीने बाद उसे जमानत मिल जाएगी। उसी जगह पर फिर से दूसरी बिल्डिंग तान दी जाएगी।

दिल्ली विश्वविद्यालय क्षेत्र में बने पीजी को लेकर 'इंडियन जियोटेक्निकल कॉन्फ्रेंस' ने कुछ वर्ष पहले एक रिसर्च किया था जिसमें पाया था कि 85 फीसदी

हादसे की जिम्मेदारी शायद ही कोई ले? क्योंकि ऐसे हादसे दिल्ली में समय-समय पर होते रहे हैं। कुछ महीनों पहले ही एक अवैध होटल में आग लगने से विदेशी सहित कई लोग जलकर खाक हुए थे। बिल्डिंगों का गिरना तो दिल्ली में आम हो चुका है। दिल्ली में अवैध कॉलोनियों की भरमार है।

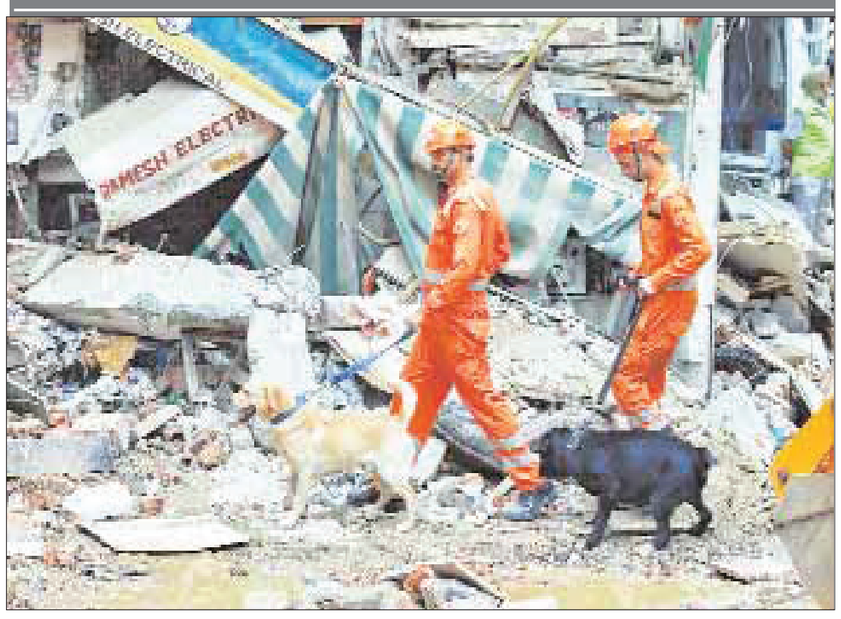

पीजी बच्चों के रहने के लायक नहीं हैं। इस तरह की रिसर्च रिपोर्ट को भी हुकूमतों ने दरकिनार किया। हादसे का शिकार हुई बिल्डिंग के निर्माण में घोर मानवीय हिमाकत का तांडव किया गया था। दिल्ली नगर निगम से लेकर, पुलिस, फायर ब्रिगेड और सरकार के अधिकारियों ने घूस खाया। घटनास्थल साउथ दिल्ली का सत्य निकेतन क्षेत्र है जिसे डूब या निचला-धरातल क्षेत्र भी कहते हैं। वहां बिल्डिंग बनाने की मात्र ढाई मंजिला इजाजत होती है। पर, अधिकारियों ने घूस खाकर पांच मंजिला तक बनवा दिया। दिल दहला देने वाले हादसे को लेकर सबसे बड़ा सवाल यही है कि बिल्डिंग में अवैध निर्माण होता रहा और जिम्मेदार लोग आंख मूंदकर तमाशबीन बने रहे। इतना ही नहीं, करीब 40 साल पुरानी इस बिल्डिंग में बारिश के दौरान हर साल बेसमेंट जलमग्न हो जाता था, जिससे इसकी नींव कमजोर होती गई और इस साल बजन नहीं सहन कर पाई जिससे भराभरकर ढह गई।

हादसे की जिम्मेदारी शायद ही कोई ले? क्योंकि ऐसे हादसे दिल्ली में समय-समय पर होते रहे हैं। कुछ महीनों पहले ही एक अवैध होटल में आग लगने से विदेशी सहित कई लोग जलकर खाक हुए थे। बिल्डिंगों का गिरना तो दिल्ली में आम हो चुका है। दिल्ली में अवैध कॉलोनियों की भरमार है। कहने को तो अवैध हैं लेकिन अधिकारी घूस लेकर उसे चंद मिनटों में वैध कर देते हैं। दिल्ली में इस समय करीब 1731 अवैध कॉलोनियां और 650 से लेकर 675 झुग्गी झोपड़ियां हैं जिनमें ज्यादातर किराएदार ही रहते हैं। दिल्ली ऐसा शहर है जहां देश के सभी प्रांतों के लोग रोजी रोटी कमाने आते हैं। शिक्षा का हब भी दिल्ली है। जहां सिविल सेवा की तैयारियां करने बच्चे दूर-दराज से पहुंचते हैं। 5 लाख बच्चे सालाना सिविल सर्विसेज परीक्षा की तैयारी करने दिल्ली के मुखर्जी नगर आते हैं, रहने के लिए उन्हें पीजी चाहिए होता है। ऐसे में बच्चे सस्ता पीजी खोजते हैं, लेकिन उन्हें क्या पता सस्ता घर उनकी जान ले लेगा? वहीं, करीब 15 लाख बच्चे अन्य प्रदेशों के दिल्ली के विभिन्न कॉलेजों में अध्ययनरत हैं। जहां हादसा हुआ, उस इलाके में तकरीबन घर पीजी में तब्दील हैं। पीजी के नाम पर बड़ा नेक्सस उस इलाके में चलता है जिसका मकान होता है वह खुद पीजी संचालित नहीं करता, बल्कि वह किसी अन्य को ठेके पर दे देता है। ठेकेदार बच्चों को कमरों में भूसे की तरह ठूस देते हैं। जहां ना कोई सुविधा, न मानकों का इस्तेमाल, सिर्फ उन्हें कमाने से मतलब होता है।

हादसे वाली बिल्डिंग गिरने का संकेत कुछ वर्षों से दे रही थी? लेकिन ना मालिक ने गौर किया और ना ही अधिकारियों ने? पिछले साल तीसरे माले की सीढ़ियों की छत का उपरी हिस्सा गिरा था जिसे रिपेयर करवाकर संभावित हादसे पर पर्दा डाल दिया गया। बिल्डिंग में 50 के आसपास बच्चे रहते थे। सभी यूपी-बिहार राज्यों से वास्ता रखते हैं। हादसा रविवार को होता है जिस दिन ज्यादातर बच्चे अपने कमरों में थे क्योंकि उस दिन क्लासें और ट्यूशन की छुट्टी थी। शनिवार रात को बच्चे बेखौफ होकर सोए थे, उन्हें नहीं पता था कि अगले दिन उनके साथ क्या होने वाला है। कुछ बच्चों की जाने चली गई है? कई गंभीर रूप से घायल हैं। घटना निसंदेह दुखदायक है। हादसे की जिम्मेदारी अधिकारियों को लेना चाहिए और सीख लेकर भविष्य में इस तरह की बिल्डिंग को पहले ही जमींदोज करने का संकल्प भी लेना चाहिए।

सत्य निकेतन के मलबे से आज देश को केवल छह मौतों का आंकड़ा नहीं देखना चाहिए। वहां दबे हुए सपनों को देखना चाहिए। उन माता-पिताओं की आंखों को देखना चाहिए जिन्होंने अपने बच्चों को दिल्ली भेजते समय यह सोचा होगा कि वे पढ़ेंगे, आगे बढ़ेंगे और परिवार का नाम रोशन करेंगे। उन सपनों की मौत केवल एक इमारत के गिरने से नहीं हुई है, वे उस मानसिकता के नीचे दबे हैं जिसमें नियमों से अधिक प्रभावशाली पैसा, सुविधा और 'सब चलता है' की संस्कृति बन जाती है। अब समय है कि सरकारें हादसों के बाद जागने की आदत छोड़ें। भवन गिरने से पहले निरीक्षण हो, पानी भरने से पहले जलनिकासी सुधरे, शिकायत मिलने के बाद कार्रवाई हो और भ्रष्टाचार होने से पहले ही उसकी गुंजाइश बंद हो। क्योंकि देश को केवल नया भारत नहीं बनाना है-उसे सुरक्षित, जिम्मेदार, ईमानदार और संवेदनशील भारत भी बनाना है। सत्य निकेतन का मलबा हमसे यही पूछ रहा है-अगली इमारत गिरने का इंतजार करेंगे या अब व्यवस्था को सचमुच जगाएंगे?

चैतन्य भट्ट

सस्पेंशन की आड़ में लीपापोती आखिर कब तक चलेगी?

सस्पेंड कर दिया ये मसला पिछले दो दिनों में राष्ट्रीय और प्रदेश स्तर पर चर्चा का विषय बनी हुई है राजधानी दिल्ली में एक जर्जरतम पीजी की बिल्डिंग धराशाई होने से सात निर्दोष बच्चों की मौत और मध्यप्रदेश के सागर में जहरीली शराब पीने से एक दर्जन लोगों की मौत के बाद कुछ अफसरों और कर्मचारियों को सस्पेंड कर कुछ को लूप लाइन में भेज दिया गया है। सवाल सबसे बड़ा ये है कि जिन लोगों की लापरवाही या मिली भगत से निर्दोषों को अपनी जिंदगी से हाथ धोना पड़ा क्या उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर उन पर हत्या का मुकदमा नहीं चलाना चाहिए?

देश और प्रदेश में भ्रष्टाचार और सरकारी सेवा में जानबूझकर की जा रही लापरवाही के मामले लगातार सुर्खियां बटोर रहे हैं। सरकारी प्रतिक्रिया में आमतौर पर आरोपियों को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया जाता है। माहौल कुछ ऐसा बनाया जाता है जैसे सस्पेंशन कोई बहुत बड़ी सजा है जो तत्काल सुना दी गई है। प्रश्न स्वाभाविक है-क्या सस्पेंशन वास्तविक रूप से कोई दंड है? जवाब है-हरगिज़ नहीं। निलंबन एक तरह की सामान्य व्यवस्था है जिसके लिए बिना सूचना सेवा से अनुपस्थिति जैसा छोटा सा आधार ही पर्याप्त है। इसका उद्देश्य आरोपित अधिकारी कर्मचारी को जांच कार्यवाही प्रभावित करने से रोकना है। सरकारी नियमों में प्रावधान हैं कि सस्पेंशन पीरियड में संबंधित से कोई काम नहीं लिया जाता फिर भी मूल वेतन और अन्य भत्तों का 50% जीवन निर्वाह भत्ता मिलता है जो छह महीनेबाद 75% तक बढ़ाया जा सकता है। जांच में निर्दोष पाए जाने की स्थिति में सस्पेंशन अवधि सेवा और पेंशन के लिए गिनी जाती है और मोटी रकम एरियर्स के रूप में मिलती है। फिर भला सस्पेंशन सजा कैसे कही जा सकती है? ऐसे में सवाल उठता है कि क्या करोड़ों रुपए के भ्रष्टाचार और ऐसे अन्य लापरवाही भरे कार्यों के लिए जिनमें न सिर्फ शासकीय धन की बरबादी हुई है बल्कि मासूम निर्दोषों की जान तक चली गई है, कार्यवाही को सस्पेंड करने जैसी सामान्य व्यवस्था तक सीमित रखना और उसे सजा जैसा प्रचारित किया जाना उचित है?

पिछले कुछ महीनों में छिंदवाड़ा में जहरीले कफ सिरप से हुई मासूम बच्चों की दर्दनाक मौत , सफाई में पूरे देश में नंबर वन आने वाले इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी पीने से एक दर्जन लोगों की मौत जैसी जानलेवा लापरवाही से हुए इतने दर्दनाक हादसे के बाद तात्कालिक कार्यवाही सस्पेंड करने तक सीमित रही। बाद में भड़के भीषण जन आक्रोश के बाद ही गिरफ्तारी जैसी अन्य कार्यवाहियां शुरू हुईं। जांच ने बताया कि लापरवाही के तार भोपाल तक जुड़े हुए थे। रिटायर्ड अधिकारियों जीपी मेहरा और धर्मेंद्र सिंह भदौरिया के यहां पड़े छापों में बरामद करोड़ों की नगदी, किलो के हिसाब से सोना चांदी और अकूत संपत्ति ने भी सनसनी मचाई। 2025 में रिटायर्ड हुए मेहरा के विरुद्ध भ्रष्टाचार की शिकायतें लंबित थीं मगर विभाग से जांच की अनुमति न मिलने के कारण कोई कार्रवाई नहीं हुई। इसके बावजूद मेहरा वेयरहाउस कॉरपोरेशन में संविदा पर सेवाएं देने योग्य मान लिया। भदौरिया 2020 में निलंबित हुए और 2025 में रिटायर्ड हो गए। इतने लंबे समय बाद भी उनके ऊपर कोई कार्रवाई नहीं हुई। ताजा छापों के समय दोनों ही अधिकारी सेवा निवृत्त थे सो उनके सस्पेंड होने का सवाल नहीं उठता था मगर नियम संबंधी कोई रोड़ा न होने के बावजूद इन मामलों में कोई गिरफ्तारी नहीं हुई।

नियमों में निलंबन के साथ ही ऐसे प्रकरणों में सेवा से बर्खास्तगी के प्रावधान भी हैं। किसी तरह का गैर कानूनी काम या सेवा नियमावली के उल?लंघन पर सेवा से बर्खास?त किया जा सकता है। कोई सैलरी या भत्ता नहीं मिलता और दूसरी सरकारी नौकरी की पात्रता भी खत्म हो जाती है। बर्खास्तगी के पहले व्यापक विभागीय जांच प्रक्रिया जरुरी है। समयबद्ध जांच प्रक्रिया का प्रावधान है मगर जांच सालों चलती है। मामला ठंडा पड़ जाता है और आरोपी निर्दोष बरी हो जाते हैं। जिन चुनिंदा प्रकरणों में बर्खास्तगी की सजा मिलती भी है वे अदालत पहुंच जाते हैं, लचर जांच प्रक्रिया में हुई लापरवाही की वजह से बरी हो जाते हैं। जहां मर्जी होती है, सतही आधार पर बर्खास्तगी कर दी जाती है। मैहर में मिडिल स्कूल के एक शिक्षक को दो से अधिक संतान होने पर सेवामुक्त कर दिया गया। जिस नियम के आधार पर सेवामुक्ति हुई वह ऐसे उम्मीदवार जिसके दो से अधिक जीवित संतान हैं, जिनमें से एक का जन्म 26 जनवरी, 2001 या उसके बाद हो, के सेवा या पद पर नियुक्ति के लिए अपात्रता से संबंधित था जबकि संबंधित शिक्षक नियमित सेवा में था। अदालत से इसी आधार पर राहत मिल गई।

भ्रष्टाचार और सेवा में लापरवाही की बढ़ती घटनाएं गवाह हैं कि प्रशासनिक कसावट की जरूरत है। तात्कालिक जन असंतोष दबाने के उद्देश्य से बांटा जाने वाला सस्पेंशन का चूरन पुराना हो चला है। वे दिन गए जब सरकारी सेवा में शुचिता और ईमानदारी सर्वोपरि थी। जमाना बदल गया है। ईमानदारी बेईमानी का मौका मिलने तक ही सीमित रहती है। सस्पेंड होना तो अब सामाजिक दाग की संज्ञा से भी बाहर हो गया है। आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं मगर सामान्य धारणा यही है कि सस्पेंशन के मामलों में बिरले ही गंभीर सजा मिलती है। मामला ठंडा होते ही व्यक्तिगत संपर्क, राजनीतिक वरदहस्त अपना काम करते हैं, आरोपी निर्दोष बरी होते हैं और मजे से बिना काम की पूरी तनख्वाह उठाते हैं। सरकारी सेवकों के मन में दंड के माध्यम से भी जिम्मेदारी का भाव पैदा किया जाना जरूरी है।? जरूरत सस्पेंशन रूपी चूरन नहीं बल्कि कड़वी दवाई की है। कम से कम कांच की तरह स्पष्ट मामलों में त्वरित कार्रवाई कर बर्खास्तगी जैसे कदम उठाने से ही काम चलेगा। अगर नियमों का अवरोध है तो उसे दूर किया जाना चाहिए। जल्द ही कुछ नहीं किया गया तो देर हो जाएगी और अफसरों नेताओं व्यापारियों का ये गठबंधन लोगों को मौत की नींद सुलाता रहेगा जैसी कि जानकारी मिली है कि सागर में अवैध शराब बेचने वालों के सर पर स्थानीय सत्तारूढ़ दल के नेताओं का हाथ था ऐसे नेताओं पर भी कड़ी कार्यवाही कर उन्हें भी आरोपी बनाया जाना चाहिए तभी राजनीति में शुचिता आ सकेगी लेकिन सवाल तो वही है कि पहल कौन करेगा शायद इसका उत्तर कोई नहीं ही होगा

जीवन धारा: क्रोध की आग हमें ही जलाती है

निर्मल कांत

मनुष्य के भीतर उठने वाली सबसे तीव्र भावनाओं में क्रोध एक ऐसी आग है, जो बाहर से देखने पर दूसरे के विरुद्ध दिखाई देती है, लेकिन धीरे-धीरे उस व्यक्ति को ही भीतर से जलाने लगती है, जिसके हृदय में वह जन्म लेती है। जब हमें लगता है कि किसी ने हमारा अपमान किया, हमारे साथ अन्याय किया या हमारे अधिकारों की अनदेखी की, तब एक बेचैनी उठती है। मन तुरंत प्रतिशोध चाहता है। वह चाहता है कि जिसने हमें दुख दिया है, उसे भी वही पीड़ा महसूस हो। लेकिन इसी क्षण हमें रुककर स्वयं से पूछना चाहिए कि क्या दूसरे की गलती की कीमत हमें अपनी शांति खोकर चुकानी चाहिए?

क्रोध हमें विश्वास दिलाता है कि हम दूसरे को दंड दे रहे हैं, जबकि वास्तव में हम अपनी ही चेतना को अशांत कर रहे होते हैं। जिस व्यक्ति पर हम क्रोधित हैं, वह शायद कुछ देर बाद अपनी दुनिया में लौट जाता है, लेकिन हमारा मन उसी घटना को बार-बार दोहराता रहता है। हम बातचीत को फिर से याद करते हैं, शब्दों को दोहराते हैं, कल्पना करते हैं कि हमें क्या कहना चाहिए था और मन ही मन उस व्यक्ति को दंड देने के अनेक तरीके खोजते रहते हैं। घटना समाप्त हो चुकी होती है, लेकिन हमारा क्रोध उसे भीतर जीवित रखता है। यहीं से क्रोध धीरे-धीरे हमारे स्वभाव का हिस्सा बनने लगता है। एक छोटी-सी बात बड़ी लगने लगती है, एक कठोर शब्द अपमान बन जाता है और एक गलती व्यक्ति के पूरे चरित्र का निर्णय करने लगती है। हम भूल जाते हैं कि मनुष्य अपूर्ण है, हम स्वयं भी। यदि हर भूल का उत्तर क्रोध से और हर चोट का उत्तर प्रतिशोध से दिया जाए, तो जीवन संबंधों का नहीं, संघर्षों का संग्रह बन जाएगा। क्रोध एक क्षणिक भावना नहीं, बल्कि ऐसी मानसिक अवस्था है, जिसे विवेक से संभालना आवश्यक है। क्रोध आने पर यदि हम कुछ देर रुक जाएं, तो संभव है कि वह आग उतनी बड़ी न हो, जितनी पहली प्रतिक्रिया में दिखाई देती है। रुकना कमजोरी नहीं है। शांत रहना कायरता नहीं है।

कई बार सबसे बड़ा साहस यही होता है कि हमारे पास चोट पहुंचाने का अवसर हो, फिर भी हम अपने विवेक को अपने क्रोध से बड़ा बना दें। इसका अर्थ यह नहीं कि अन्याय को स्वीकार कर लिया जाए या गलत व्यवहार के सामने चुप रहा जाए। क्रोध के स्थान पर स्पष्टता हो सकती है। प्रतिशोध के स्थान पर न्याय हो सकता है। अपमान के स्थान पर आत्मसम्मान हो सकता है। किसी को क्षमा करना भी हमेशा उसके व्यवहार को सही मान लेना नहीं होता, कई बार क्षमा का अर्थ स्वयं को उस घटना की मानसिक कैद से मुक्त करना होता है। जीवन में ऐसे लोग अवश्य मिलेंगे, जो हमें समझेंगे नहीं, जो हमारे साथ अन्याय करेंगे, जो हमारे विश्वास को चोट पहुंचाएंगे। हम हर व्यक्ति को नियंत्रित नहीं कर सकते, लेकिन अपनी प्रतिक्रिया को दिशा दे सकते हैं। यही भीतर की स्वतंत्रता है।

नीरज कुमार दुबे

लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

इसरो को कमजोर करने की साजिश हो रही या भारत को स्पेस सुपर पावर बनने की रणनीति पर काम चल रहा?

क्या भारत की अंतरिक्ष एजेंसी इसरो को धीरे-धीरे निजी हाथों के हवाले किया जा रहा है, या फिर देश एक ऐसी नई अंतरिक्ष रणनीति की ओर बढ़ रहा है जिसमें इसरो शोध और सामरिक अभियानों का कमांड सेंटर बनेगा और उद्योग उत्पादन की ताकत? यही सवाल पिछले कुछ दिनों से भारतीय अंतरिक्ष जगत के भीतर और बाहर तेज बहस का विषय बना हुआ है। अब इसरो ने स्वयं सामने आकर स्पष्ट किया है कि न तो इसरो का निजीकरण होगा और न ही उसकी भूमिका या महत्व कम किया जाएगा।

यह स्पष्टीकरण ऐसे समय आया है जब इसरो के नौ कर्मचारी संगठनों ने 4 सितंबर को इसरो अध्यक्ष वी. नारायणन को पत्र लिखकर अंतरिक्ष क्षेत्र में चल रहे सुधारों, उत्पादन गतिविधियों के निजी कंपनियों और सार्वजनिक उपक्रमों को हस्तांतरण तथा कर्मचारियों के भविष्य पर गंभीर सवाल उठाए थे। उनकी चिंता का केंद्र 21 अगस्त को IN-SPACe के अध्यक्ष पवन गोयनका की वह टिप्पणी थी, जिसमें कहा गया था कि भविष्य में इसरो प्रक्षेपण यानों का निर्माण बंद कर सकता है और उनका उत्पादन उद्योग या पीएसयू संभाल सकते हैं।

इसरो का जवाब स्पष्ट है कि भूमिका बदल रही है, महत्व नहीं। एजेंसी अब उस दिशा में अपने वैज्ञानिक संसाधन केंद्रित करना चाहती है जहां उसकी विशेषज्ञता सबसे निर्णायक है। यानि फ्रंटियर रिसर्च, उन्नत प्रौद्योगिकी, मानव अंतरिक्ष उड़ान, अगली पीढ़ी के प्रक्षेपण यान, गहरे अंतरिक्ष और ग्रहों के मिशन तथा राष्ट्रीय और सामरिक क्षमताएं। हम आपको बता दें कि संचार, नेविगेशन और पृथ्वी अवलोकन के उन्नत पेलोड, सेंसर, प्रणोदन प्रणालियां और अन्य महत्वपूर्ण तकनीकें इसरो के मूल फोकस में बनी रहेंगी।

दूसरी ओर, जिन तकनीकों ने परिपक्वता हासिल कर ली है और जिनका

बड़े पैमाने पर नियमित उत्पादन संभव है, उन्हें उद्योग और पीएसयू प्रतिस्पर्धी प्रक्रियाओं के माध्यम से बढ़ा सकते हैं। इसमें परिपक्व लॉन्च व्हीकल, नियमित उपग्रह और स्थापित अंतरिक्ष प्रणालियां शामिल हो सकती हैं। इसरो का तर्क है कि इससे उसके वैज्ञानिकों और तकनीकी विशेषज्ञों का समय उत्पादन में नहीं, बल्कि भविष्य की जटिल तकनीकों और महत्वाकांक्षी अभियानों में लगेगा। यही इस बदलाव का सबसे बड़ा रणनीतिक अर्थ है। अंतरिक्ष शक्ति बनने के लिए इसरो को फैक्ट्री से आगे बढ़कर टेक्नोलॉजी फ्रंटियर पर खड़ा होना होगा। भारत ने 2030 तक सालाना 50 प्रक्षेपणों का लक्ष्य रखा है। पवन गोयनका का कहना है कि इतने बड़े पैमाने का लक्ष्य कोई एक संगठन अकेले हासिल नहीं कर सकता। इसके लिए निजी पूंजी, औद्योगिक उत्पादन क्षमता, उद्यमिता और वैश्विक बाजार तक पहुंच जरूरी है।

यह पूरी व्यवस्था भारतीय अंतरिक्ष नीति 2023 और एफडीआई नीति के क्रमिक उदारीकरण से जुड़ी है। इसरो इसे निजीकरण नहीं, बल्कि इकोसिस्टम विस्तार और क्षमता गुणन बता रहा है। उद्योग, स्टार्ट-अप और अकादमिक संस्थानों को अंतरिक्ष मूल्य श्रृंखला में शामिल कर इसरो की क्षमताओं को प्रतिस्थापित नहीं, बल्कि कई गुना करने की योजना है।

नई संरचना में विभागीय भूमिकाएं भी स्पष्ट की गई हैं। डिपार्टमेंट ऑफ स्पेस नीति दिशा देगा, इसरो उन्नत अनुसंधान, प्रौद्योगिकी विकास और राष्ट्रीय मिशनों का मुख्य केंद्र रहेगा, IN-SPACe गैर-सरकारी संस्थाओं की भागीदारी को सक्षम और अधिकृत करेगा, जबकि NSIL परिपक्व क्षमताओं के व्यावसायीकरण और उद्योग-आधारित उपयोग को आगे बढ़ाएगा।

लेकिन इस परिवर्तन पर सवाल खत्म नहीं हुए हैं। कर्मचारी संगठनों ने पूछा है कि नीति का कानूनी और प्रशासनिक आधार क्या है, इसका क्रियान्वयन कब होगा और मौजूदा कर्मचारियों तथा भविष्य की भर्ती पर इसका क्या प्रभाव पड़ेगा। उनका सबसे महत्वपूर्ण तर्क है कि दशकों में विकसित इसरो की तकनीक राष्ट्रीय संपत्ति है, इसलिए उसका हस्तांतरण पारदर्शी, जवाबदेह और सामरिक तथा सुरक्षा हितों के अनुरूप होना चाहिए।विपक्ष ने भी इस मुद्दे को राजनीतिक मोर्चे पर उठा लिया है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि स्टार्ट-अप को बढ़ावा देने के नाम पर इसरो की भूमिका सीमित की जा रही है और उसकी दशकों पुरानी क्षमताएं निजी कंपनियों को सौंपी जा सकती हैं। पार्टी नेता जयराम रमेश ने इसे इसरो के साराभाई-धवन ढांचे को कमजोर करने की प्रक्रिया बताया।

यह विवाद इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि भारत की अंतरिक्ष महत्वाकांक्षाएं अब असाधारण स्तर पर पहुंच चुकी हैं। 2035 तक भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन, 2040 तक भारतीय मानवयुक्त चंद्र मिशन, पुनः प्रयोज्य और अगली पीढ़ी के लॉन्च सिस्टम तथा सतत चंद्र और ग्रह अन्वेषण, ये लक्ष्य साधारण व्यावसायिक विस्तार से हासिल नहीं होंगे। इसरो का कहना है कि ऐसी क्षमताओं को केवल बाजार की ताकतों के भरोसे नहीं छोड़ा जा सकता।

हम आपको बता दें कि भारत की अंतरिक्ष अर्थव्यवस्था फिलहाल लगभग 8.4 अरब डॉलर आंकी गई है और लक्ष्य 2033 तक इसे 44 अरब डॉलर तक पहुंचाने का है। इसलिए असली चुनौती निजी क्षेत्र बनाम इसरो नहीं, बल्कि इसरो-नेतृत्व वाले राष्ट्रीय अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र की सफलता है। रणनीतिक दृष्टि से यह भारत के लिए निर्णायक मोड़ है। अब सवाल यह है कि क्या भारत उत्पादन का विस्तार करते हुए अपनी संवेदनशील तकनीक, सामरिक स्वायत्तता और वैज्ञानिक नेतृत्व को सुरक्षित रख पाएगा। यदि संतुलन सही बैठा, तो निजी उद्योग इसरो की ताकत बढ़ाएगा; यदि पारदर्शिता और संस्थागत नियंत्रण कमजोर पड़े, तो राष्ट्रीय क्षमताओं के हस्तांतरण पर उठ रहे सवाल और गंभीर होंगे। इसरो ने फिलहाल अपना संदेश साफ कर दिया है कि वह पीछे नहीं हट रहा, बल्कि उत्पादन की जिम्मेदारियों से मुक्त होकर अंतरिक्ष की अगली सीमा पर छलांग लगाने की तैयारी कर रहा है।

संक्षिप्त समाचार

जलभराव दूर करने पहुंचे निगम अधिकारी से मारपीट का मामला थाने पहुंचा

ग्वालियर। ट्रांसपोर्ट नगर में जलभराव की समस्या दूर करने पहुंचे नगर निगम के सहायक क्षेत्राधिकारी अंशुमन सिंह तोमर के साथ पेट्रोल पंप संचालक द्वारा मारपीट किए जाने का मामला सामने आया है। घटना के कारण नाले की सफाई का काम प्रभावित हुआ और जलभराव की समस्या का तत्काल समाधान नहीं हो सका। सहायक क्षेत्राधिकारी ने वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी देने के बाद बहोड़ापुर थाने में शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार निगम अधिकारियों के निरीक्षण के दौरान लोगों ने ट्रांसपोर्ट नगर में जलभराव की शिकायत की थी। 26 अगस्त को अंशुमन सिंह तोमर वार्ड हेल्थ ऑफिसर और सहायक वार्ड हेल्थ ऑफिसर के साथ नाले की सफाई करा रहे थे। इस दौरान भदौरिया पेट्रोल पंप के सामने नाले की जाली में कचरा और कपड़े फंसे मिले, जिससे पानी की निकासी बाधित थी। जाली हटाने को कहने पर विवाद हुआ और मारपीट की गई। निगम अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस में शिकायत दी गई।

जीविवि में इतिहास के पाठ्यक्रम पर मंथन आज से

ग्वालियर। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत जीवाजी विश्वविद्यालय में इतिहास विषय के स्नातक और स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम को नए सिरे से तैयार किया जाएगा। इसमें भारतीय ज्ञान परंपरा को भी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनाया जाएगा। इसके लिए विश्वविद्यालय की प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं अध्ययनशाला में बुधवार से दो दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला शुरू होगी। सुबह 10 बजे कार्यशाला का शुभारंभ होगा। देशभर से आए इतिहास विषय के विशेषज्ञ पाठ्यक्रम में बदलाव और नए विषयों को शामिल करने को लेकर मंथन करेंगे। भारतीय ज्ञान परंपरा के नोडल अधिकारी एवं अध्ययनशाला के विभागाध्यक्ष डॉ. शांतिदेव सिसोदिया ने बताया कि कार्यशाला के मुख्य वक्ता गोरखपुर के डॉ. ईश्वर शरण विश्वकर्मा होंगे। अध्यक्षता जीवाजी विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. राजकुमार आचार्य करेंगे। भोपाल से डॉ. मुकेश मिश्र, जबलपुर से डॉ. अलकेश चतुर्वेदी, नई दिल्ली से डॉ. शिवकुमार मिश्र और उज्जैन से डॉ. प्रशांत पौराणिक विषय विशेषज्ञ के रूप में शामिल होंगे।

जयारोग्य व निजी अस्पताल में संक्रमितों का चल रहा उपचार

स्वाइन फ्लू के तीन व डेंगू के दो मरीज मिले, स्वास्थ्य विभाग की बढ़ी चिंता

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

शहर में बदलते मौसम के बीच संक्रामक बीमारियों का खतरा फिर बढ़ता दिखाई दे रहा है। मंगलवार को स्वाइन फ्लू के तीन और डेंगू के दो नए मरीज सामने आए। गजराराजे चिकित्सा महाविद्यालय की वायरोलॉजी लैब में स्वाइन फ्लू के पांच संदिग्ध मरीजों के सैंपल की जांच की गई, जिसमें 40 वर्षीय महिला की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। महिला को हजार बिस्तर अस्पताल के मेडिसिन विभाग में भर्ती कर आइसोलेशन में रखा गया है। विशेषज्ञ चिकित्सकों की निगरानी में उसका उपचार चल रहा है। नए मामलों के साथ अंचल में अब तक स्वाइन फ्लू संक्रमित मरीजों

की संख्या छह हो गई है। इनमें दो मरीज स्वस्थ होकर घर लौट चुके हैं, जबकि चार मरीजों का उपचार अस्पतालों में जारी है।

जानकारी के अनुसार परिवार हॉस्पिटल में भर्ती एक मरीज की भी स्वाइन फ्लू रिपोर्ट पॉजिटिव आई है। मरीज के परिवार में छह सदस्य हैं, लेकिन फिलहाल किसी अन्य सदस्य में इंफ्लूएंजा-ए एच1एन1 (स्वाइन फ्लू) जैसे लक्षण नहीं मिले हैं। वहीं यशोदा हॉस्पिटल में भी स्वाइन फ्लू संक्रमित 44 वर्षीय महिला मरीज भर्ती है। वह मेहगांव, जिला भिंड की रहने वाली है। उसकी जानकारी जिला भिंड स्वास्थ्य विभाग को दे दी गई है। परिवार हॉस्पिटल और यशोदा हॉस्पिटल के दोनों मरीजों की जांच निजी लैब में हुई है। नए मामलों के बाद स्वास्थ्य विभाग और अस्पताल प्रबंधन ने निगरानी बढ़ा दी है।

जिला अस्पताल में अब तक शुरू नहीं हुई जांच

स्वाइन फ्लू के मामले सामने आने के बावजूद मुरार जिला अस्पताल में इसकी जांच सुविधा शुरू नहीं हो सकी है। अस्पताल की पैथोलॉजी से जांच शुरू करने के लिए किट की मांग की गई थी, लेकिन अभी तक किट उपलब्ध नहीं हो पाई है। ऐसे में संदिग्ध मरीजों के सैंपल जांच के लिए गजराराजे चिकित्सा महाविद्यालय भेजे जा रहे हैं।

डेंगू ने भी बढ़ाई चिंता

माइक्रोबायोलॉजी विभाग में डेंगू के 24 संदिग्ध मरीजों के सैंपल जांचे गए। इनमें पांच वर्षीय बच्चे समेत दो मरीजों की रिपोर्ट पॉजिटिव आई। नए मरीजों के साथ इस साल शहर में डेंगू संक्रमितों की संख्या बढ़कर 81 हो गई है। स्वास्थ्य विभाग ने लोगों से सतर्क रहने और लक्षण दिखाई देने पर तत्काल जांच कराने की अपील की है।

यह हैं स्वाइन फ्लू और डेंगू के लक्षण

स्वाइन फ्लू : तेज बुखार, खांसी, गले में खराश, शरीर दर्द, थकान और सांस लेने में परेशानी। डेंगू : अचानक तेज बुखार, सिर व आंखों के पीछे दर्द, मांसपेशियों और जोड़ों में दर्द, कमजोरी तथा कुछ मामलों में त्वचा पर लाल चकत्ते।

शताब्दी में खराब दही पर यात्रियों का हंगामा, 139 पर पहुंची शिकायत

ग्वालियर। शताब्दी एक्सप्रेस में यात्रियों को दिए जा रहे भोजन की गुणवत्ता को लेकर मंगलवार को सवाल खड़े हो गए। ग्वालियर से भोपाल जा रहे यात्रियों को भोजन के साथ परोसा गया दही खराब होने की शिकायत सामने आई। झांसी के आसपास यात्रियों ने दही की गुणवत्ता पर आपत्ति जताते हुए कैटरिंग स्टाफ को इसकी जानकारी दी। एक यात्री ने दही खाने के बाद तबीयत बिगड़ने का भी दावा किया। यात्री श्रीकांत के अनुसार, ट्रेन में भोजन के साथ दही परोसा गया था। उन्होंने दही का सेवन किया, जिसके बाद उन्हें तबीयत खराब महसूस हुई। उन्होंने मामले की जानकारी ट्रेन में मौजूद कैटरिंग स्टाफ और टीटीई को दी। इसके साथ ही रेलवे की हेल्पलाइन 139 पर फोन कर शिकायत दर्ज कराई। यात्रियों के मुताबिक, दही की गुणवत्ता को लेकर ट्रेन में कई यात्रियों ने नाराजगी जताई। उनका आरोप था कि खाने के साथ दी गई सामग्री की गुणवत्ता की पर्याप्त जांच नहीं की गई।

साडा अध्यक्ष ने परखी जमीनी व्यवस्थाएं विकास कार्यों को लेकर दिए निर्देश

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

साडा अध्यक्ष अशोक शर्मा की अध्यक्षता में एवं सीईओ अनीशा श्रीवास्तव की उपस्थिति में मंगलवार को साडा कार्यालय में बैठक आयोजित की गई। बैठक में साडा क्षेत्र के विकास एवं व्यवस्थाओं से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। बैठक में सोंजना योजना, साडा क्षेत्र में सड़क निर्माण एवं सड़क सुधार सहित अन्य विकास कार्यों को लेकर विचार-विमर्श किया गया। इस दौरान नागरिकों द्वारा प्रस्तुत की गई विभिन्न समस्याओं के निराकरण के संबंध में साडा अध्यक्ष ने संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई एवं उचित निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। बैठक के उपरांत साडा अध्यक्ष अशोक शर्मा एवं सीईओ अनीशा श्रीवास्तव ने बैजाताल स्थित साडा परिसर का निरीक्षण भी किया। निरीक्षण के दौरान परिसर में तैयार की जा रही पत्थर की मूर्तियों एवं वहां की संभावनाओं को लेकर चर्चा हुई। अध्यक्ष ने परिसर के नवीनीकरण एवं सौंदर्यीकरण को लेकर आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने परिसर में अनुपयोगी एवं पुरानी पड़ी वस्तुओं को हटाकर व्यवस्थाओं को व्यवस्थित करने तथा परिसर को नया, स्वच्छ एवं आकर्षक स्वरूप देने की दिशा में कार्य करने के निर्देश दिए।

कोलकाता में डॉ. झा को दो प्रतिष्ठित सम्मान

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय के कथक नृत्य विभाग की विभागाध्यक्ष एवं ख्यातिप्राप्त कथक नृत्यांगना डॉ. अंजना झा को कोलकाता में दो प्रतिष्ठित सम्मानों से अलंकृत किया गया। 6 सितंबर को सुरो भारती संगीत कला केंद्र द्वारा आयोजित हुगली जिला वार्षिक दीक्षांत समारोह में उन्हें विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित किया गया था। समारोह में भारतीय शास्त्रीय नृत्य एवं कथक के क्षेत्र में उनके दीर्घकालीन और उल्लेखनीय योगदान के लिए प्रतिष्ठित उत्कृष्टता एवं गरिमा सम्मान तथा संस्था की ओर से विशेष सम्मान प्रदान किया गया।

दोनों सम्मान सुरो भारती संगीत कला केंद्र के अध्यक्ष अरिजीत मुखर्जी ने डॉ. अंजना झा को प्रदान किए। इस अवसर पर उनकी लगभग चार दशकों की कथक

साधना, राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारतीय शास्त्रीय नृत्य के प्रतिनिधित्व तथा नई पीढ़ी को भारतीय कला-संस्कृति और गुरु-शिष्य परंपरा से जोड़ने में उनके योगदान की विशेष सराहना की गई। विशेष अतिथि के रूप में डॉ. झा ने विद्यार्थियों को प्रमाण-पत्र एवं पुरस्कार प्रदान किए। अपने प्रेरक संबोधन में उन्होंने विद्यार्थियों से निरंतर साधना, अनुशासन, गुरु के प्रति श्रद्धा तथा भारतीय कला-संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कला के क्षेत्र में सफलता के लिए प्रतिभा के साथ निरंतर अभ्यास, समर्पण और संस्कार भी आवश्यक हैं। जयपुर घराने के सुप्रसिद्ध कथक आचार्य पं. राजेन्द्र गंगानी की वरिष्ठ शिष्या डॉ. झा लगभग चार दशकों से कथक साधना में संलग्न हैं। वे दूरदर्शन की उच्च श्रेणी की कलाकार हैं और देश-विदेश के अनेक प्रतिष्ठित मंचों पर भारतीय शास्त्रीय नृत्य एवं संस्कृति का प्रतिनिधित्व कर चुकी हैं।

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय में शिक्षक दिवस सम्मान समारोह आयोजित

शिक्षक राष्ट्र के भविष्य का निर्माता : प्रो. खटीक

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना (एनएसएस) इकाई द्वारा शिक्षक दिवस के उपलक्ष्य में शिक्षक दिवस सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य शिक्षकों के प्रति सम्मान, कृतज्ञता एवं उनकी समाज निर्माण में भूमिका को रेखांकित करना था। इस अवसर पर विश्वविद्यालय परिवार, एनएसएस स्वयंसेवकों, विद्यार्थियों एवं शिक्षकों की उत्साहपूर्ण सहभागिता रही। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि प्रो. राजेंद्र के. खटीक (अधिष्ठाता, वाणिज्य एवं प्रबंधन संकाय, जीवाजी विश्वविद्यालय) ने कहा कि शिक्षक केवल ज्ञान का संवाहक ही नहीं, बल्कि समाज और राष्ट्र के भविष्य का निर्माता

होता है। उन्होंने कहा कि शिक्षा, शिक्षक और माता-पिता व्यक्ति के जीवन के तीन प्रमुख स्तंभ हैं। माता-पिता जीवन में प्रारंभिक संस्कार प्रदान करते हैं, शिक्षक ज्ञान एवं मार्गदर्शन देकर व्यक्तित्व का निर्माण करते हैं तथा शिक्षा व्यक्ति को सही दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देती है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता राजा मानसिंह तोमर संगीत एवं कला विश्वविद्यालय की की कुलगुरु प्रो. स्मिता सहस्त्रबुद्धे ने की। अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में उन्होंने कहा कि भारतीय संस्कृति में गुरु को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है तथा शिक्षा का वास्तविक उद्देश्य व्यक्ति के व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास करना है। विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ. हरिशंकर कंसाना, संभागीय समन्वयक एनएसएस, जीवाजी विश्वविद्यालय तथा डॉ. मनोज अवस्थी, जिला संगठक राष्ट्रीय सेवा योजना, ग्वालियर ने भी अपने विचार व्यक्त किए। विद्यार्थियों एवं एनएसएस स्वयंसेवकों ने अपने गुरुओं के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं, जिनमें संगीत, नृत्य एवं काव्य-पाठ विशेष आकर्षण का केंद्र रहे। कला एवं संस्कृति से जुड़े कार्यक्रमों ने उपस्थित जनों को भावविभोर कर दिया। प्रभारी कुलसचिव आशुतोष खरे तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. हिमांशु द्विवेदी ने आभार व्यक्त किया।

दूध-डेयरी उत्पादों की जांच के लिए चला अभियान

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जिले में दूध और दुग्ध उत्पादों में मिलावट की रोकथाम के लिए खाद्य सुरक्षा विभाग ने सघन जांच अभियान शुरू किया है। अभियान के तहत मंगलवार को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों की अलग-अलग टीमों ने डेयरियों और खाद्य प्रतिष्ठानों का निरीक्षण कर दूध, पनीर, दही और घी सहित अन्य खाद्य पदार्थों के नमूने लिए। डेयरियों पर रैपिड मिल्क टेस्ट किट से मौके पर दूध की प्राथमिक जांच भी की गई। जनकगंज स्थित मुल्तान डेयरी से दूध और पनीर, जय गिर्राज डेयरी से दूध व दही तथा सिद्धीविनायक डेयरी से दूध व घी के नमूने लिए गए। इसी तरह मिहोना क्षेत्र की धाकड़ डेयरी से दूध व पनीर और गर्ग डेयरी से दूध व घी के नमूने लिए गए। खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शिकायत के आधार पर गुप्ता रेस्टोरेंट, स्टेशन बजरिया का भी निरीक्षण किया। यहां से मैदा, रिफाइंड सोयाबीन तेल और छोले की सब्जी के नमूने लिए गए। वहीं किंग अंकल, फूलबाग चौपाटी से सेजवान चटनी और पनीर बॉल्स के सैंपल लिए गए।

नाबालिग से छेड़छाड़ पिता को पीटा

ग्वालियर। उपनगर ग्वालियर थाना क्षेत्र में नाबालिग छात्रा के साथ राह चलते छेड़छाड़ करने को लेकर दोनों परिवार में जमकर मारपीट हो गई। झगड़े में दो लोग घायल हो गए। पुलिस ने एक पक्ष पर छेड़छाड़ तो दूसरे पक्ष पर मारपीट की धाराओं के तहत कार्रवाई की है। चंदन नगर में रहने वाली 16 वर्षीय छात्रा 10वी में पढ़ती है। पड़ोस में रहने वाला आलोक रजक, उसका भाई अमन व आदित्य काफी समय से उसके साथ विद्यालय जाते समय छेड़छाड़ कर रहा था। 6 सितंबर को छात्रा अपने घर की छत पर थी, तभी तीनों युवक उसे इशारे कर रहे थे। छात्रा के साथ छेड़छाड़ करने वाले युवकों को पिता ने समझाया तो वह झगड़ा करने लगे। तीनों युवकों और दर्शनलाल ने मिलकर छात्रा के पिता के साथ मारपीट कर दी। मारपीट के शिकार पीड़ित अपनी बेटी को लेकर थाने पहुंचे और पुलिस को घटना के बारे में बताया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर छेड़छाड़ व मारपीट करने वालों पर प्राथमिकी दर्ज कर ली तो वही दूसरे पक्ष ने भी आरोप लगाया कि उनके ऊपर किसी धारदार हथियार से हमला कर घायल कर दिया गया है।

भाजपा के खिलाफ महापौर आईं सामने

सांसद बताएं विकास के लिए कितना पैसा लाए, सरकार और मंत्री आपके फिर मैंने कौन सा काम रोका

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

भारतीय जनता पार्टी की जिला बैठक में शहर की समसयाओं को लेकर कांग्रेस महापौर शोभा सिकरवार एवं एमआईसी के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पास करने से न सिर्फ राजनीति गरमा गई है, बल्कि मंगलवार को कांग्रेस अध्यक्ष सुरेन्द्र यादव एवं महापौर डॉ. शोभा सतीश सिकरवार ने आक्रामक रुख अपनाते हुए भाजपा सरकार और उसके नेताओं को आड़े हाथों लिया।

नेताद्वय ने पत्रकार वार्ता में भाजपा द्वारा लाए गए निंदा प्रस्ताव पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए कहा कि भाजपा एवं सांसद भारत सिंह कुशवाह हर मोर्चे पर विफल हैं और शहर विकास में इनका कहीं कोई योगदान नजर नहीं आ रहा है। अपनी नाकामियों को छुपाने के लिए वह महापौर एवं मेयर इन

काउंसिल के सदस्यों के खिलाफ जान-बूझकर दुष्प्रचार कर रहे हैं। महापौर ने सवाल पूछा कि पहले तो सांसद यह बताएं कि वह ग्वालियर के लिए केंद्र और राज्य सरकारों से कितना पैसा लेकर आए। फिर यह बताएं कि आपकी सरकार और मंत्रियों के रहते मैंने किस काम को रोका। महापौर ने कहा कि हालात यह है कि भाजपा पार्षद भी काम नहीं होने के कारण परेशान हैं। विनियमित कर्मचारियों को नियमित करने का प्रस्ताव हमने शासन को भेजा, लेकिन भाजपा के दबाव में यह स्वीकृति शासन स्तर पर नहीं दी गई। उनके द्वारा समय-समय पर शहर के विकास से संबंधित पत्र शासन को लिखे गए, उनका आज तक कोई जवाब नहीं दिया गया। साथ ही नगर निगम की चुंगी क्षतिपूर्ति की राशि देने एवं वृद्धि किए जाने के संबंध में कई पत्र लिखे गए लेकिन निगम की चुंगी क्षतिपूर्ति की राशि आज तक पूरी नहीं दी गई और न ही वृद्धि की गई। सड़कों के संधारण एवं जल भराव की समस्या का निराकरण कराने के लिए विशेष अनुदान राशि की मांग की गई, उसे भी स्वीकृत नहीं किया गया। मेयर इन काउंसिल एवं नगर निगम परिषद द्वारा वर्ष 2020 तक के पानी के बकाया बिल माफ करने का निर्णय लिया गया था, जिसका पत्र ठहराव के साथ शासन को भेजा गया। लेकिन आज तक कोई निर्णय नहीं लिया गया।

यह सौतेला व्यवहार क्यों?

महापौर ने कहा कि उनके साथ सौतेला व्यवहार किया जा रहा है। ग्वालियर पूर्व विधानसभा का उपचुनाव हारने के बाद भाजपा ने स्वीकृत 16 करोड़ की राशि निगम से वापस ले ली। इससे भाजपा के चाल-चरित्र और चेहरे का पता चलता है। वर्तमान में ग्वालियर एवं दक्षिण विधानसभा में हर वर्ष 15 करोड़ रुपए की राशि अतिरिक्त दी जा रही है, जबकि ग्वालियर पूर्व विधानसभा को नहीं दी जा रही है। साथ ही महापौर की मौलिक निधि तक खत्म कर दी गई है। महापौर ने शहर की सड़कों के लिए 28 सितम्बर 2022 को पत्र लिखकर, विशेष राशि देने की मांग की थी। जिस पर आज तक अमल नहीं किया गया है।

सिंधिया के तीन हजार करोड़ रुपए का क्या हुआ?

केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया द्वारा कलेक्ट्रेट में ली गई बैठक में सड़कों एवं सीवर के लिए योजना बनाते हुए लाल, पीली एवं हरी सड़क के लिए 3 हजार करोड़ रुपए का प्रस्ताव शासन को भेजा गया, लेकिन वह आज तक स्वीकृत नहीं हुआ है।

तो अधिकारियों का मुंह करेंगे काला

कांग्रेस अध्यक्ष सुरेंद्र यादव ने घोषणा की कि निगम की नाकामियों के लिए अधिकारियों का मुंह काला किया जाएगा। साथ ही कांग्रेस का प्रतिनिधिमंडल भोपाल में मुख्यमंत्री से मुलाकात कर अपनी बात रखेगा।

अधिष्ठाता ने रेडियोलॉजी विभाग का किया औचक निरीक्षण, धीमे काम पर जताई नाराजगी

10 दिन में सीटी-एमआरआई इंस्टॉल करने के निर्देश

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जयारोग्य चिकित्सालय समूह के हजार बिस्तर अस्पताल में सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनों की इंस्टॉलेशन प्रक्रिया अब तेज होगी। गजराराजा चिकित्सा महाविद्यालय के अधिष्ठाता डॉ. आरकेएस धाकड़ ने रेडियोलॉजी विभाग का औचक निरीक्षण कर इंजीनियरों को दोनों मशीनें 10 दिन के भीतर इंस्टॉल करने के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्य में किसी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए और इंस्टॉलेशन की प्रतिदिन की प्रगति से उन्हें अवगत कराया जाए।

दरअसल शासन द्वारा मरीजों की सुविधा के लिए अस्पताल को

सीटी स्कैन और एमआरआई मशीनें उपलब्ध कराई जा चुकी हैं, लेकिन इनके इंस्टॉलेशन का काम धीमी गति से चल रहा था। निरीक्षण के दौरान अधिष्ठाता ने इंजीनियरों से काम में देरी का कारण पूछा और नाराजगी जताते हुए निर्धारित समयसीमा में काम पूरा करने के निर्देश दिए। उन्होंने रेडियोलॉजी विभागाध्यक्ष को भी प्रतिदिन कार्य की प्रगति रिपोर्ट देने को कहा। मशीनें शुरू होने के बाद अस्पताल में जांच के लिए आने वाले मरीजों को बड़ी राहत मिलेगी। उन्हें महंगी जांच के लिए निजी सेंटरों पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा।

गंदगी पर भी फटकार

निरीक्षण के दौरान रेडियोलॉजी विभाग के बाहर गंदगी मिलने पर अधिष्ठाता ने सफाई कर्मचारियों के प्रति नाराजगी जताई। उन्होंने अस्पताल अधीक्षक डॉ. सुधीर सक्सेना को निर्देश दिए कि सफाई में लापरवाही मिलने पर संबंधित सुपरवाइजरों की जिम्मेदारी तय कर वेतन कटौती की कार्रवाई की जाए।

310 शिविर में 9258 स्कूली बच्चों के आधार अपडेट

ग्वालियर (नगर संवाददाता)

जिले के सरकारी एवं प्राइवेट स्कूलों में बच्चों के मेंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन एवं आधार पंजीयन के लिए जिलाधीश रुचिका चौहान के निर्देश पर विशेष आधार शिविर जारी हैं। गत 15 जुलाई से रोस्टर अनुसार स्कूलों में इन शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। अब तक लगे लगभग 310 शिविरों में 9258 बच्चों के आधार पंजीयन व अपडेशन संबंधी कार्य किया जा चुका है।

जिले के अन्य स्कूलों में भी रोस्टर अनुसार स्कूलों में आधार कैंप का आयोजन किया जाएगा।

खासतौर पर ऐसे स्कूलों में यह शिविर लगाए जा रहे हैं, जिनमें बायोमैट्रिक अपडेशन एवं आधार पंजीयन से अधिक बच्चे शेष हैं। शिविरों में बायोमैट्रिक अपडेशन मशीन पहुंचाई जा रही है और मौके पर ही यह अपडेशन और आधार पंजीयन का काम किया जा रहा है। जिलाधीश श्रीमती चौहान ने अभियान बतौर यह कार्य जारी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने विभागीय अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि पाँच वर्ष से ऊपर का कोई भी बच्चा मेंडेटरी बायोमेट्रिक अपडेशन एवं आधार पंजीयन से शेष नहीं रहना चाहिए।

सेहत-ए-दिल

दिल को देखो, फिर आदत को देखो और हो जाओ केयर करने को तैयार...

दिल शरीर की एक मजबूत मांसपेशी है, जो लगातार खून को पूरे शरीर में पहुंचाता है। खून के साथ ऑक्सीजन और जरूरी पोषक तत्व अंगों तक पहुंचते हैं। दिल को स्वस्थ रखने के लिए रोजमर्रा की आदतों पर ध्यान देना जरूरी है। संतुलित भोजन, शारीरिक गतिविधि, पर्याप्त नींद, तनाव पर नियंत्रण और नियमित स्वास्थ्य जांच दिल की सेहत को बेहतर बनाए रखने में मदद कर सकते हैं।

दिल को समझें और सक्रिय रहें

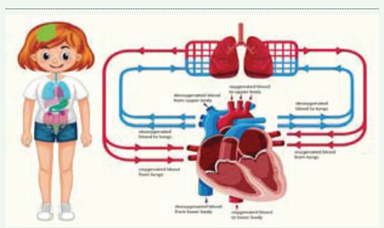

दिल लगातार सिकुड़कर और फैलकर खून को पूरे शरीर में पहुंचाता है। इसका दायां हिस्सा शरीर से आया कम ऑक्सीजन वाला खून फेफड़ों तक भेजता है, जहां उसे ऑक्सीजन मिलती है। इसके बाद दिल का बायां हिस्सा इस ऑक्सीजनयुक्त खून को पूरे शरीर में पहुंचाता है। दिल को मजबूत रखने के लिए रोज तेज चाल से चलना, साइकिल चलाना या अपनी क्षमता के अनुसार व्यायाम करना उपयोगी है।

चित्र: दिल के अंदर खून के आने-जाने का रास्ता दिखाता हुआ सरल चित्र।

दिल के लिए सही भोजन चुनें

दिल की सेहत के लिए भोजन में हरी सब्जियां, मौसमी फल, दालें, साबुत अनाज, मेवे और अन्य पौष्टिक चीजें शामिल करें। बहुत अधिक नमक, चीनी, तले हुए खाद्य पदार्थ और अत्यधिक प्रसंस्कृत भोजन का सेवन सीमित रखना बेहतर है। भोजन की मात्रा पर भी ध्यान दें। संतुलित आहार वजन, रक्त चाप और रक्त में वसा के स्तर को नियंत्रित रखने में मदद कर सकता है और दिल पर अनावश्यक दबाव कम करता है।

चित्र: पौष्टिक भोजन से भरी थाली के बीच मुस्कुराता हुआ स्वस्थ दिल।

धूम्रपान छोड़ें, नींद पूरी लें

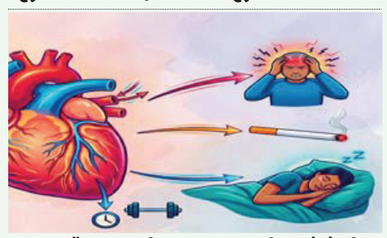

धूम्रपान और तंबाकू दिल तथा रक्त वाहिकाओं के लिए नुकसानदायक हो सकते हैं। इनसे दूरी बनाना दिल की सेहत के लिए महत्वपूर्ण है। तनाव से बचने ध्यान, गहरी सांस, संगीत या पसंदीदा गतिविधियों के लिए समय निकालें। रात में पर्याप्त और नियमित नींद लेने की कोशिश करें। सोने से पहले मोबाइल का इस्तेमाल कम करना भी आरामदायक नींद में मदद कर सकता है और शरीर को बेहतर तरीके से आराम मिलता है।

चित्र: सिगरेट को छोड़ता व्यक्ति और दूसरी तरफ आराम से सोता हुआ व्यक्ति , बीच में स्वस्थ दिल।

जांच कराएं और वजन पर नजर

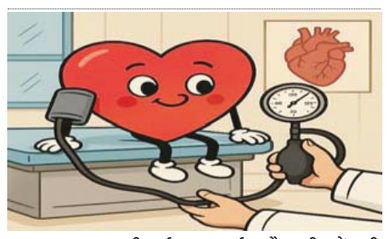

उच्च रक्त चाप, बढ़ी हुई रक्त शर्करा और शरीर में बढ़ी हुई वसा दिल की सेहत को प्रभावित कर सकती है। इसलिए समय-समय पर रक्त चाप, रक्त शर्करा और जरूरत के अनुसार रक्त में वसा की जांच कराना उपयोगी है। शरीर का वजन भी संतुलित रखना चाहिए। अगर पहले से कोई बीमारी है तो चिकित्सक की सलाह के अनुसार दवाएं और जांच जारी रखें। बिना सलाह के दवा बंद करना उचित नहीं है।

चित्रः स्वास्थ्य जांच कराता व्यक्ति , रक्त चाप यंत्र और पास में बना स्वस्थ दिल।

खतरे के संकेत पहचानें

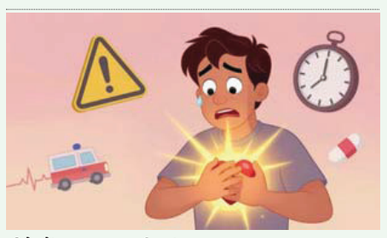

सीने में दबाव या दर्द, सांस फूलना, अचानक कमजोरी, ठंडा पसीना, चक्कर या बेहोशी जैसे लक्षणों को नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। खासकर सीने में दर्द के साथ सांस लेने में परेशानी हो या दर्द हाथ, पीठ, गर्दन या जबड़े तक पहुंचे तो तुरंत चिकित्सा सहायता लें। ऐसे लक्षणों में घरेलू उपचार या इंतजार करने के बजाय नजदीकी अस्पताल या आपातकालीन सेवा से संपर्क करना जरूरी है।

चित्रः सीने पर हाथ रखे व्यक्ति के साथ चेतावनी का निशान और मदद के लिए केयरटेकर को फोन करें।

मीठा नहीं खाते फिर भी बढ़ रही शुगर? तनाव भी हो सकता है कारण

कई लोग मीठा खाने से पूरी तरह परहेज करने के बावजूद बढ़ी हुई रक्त शर्करा की समस्या से परेशान रहते हैं। इसका एक कारण तनाव भी हो सकता है। तनाव का असर केवल मन और मस्तिष्क तक सीमित नहीं रहता, बल्कि शरीर में होने वाले हार्मोनल बदलाव रक्त शर्करा को भी प्रभावित कर सकते हैं।

जब व्यक्ति तनाव में होता है तो शरीर कोर्टिसोल और एड्रेनालिन जैसे हार्मोन जारी करता है। इनका मुख्य काम शरीर को चुनौती या खतरे से निपटने के लिए तुरंत ऊर्जा उपलब्ध कराना है। इसके लिए यकृत से अधिक ग्लूकोज रक्त में पहुंच सकता है।

तनाव कैसे बढ़ाता है रक्त शर्करा?

तनाव के दौरान शरीर की 'लड़ो या भागो' प्रतिक्रिया सक्रिय हो जाती है। इस स्थिति में यकृत अपने भीतर जमा ग्लूकोज को रक्त में छोड़ता है। साथ ही कुछ हार्मोन इंसुलिन के प्रभाव को कम कर सकते हैं। नतीजतन, व्यक्ति ने मीठा नहीं खाया हो तब भी रक्त शर्करा बढ़ सकती है।

कभी-कभार होने वाला तनाव आमतौर पर थोड़े समय के लिए ही शुगर बढ़ाता है। लेकिन लगातार तनाव, खराब नींद और लंबे समय तक तनाव हार्मोन का बढ़ा स्तर रक्त शर्करा को नियंत्रित करना मुश्किल बना सकता है।

कोर्टिसोल, एड्रेनालिन का क्या काम है?

तनाव की स्थिति में कोर्टिसोल और एड्रेनालिन शरीर को तुरंत ऊर्जा देने में मदद करते हैं। इसके लिए रक्त में ग्लूकोज की मात्रा बढ़ती है। यह थोड़े समय के लिए शरीर की सामान्य प्रतिक्रिया है, लेकिन लगातार तनाव रहने पर यही प्रक्रिया रक्त शर्करा नियंत्रण में परेशानी पैदा कर सकती है।

मधुमेह में क्यों बढ़ सकती है परेशानी?

मधुमेह में शरीर को पहले से ही ग्लूकोज और इंसुलिन का संतुलन बनाए रखने में कठिनाई होती है। ऐसे में तनाव हार्मोन के कारण यकृत से अतिरिक्त ग्लूकोज निकलने और इंसुलिन की प्रभावशीलता कम होने पर रक्त शर्करा को नियंत्रित करना और कठिन हो सकता है।

तनाव कम करें

- रोज पर्याप्त और अच्छी नींद लें।
- ध्यान और श्वास संबंधी अभ्यास करें।
- नियमित शारीरिक गतिविधि या व्यायाम करें।
- संतुलित भोजन लें और पर्याप्त पानी पिएं।
- परिवार और दोस्तों के साथ समय बिताएं।
- लगातार तनाव महसूस होने पर विशेषज्ञ से सलाह लें।

अचानक कमजोरी, बोलने में परेशानी या बेहोशी पर तुरंत अस्पताल जाएं

डेंगू में इन गंभीर लक्षणों को न करें नजरअंदाज, दिमाग पर असर पड़ने का हो सकता है संकेत

डेंगू को आमतौर पर तेज बुखार, शरीर में दर्द, सिरदर्द और प्लेटलेट्स कम होने से जोड़कर देखा जाता है। हालांकि गंभीर डेंगू में कुछ दुर्लभ मामलों में मस्तिष्क और तंत्रिका तंत्र भी प्रभावित हो सकता है। ऐसे मामलों में मस्तिष्क में रक्त स्राव या रक्त प्रवाह बाधित होने जैसी गंभीर जटिलताएं सामने आ सकती हैं।

डेंगू होने का मतलब यह नहीं है कि मरीज को मस्तिष्काघात होगा। अधिकांश मरीज बिना ऐसी जटिलता के ठीक हो जाते हैं। इसलिए घबराने के बजाय गंभीर चेतावनी संकेतों को पहचानना जरूरी है।

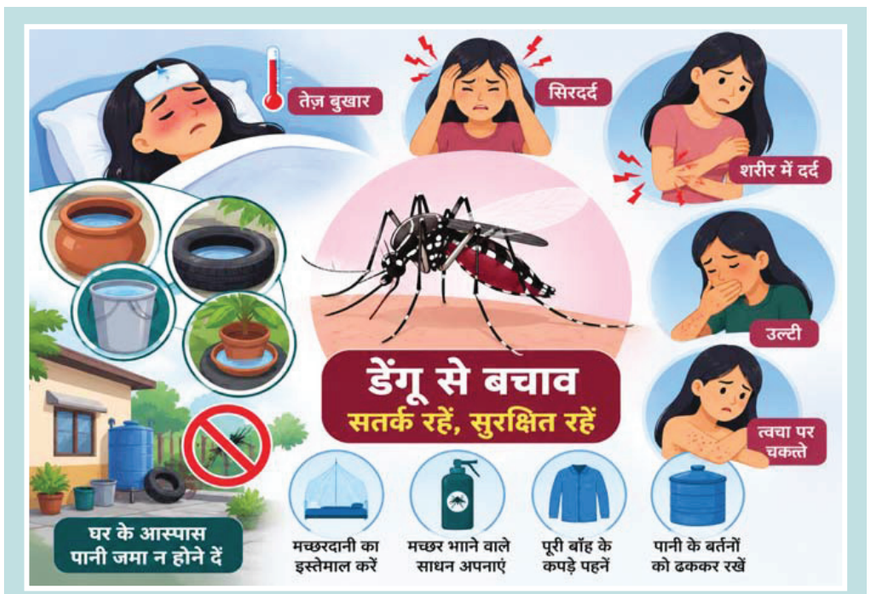

डेंगू में मस्तिष्क पर कैसे पड़ सकता है असर?

गंभीर डेंगू में प्लेटलेट्स तेजी से कम होने के साथ रक्त का थक्का बनने की प्रक्रिया प्रभावित हो सकती है। इससे रक्तस्राव का खतरा बढ़ सकता है। इसके अलावा शरीर में पानी की कमी, रक्तचाप का गिरना और सदमे की स्थिति भी रक्त संचार को प्रभावित कर सकती है। कुछ दुर्लभ मामलों में मस्तिष्क में सूजन, मस्तिष्क की सूजन से जुड़ी जटिलताएं, दौरे और मस्तिष्क के भीतर रक्तस्राव जैसी समस्याएं सामने आ सकती हैं।

प्लेटलेट्स कम होना अकेला संकेत नहीं

डेंगू में प्लेटलेट्स कम होना सामान्य बात हो सकती है, लेकिन केवल प्लेटलेट्स की संख्या कम होने से यह निष्कर्ष नहीं निकाला जा सकता कि मरीज को मस्तिष्क में रक्तस्राव होने वाला है। मरीज की पूरी स्थिति और अन्य चेतावनी संकेतों को देखना जरूरी है।

इन लक्षणों पर तुरंत अस्पताल जाएं

- डेंगू के दौरान यदि अचानक
- हाथ या पैर में कमजोरी अथवा सुन्नपन हो
- बोलने या समझने में परेशानी हो
- बेहोशी या भ्रम की स्थिति बने ■ दौरा पड़े
- अचानक बहुत तेज या असामान्य सिरदर्द हो
- चलने या संतुलन बनाने में परेशानी हो
- इसे गंभीर संकेत मानते हुए तुरंत आपातकालीन चिकित्सा सहायता लें।

बुखार कम होने के बाद भी रहें सतर्क

गंभीर डेंगू में महत्वपूर्ण जटिलताएं बीमारी के उस चरण में विकसित हो सकती हैं, जब बुखार कम होना शुरू होता है। इसलिए बुखार उतरने के बाद मरीज की स्थिति सामान्य मानकर लापरवाही नहीं करनी चाहिए।

डेंगू मच्छर की पहचान और इससे बचाव

डेंगू फैलाने वाला मच्छर एडीज एजिप्टी मुख्य रूप से दिन के समय काटता है। यह मच्छर साफ और ठहरे हुए पानी में पनपता है। घर के आसपास मौजूद छोटी-छोटी जगहों में जमा पानी भी इसके प्रजनन का कारण बन सकता है। गमलों की प्लेट, कूलर, पानी की टंकी, पुराने टायर, टूटे बर्तन, नारियल के खोल, खुले डिब्बे और छत पर रखे सामान में जमा पानी इसके लिए अनुकूल जगह बन जाता है। इसकी पहचान शरीर और पैरों पर दिखाई देने वाली काले-सफेद धारियों से की जा सकती है।

डेंगू से बचाव के लिए सबसे जरूरी है कि घर और आसपास पानी जमा न होने दें। कूलर

का पानी नियमित रूप से बदलें और उसकी अच्छी तरह सफाई करें। पानी की टंकियों, बाल्टियों और अन्य बर्तनों को हमेशा ढंककर रखें। बारिश के बाद छत, आंगन और घर के आसपास विशेष रूप से जांच करें कि कहीं पानी जमा तो नहीं है। पुराने टायर, डिब्बे, बोतल और ऐसी बेकार वस्तुओं को हटा दें, जिनमें पानी रुक सकता है।

दिन के समय भी मच्छरों से बचाव के लिए पूरी बांह के कपड़े पहनना बेहतर है। जरूरत पड़ने पर मच्छर भगाने वाले साधनों का इस्तेमाल किया जा सकता है। खिड़की और दरवाजों पर जाली लगाने से भी मच्छरों का घर में प्रवेश कम किया जा सकता है। घर के अंदर रखे पौधों और पानी के बर्तनों की भी नियमित सफाई करें। डेंगू का मच्छर घर के अंदर भी रह सकता है, इसलिए केवल बाहर की सफाई पर्याप्त नहीं है। आसपास के लोगों को भी पानी जमा न होने देने के लिए जागरूक करें।

सितारों की चमक-दमक देख शरीर बदलने की कोशिश न करें

'स्क्रीन पर जैसे दिखते हैं, एक्टर्स कई बार वैसे होते भी नहीं', अक्षय कुमार ने दी फिटनेस की सीख

आजकल लोग अपने पसंदीदा फिल्मी सितारों की तरह दिखने के लिए कड़ी मेहनत करने के साथ कई बार गलत तरीकों का भी सहारा लेने लगते हैं। पर्दे पर कलाकारों की फिट और मस्कुलर बॉडी देखकर लोग उसे वास्तविक मान लेते हैं, जबकि कैमरे के सामने दिखने वाला रूप कई बार अलग हो सकता है। अभिनेता अक्षय कुमार ने फिटनेस को लेकर लोगों को इसी सोच से बचने की सलाह दी है।

पर्दे की बॉडी देखकर न बदलें अपना शरीर

अक्षय कुमार के अनुसार, व्यक्ति को किसी फिल्मी सितारे की बॉडी देखकर अपना जीवनशैली नहीं बदलना चाहिए। पर्दे पर दिखने वाले रूप में फिल्टर और विशेष प्रभाव की भूमिका हो सकती है। ऐसे में केवल दिखावे के लिए शरीर बदलने के लिए गलत तरीके अपनाना नुकसानदायक हो सकता है।

उन्होंने कृत्रिम तरीके से मांसपेशियां बढ़ाने और शरीर बनाने के लिए दवाओं के इस्तेमाल से बचने की सलाह दी। उनके मुताबिक बाहरी बदलाव के लिए अपनाए गए गलत उपाय शरीर को भीतर से नुकसान पहुंचा सकते हैं।

फिटनेस कोई जल्दबाजी का काम नहीं

अक्षय कुमार का कहना है कि फिटनेस लंबे समय तक चलने वाली जीवनशैली है। इसके लिए नियमित व्यायाम, योग, संतुलित भोजन, समय पर नींद और ध्यान जैसी आदतों को अपनाना चाहिए। अपने शरीर को स्वीकार करना और उसके साथ खुश रहना भी जरूरी है।

पैसे से ज्यादा जरूरी है स्वास्थ्य- अभिनेता ने स्वास्थ्य को धन से अधिक महत्वपूर्ण बताया। उनका कहना है कि अच्छी सेहत जीवन की सबसे बड़ी पूंजी है। व्यक्ति स्वस्थ रहेगा तो बाकी चीजों को हासिल करने के लिए लगातार मेहनत कर सकेगा।

प्राकृतिक तरीके से फिट रहें

अक्षय कुमार ने बताया कि उन्हें महंगे व्यायामशाला की तुलना में तैराकी, बैडमिंटन खेलना, सीढ़ियां चढ़ना और पारंपरिक तरीके से कसरत करना पसंद है। उनका जोर प्राकृतिक तरीके से शरीर को सक्रिय रखने और पौष्टिक भोजन करने पर है।

घी से पूरी तरह दूरी जरूरी नहीं

उन्होंने शुद्ध घी को उचित मात्रा में भोजन का हिस्सा बनाने की बात भी कही। उनके अनुसार, केवल वजन बढ़ने के डर से घी को पूरी तरह छोड़ना सही नहीं है। जरूरी यह समझना है कि शरीर के लिए क्या अच्छा है और क्या नुकसानदायक। सार यही है कि पर्दे की चमक के पीछे भागने के बजाय अपनी सेहत पर ध्यान दें।

आंखों से भी पता चल सकती है खून की कमी, रेटिना को नुकसान

धुंधला दिखाई देना, आंखों में पीलापन और अचानक नजर कमजोर होना एनीमिया के गंभीर संकेत हो सकते हैं

थकान, सुस्ती और कमजोरी को अक्सर शरीर में खून की कमी यानी एनीमिया का सामान्य लक्षण माना जाता है। लेकिन गंभीर एनीमिया का असर आंखों पर भी पड़ सकता है। शरीर में हीमोग्लोबिन कम होने से अंगों तक पर्याप्त ऑक्सीजन नहीं पहुंच पाती। इसका असर आंखों की रक्त वाहिकाओं और रेटिना पर भी हो सकता है। गंभीर स्थिति में इसे एनीमिक रेटिनोपैथी कहा जाता है।

आंखों में दिख सकते हैं खून की कमी के संकेत

एनीमिया की स्थिति में आंखों के निचले हिस्से की पलक सामान्य गुलाबी रंग के बजाय हल्की या सफेद दिखाई दे सकती है। आंखों के आसपास पीलापन, अत्यधिक थकान और कमजोरी भी नजर आ सकती है। कुछ लोगों में आंखों के आसपास काले घेरे अधिक स्पष्ट दिखाई देने लगते हैं।

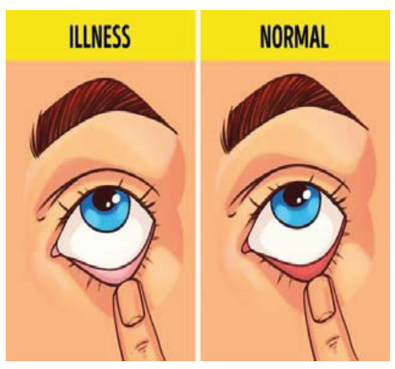

हालांकि, केवल आंखों की रंगत देखकर एनीमिया की पुष्टि नहीं की जा सकती। इसकी जांच के लिए रक्त में हीमोग्लोबिन की जांच जरूरी होती है।

गंभीर एनीमिया में धुंधला दिख सकता है

अगर एनीमिया गंभीर हो जाए तो धुंधला दिखाई देना, आंखों के सामने काले धब्बे दिखना, चक्कर आना और अचानक नजर कमजोर होना जैसी समस्याएं हो सकती हैं। कुछ गंभीर मामलों में रेटिना में रक्तस्राव और सफेद धब्बे भी दिखाई दे सकते हैं।

यदि अचानक देखने में परेशानी हो, नजर बहुत धुंधली हो जाए या आंखों के सामने नए काले धब्बे दिखाई देने लगें तो तुरंत नेत्र चिकित्सक से जांच करानी चाहिए।

समय पर इलाज से बच सकती है आंखों की रोशनी- एनीमिक रेटिनोपैथी का इलाज मुख्य रूप से एनीमिया के कारण को दूर करने पर निर्भर करता है। समय पर खून की कमी का इलाज होने पर आंखों से जुड़ी समस्या में सुधार हो सकता है। लेकिन लंबे समय तक गंभीर एनीमिया का इलाज न होने पर रेटिना को स्थायी नुकसान पहुंचने का खतरा बढ़ सकता है।

एनीमिया के गंभीर मामलों में आंखों की जांच के दौरान चिकित्सक रेटिना की रक्त वाहिकाओं और उसके आसपास के हिस्से में होने वाले बदलावों को देख सकते हैं। जरूरत पड़ने पर आंखों की अंदरूनी तस्वीर लेने के लिए विशेष जांच की जाती है। इससे रेटिना में रक्तस्राव, सूजन या अन्य असामान्य बदलावों का पता लगाने में मदद मिलती है। डॉक्टर मरीज की पूरी स्थिति, रक्त जांच और आंखों की जांच को साथ देखकर बीमारी की गंभीरता तय करते हैं। इसलिए केवल आंखों के बाहर दिखाई देने वाले बदलावों के आधार पर स्वयं बीमारी का निष्कर्ष निकालना सही नहीं है।

बचाव के लिए क्या करें?

- आयरन, फोलेट और विटामिन बी12 से भरपूर संतुलित आहार लें।
- अत्यधिक थकान, कमजोरी या सांस फूलने पर हीमोग्लोबिन की जांच कराएं।
- गर्भावस्था के दौरान नियमित रूप से एनीमिया की जांच कराएं।
- आंखों से जुड़ी किसी भी असामान्य समस्या को नजरअंदाज न करें।
- बिना चिकित्सकीय सलाह के आयरन की दवा न लें।आंखों की जांच में क्या पता चलता है?

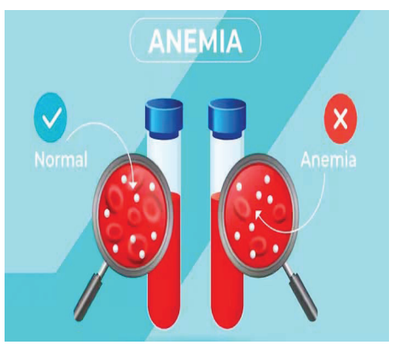

एनीमिया होने के प्रमुख कारण क्या हैं?

शरीर में खून की कमी केवल आयरन की कमी से नहीं होती। लंबे समय तक पोषण की कमी, शरीर से अधिक रक्तस्राव, मासिक धर्म के दौरान अत्यधिक रक्तस्राव, गर्भावस्था, आंतों या पेट से होने वाला रक्तस्राव और कुछ पुरानी बीमारियां भी एनीमिया का कारण बन सकती हैं। विटामिन बी12 और फोलेट की कमी से बनने वाली लाल रक्त कोशिकाएं भी प्रभावित होती हैं। कुछ लोगों में आनुवंशिक कारणों से भी एनीमिया हो सकता है। बार-बार थकान या कमजोरी महसूस होने पर केवल खान-पान बदलने के बजाय डॉक्टर की सलाह लेकर कारण की जांच कराना जरूरी है।

दलीप ट्रॉफी फाइनल : तीसरे दिन साउथ जोन 242/6, ईस्ट जोन से 466 रन पीछे; पडिक्कल ने 62 रन बनाए

पूर्वी जोन का पलड़ा भारी, दक्षिण पर मंडराया पारी की हार का खतरा

एजेंसी, चेन्नई

दलीप ट्रॉफी का फाइनल ईस्ट जोन और साउथ जोन के बीच चेन्नई में खेला जा रहा है। मंगलवार को तीसरे दिन का खेल खत्म होने तक साउथ जोन ने पहली पारी में 6 विकेट पर 242 रन बना लिए हैं। टीम अभी ईस्ट जोन के पहली पारी के स्कोर से 466 रन पीछे है। ईस्ट जोन ने पहली पारी में 708 रन बनाए थे। मुकाबले के चौथे दिन का खेल बुधवार सुबह 9:30 बजे से शुरू होगा।

पडिक्कन ने जड़ा अर्धशतक

साउथ जोन की शुरुआत खराब रही और 10 रन के स्कोर पर रिकी भुई 1 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद नारायण जगदीशन और देवदत्त पडिक्कल ने दूसरे विकेट के लिए 60 रन जोड़े। जगदीशन 32 रन बनाकरआउट हुए। पडिक्कल और शेख रशीद ने तीसरे विकेट के लिए 56 रन जोड़े। रशीद 27 रन बनाकर पवेलियन लौटे। इसके बाद देवदत्त पडिक्कल 62 रन बनाकर आउट हुए।

तिलक 56 रन बनाकर नाबाद

कप्तान तिलक वर्मा ने रविचंद्रन स्मरण (23) के साथ पांचवें विकेट के लिए 45 रन जोड़े। तिलक और श्रेयस गोपाल (26) ने छठे विकेट के लिए 66 रन की साझेदारी की। दिन का खेल खत्म होने पर तिलक वर्मा 56 रन और चामा मिलिंद 2 रन बनाकर नाबाद हैं। ईस्ट जोन के लिए मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार ने 2-2 विकेट झटके। शिखर मोहन को एक विकेट मिला।

वैभव के कहने पर ईशान किशन ने लिया रिव्यू

दलीप ट्रॉफी में ईस्ट जोन के उपकप्तान वैभव सूर्यवंशी ने तीसरे दिन टीम को पहला विकेट दिलाने में अहम भूमिका निभाई। मुकेश कुमार की गेंद पर रिकी भुई के खिलाफ कैच की अपील हुई। गेंद बल्ले का किनारा छूकर विकेटकीपर के हाथों में गई थी। ईशान किशन रिव्यू लेने को लेकर असमंजस में थे। तभी वैभव ने उन्हें रिव्यू लेने के लिए कहा। ईशान ने रिव्यू लिया और थर्ड अंपायर ने रिकी भुई को आउट दे दिया।

शमी ने झटके दो विकेट

शमी और मुकेश ने बनाया दबाव

ईस्ट ज़ोन के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी और मुकेश कुमार ने शानदार गेंदबाजी करते हुए साउथ ज़ोन के बल्लेबाजों को लगातार दबाव में रखा। दिन की शुरुआत में ही मुकेश कुमार ने रिकी भुई को आउट कर साउथ को पहला झटका दिया।

इसके बाद नारायण जगदीशन और देवदत्त पड़िक्कल ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने दूसरे विकेट के लिए 80 गेंदों में 60 रन जोड़े। जगदीशन ने 42 गेंदों में 32 रन बनाए, लेकिन शिखर मोहन की गेंद पर बड़ा शॉट खेलने के प्रयास में बैकवर्ड प्वाइंट पर कैच दे बैठे। 70 रन के स्कोर पर साउथ ने दूसरा विकेट गंवाया।

दूसरे सत्र में ईस्ट ज़ोन ने साझेदारी तोड़कर वापसी की। पड़िक्कल और शेख रशीद ने तीसरे विकेट के लिए 82 गेंदों में 50 रन जोड़े। इसके बाद मोहम्मद शमी ने रशीद को एलबीडब्ल्यू आउट कर दिया। इसके बाद ईस्ट के गेंदबाजों ने लगातार दबाव बनाए रखा। 42 ओवर के बाद साउथ का स्कोर 4 विकेट पर 145 रन था। चाय तक टीम 5 विकेट पर 176 रन तक पहुंची।

यूएस ओपन

बड़ा उलटफेर: झेंग ने स्वियातेक को किया बाहर

न्यूयॉर्क। न्यूयॉर्क में खेले जा रहे यूएस ओपन के विमेंस सिंगल्स के चौथे राउंड में छह बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन इगा स्वियातेक हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। वहीं, एलेना रायबाकिना ने नाओमी ओसाका को हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। रायबाकिना ने ओसाका को 6-1, 6-4 से हराया। इसके अलावा, कोको गॉफ ने हमवतन इवा जॉविक को 6-1, 6-4 से मात दी, जबकि मिरां आंद्रीवा ने अनास्तासिया पोटापोवा को हराकर अंतिम-8 में प्रवेश किया। स्वियातेक को चीन की झेंग क्विनवेन ने हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। स्वियातेक ने पहले सेट में 5-0 की बढ़त बना ली थी, लेकिन झेंग ने लगातार 7 गेम जीतकर सेट 7-5 से अपने नाम कर लिया। दूसरे सेट में उन्होंने स्वियातेक की सर्विस दो बार तोड़ी और 6-3 से मैच जीत लिया। यह झेंग की लगातार दूसरी 0-5 से वापसी है। इससे पहले तीसरे राउंड में उन्होंने मैडिसन कीज के खिलाफ निर्णायक सेट में 0-5 से पिछड़ने के बाद मैच जीता था।

रायबाकिना नंबर-1 बनने से एक जीत दूर

एलेना रायबाकिना ने नाओमी ओसाका को 66 मिनट में 6-1, 6-4 से हराया। अब क्वार्टर फाइनल में उनका सामना झेंग से होगा। रायबाकिना के पास पहली बार वर्ल्ड नंबर-1 बनने का मौका है। झेंग को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचते ही वह आर्यना सबालेंका को पीछे छोड़कर टॉप रैंक हासिल कर लेंगी।

अब हार से दुखी नहीं होती: नाओमी ओसाका

रायबाकिना से हार के बाद चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन ओसाका ने कहा कि अब वह हार को पहले की तरह नहीं लेतीं। वह उससे सीखने की कोशिश करती हैं। मैच के दौरान पैर में दर्द के कारण उनकी मूवमेंट भी प्रभावित हुई। ओसाका ने कहा कि उनकी बेटी स्वस्थ है, परिवार अच्छा है और उन्हें यूएस ओपन में खेलने का मौका मिला। इसलिए वह इस हार से दुखी नहीं हैं। उन्होंने यह भी कहा कि अगर वह एक और ग्रैंड स्लैम जीतती हैं तो इससे उनकी जिंदगी नहीं बदलेगी।

गॉफ ने 18 साल की जॉविक को हराया

अमेरिका की कोको गॉफ ने हमवतन इवा जॉविक को 6-1, 6-4 से हराकर क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। गॉफ ने पहले सेट में दबदबा बनाया, जबकि दूसरे सेट में 18 साल की जॉविक ने वापसी की कोशिश की, लेकिन गॉफ ने गेम जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। जॉविक ने तीसरे राउंड में अपनी करीबी दोस्त एलेक्स एला को तीन घंटे चले मुकाबले में हराया था। इस जीत के बाद वह पहली बार यूएस ओपन के चौथे राउंड में पहुंची थीं, जहां उनका सामना गॉफ से हुआ। गॉफ इस साल चार ग्रैंड स्लैम में से तीसरी बार क्वार्टर फाइनल में पहुंची हैं। अब उनका मुकाबला मौजूदा फ्रेंच ओपन चैंपियन मिरां आंद्रीवा से होगा।

भारतीय हॉकी टीम नीली जर्सी में ही एशियन गेम्स खेलेगी

वर्ल्ड कप में नारंगी जर्सी पर विवाद हुआ था, हॉकी इंडिया ने ड्रेस बदली

एजेंसी, नई दिल्ली

जापान में होने वाले एशियन गेम्स में भारतीय हॉकी टीम एक बार फिर नीली जर्सी में नजर आएगी। नीदरलैंड्स और बेल्जियम में खेले गए हॉकी वर्ल्ड कप के दौरान भारतीय पुरुष और महिला टीमों की प्राइमरी किट नारंगी कर दी गई थी। जर्सी बदले जाने पर काफी विवाद हुआ था। कई पूर्व हॉकी खिलाड़ियों ने इसे गलत बताया

था। इसे देखते हुए अब हॉकी इंडिया ने एशियन गेम्स के लिए अपना फैसला बदल दिया है। हॉकी इंडिया ने 27 जुलाई को जर्सी बदलने का कारण बताते हुए कहा था कि ऐसा नीले रंग के टर्फ की वजह से किया गया था। कहा गया कि नीली जर्सी के कारण भारतीय खिलाड़ियों को अपने साथी प्लेयर्स को देखने में दिक्कतें आ रही थीं।

हालांकि पूर्व कप्तानों धनराज पिल्ले, वीरेन रासकिन्हा, परगट सिंह, अजीत पाल सिंह और वासुदेवन भास्करन ने इस बदलाव की कड़ी आलोचना की थी।

इस विवाद पर हॉकी इंडिया के भीतर भी खींचतान देखने को मिली थी। अध्यक्ष दिलीप तिर्की ने बयान दिया था कि यह फैसला उनकी जानकारी के बिना लिया गया, जबकि सचिव भोला नाथ सिंह का दावा था कि सभी अधिकारियों को इसकी जानकारी थी।

पहली पसंद नीली जर्सी

जापान रवानगी से ठीक पहले हॉकी इंडिया ने अपने इस फैसले को वापस ले लिया। हॉकी इंडिया के कोषाध्यक्ष शेखर मनोहरन ने पुष्टि करते हुए कहा- 'भारतीय ओलंपिक संघ ने हमसे किट की पहली पसंद पूछी थी। हॉकी इंडिया ने पहली प्राथमिकता नीले रंग को और दूसरी प्राथमिकता नारंगी रंग को दी है।' टूर्नामेंट में 12 टीमें हिस्सा लेंगी, जिन्हें छह-छह टीमों के दो पूल में बांटा गया है। भारत को पूल-ए में रखा गया है। इस पूल में भारत के साथ मेजबान जापान, साउथ कोरिया, बांग्लादेश, श्रीलंका और इंडोनेशिया हैं। सभी मुकाबले काकामीगाहारा के गिफू प्रीफेक्चरल ग्रीन स्टेडियम में खेले जाएंगे।

संक्षिप्त समाचार

रोहित यादव अंडर-19 ऑस्ट्रेलिया सीरीज से बाहर

नई दिल्ली। भारत की अंडर-19 टीम से बाहर किए गए रोहित यादव की जगह आर्यन सावसानी और तन्मय बलोदा को

शामिल किया गया है। आर्यन को ऑस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ वनडे सीरीज के लिए, जबकि तन्मय को मल्टी-डे मैच के लिए टीम में चुना गया है। बंगाल के लेग स्पिनर रोहित यादव पर एज फ्रॉड के लिए बीसीसीआई ने शुक्रवार को 2 साल का बैन लगाया था। वे जुलाई में श्रीलंका दौरे पर गई भारत की अंडर-19 टीम का हिस्सा थे।

क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने बीबीएल में निजी निवेश का रास्ता खोला

मेलबर्न। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया (सीए) ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में निजी निवेश का रास्ता खोलने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत मेलबर्न रेनेगेड्स ऐसा पहला क्लब होगा, जिसके लिए निजी निवेशकों से बोली आमंत्रित की जाएगी। योजना के अनुसार रेनेगेड्स 2027-28 सत्र में नए स्वामित्व के साथ मैदान पर उतर सकता है। सीए निजी निवेशकों से रेनेगेड्स के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करेगा। इस प्रक्रिया की सफलता के बाद अन्य बिग बैश लीग क्लबों के लिए भी निजी निवेश का रास्ता खुल सकता है।

दक्षिण एशियाई खेल में भारत की भागीदारी पर अभी फैसला नहीं

नई दिल्ली। पाकिस्तान की मेजबानी में होने वाले 2027 दक्षिण एशियाई महासंघ खेलों में भारत की भागीदारी को लेकर अभी अंतिम निर्णय नहीं हुआ है। इस संबंध में फैसला राष्ट्रीय खेल नीतियों और अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों के दिशा-निर्देशों के अनुरूप लिया जाएगा। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने मंगलवार को दिल्ली में संवाददाताओं से बातचीत के दौरान कहा कि सीमा पार खेल आयोजनों में भारत की भागीदारी का फैसला देश के खेल हितों और संबंधित अंतरराष्ट्रीय खेल महासंघों के नियमों को ध्यान में रखकर किया जाएगा।

बीसीसीआई का 130 करोड़ से ज्यादा का करार, पिछले साल से 44% ज्यादा

कैम्पा, एसबीआई लाइफ और चैटजीपीटी घरेलू क्रिकेट के एसोसिएट पार्टनर बने

एजेंसी, नई दिल्ली

बीसीसीआई ने भारत की घरेलू क्रिकेट के लिए कैम्पा, एसबीआई लाइफ और चैटजीपीटी के साथ दो सीजन का करार किया है। इन तीनों करारों की कुल कीमत 130 करोड़ रुपए से ज्यादा है। तीनों कंपनियां भारत की घरेलू क्रिकेट की एसोसिएट पार्टनर होंगी। यह करार भारत की वेस्टइंडीज के खिलाफ आगामी घरेलू सीरीज से शुरू होकर मार्च 2028 तक चलेगा। इसकी कुल कीमत पिछले करार की तुलना में 44% ज्यादा है। बीसीसीआई ने एक्स पर पोस्ट कर इसकी जानकारी दी है।

27 सितंबर से शुरू होगा घरेलू इंटरनेशनल सीजन

भारत में घरेलू इंटरनेशनल के इस सीजन का पहला मैच 27 सितंबर को होगा। इस दिन वेस्टइंडीज की टीम भारत दौरे पर आएगी। इससे पहले सितंबर के बीच में अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 सीरीज भी होगी। हालांकि, ये मैच अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड के होम गेम्स माने जाएंगे।

पेय पदार्थ, बीमा और एआई सेक्टर की कंपनियां शामिल

इस साझेदारी में पेय पदार्थ, बीमा और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस सेक्टर की कंपनियां शामिल हैं। इसके तहत दो सीजन के दौरान भारत में होने वाली द्विपक्षीय क्रिकेट को कवर किया जाएगा। बीसीसीआई के प्रेसिडेंट मिथुन मन्हास ने कहा कि इन नई साझेदारियों से भारतीय क्रिकेट की ताकत और ब्रांड्स का भरोसा दिखता है। मन्हास ने कहा- 'भारत का घरेलू सीजन देश में एक अहम और पसंदीदा स्पोर्ट्स प्रॉपर्टी बना हुआ है।'

जूनियर हॉकी एशिया कप : महिला टीम क्वार्टर फाइनल में पहुंची

भारतीय पुरुष टीम की लगातार दूसरी जीत, दक्षिण कोरिया को 7-3 से हराया

एजेंसी, नई दिल्ली

भारतीय मेंस टीम ने जूनियर हॉकी एशिया कप में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। टीम ने मंगलवार को चीन के मोकी में खेले गए पूल-A के मुकाबले में साउथ कोरिया को 7-3 से हराया। वहीं, विमेंस टीम ने लगातार तीसरी जीत के साथ क्वार्टर फाइनल में अपना स्थान पक्का कर लिया है। मंगलवार को जापान को 7-0 से हराया। भारत ने आखिरी क्वार्टर में तीन गोल दागकर मुकाबला अपने नाम किया। कप्तान अनमोल एक्का ने दो गोल किए। इस जीत के साथ डिफेंडिंग चैंपियन भारत के तीन मैचों में 7 पॉइंट्स हो गए हैं। भारत बुधवार को चाइनीज ताइपे को हराकर सेमीफाइनल में जगह पक्की कर सकता है।

पहले तीन क्वार्टर तक दोनों टीमों में बराबरी

भारत ने 5वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर अनमोल एक्का के गोल से बढ़त बनाई। साउथ कोरिया ने अगले ही मिनट दोहयोन चोई के पेनल्टी कॉर्नर गोल से स्कोर 1-1 कर दिया। 18वें मिनट में लवेनूर सिंह ने फील्ड गोल कर भारत को 2-1 से आगे किया, लेकिन अगले ही मिनट ह्योगुक यू ने पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर स्कोर बराबर कर दिया। 20वें मिनट में अजीत यादव ने गोल कर भारत को हाफ-टाइम तक 3-2 की बढ़त दिलाई।

तीसरे क्वार्टर में कोरिया ने फिर बराबरी की

ह्योगुक यू ने 36वें मिनट में अपना दूसरा गोल कर साउथ कोरिया को 3-3 की बराबरी पर ला दिया। इसके बाद 42वें मिनट में प्रभदीप सिंह ने गोल कर भारत को फिर 4-3 से आगे कर दिया।

आखिरी क्वार्टर में 3 मिनट के अंदर 3 गोल

भारत ने आखिरी क्वार्टर में मुकाबले का रुख पूरी तरह बदल दिया। 55वें मिनट में गुरुसेवक सिंह ने गोल कर बढ़त 5-3 की। इसके एक मिनट बाद अनमोल एक्का ने पेनल्टी कॉर्नर पर अपना दूसरा गोल किया। 58वें मिनट में आर्यन एक्सेस ने भारत का सातवां गोल दागा। इस तरह भारत ने आखिरी क्वार्टर में तीन गोल कर 7-3 से मुकाबला जीत लिया।

कप्तान अनमोल एक्का इस टूर्नामेंट में अब तक 8 गोल कर चुके हैं। साउथ कोरिया के खिलाफ उन्होंने पेनाल्टी कॉर्नर से दो गोल किए और भारत की जीत में अहम भूमिका निभाई।

एशियाई खेल 2026

भारतीय दल को भव्य विदाई, मांडविया बोले- दबाव को प्रदर्शन में बदलना होगा

नई दिल्ली। एशियाई खेल 2026 के लिए भारतीय दल को मंगलवार को नई दिल्ली में भव्य विदाई दी गई। भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा आयोजित इस विशेष समारोह में खिलाड़ी, प्रशिक्षक, सहयोगी स्टाफ, अधिकारी और साझेदार शामिल हुए। एशियाई खेलों का आयोजन जापान के आइची-नागोया में 19 सितंबर से 4 अक्टूबर तक होगा। समारोह में केंद्रीय युवा मामले एवं खेल मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया और भारतीय ओलंपिक संघ की अध्यक्ष डॉ. पीटी उषा सहित भारतीय दल से जुड़े खिलाड़ी, प्रशिक्षक और सहयोगी स्टाफ मौजूद रहे। इस अवसर पर डॉ. मनसुख मांडविया ने कहा, इस देश में प्रतिभा की कोई कमी नहीं है। दिन-ब-दिन, साल-दर-साल हम आगे बढ़ रहे हैं और हमें दबाव को प्रदर्शन में, प्रतिद्वंद्वी को अवसर में और अवसर को उपलब्धि में बदलना होगा। मुझे पूरा विश्वास है कि हमारा दल एशियाई खेलों में अच्छा प्रदर्शन करेगा और देश का गौरव बढ़ाएगा।

मेन्स रिकर्व-कंपाउंड टीम चैंपियन, विमेंस रिकर्व को सिल्वर

पैरा आर्चरी वर्ल्ड सीरीज में भारत के 2 स्वर्ण

एजेंसी, अहमदाबाद

अहमदाबाद में वर्ल्ड आर्चरी पैरा सीरीज स्टेज-III के तीसरे दिन भारत ने 2 गोल्ड और 1 सिल्वर मेडल जीता। मेंस रिकर्व में हरविंदर सिंह-विजय सुंडी और मेंस कंपाउंड में तोमान कुमार-श्याम सुंदर स्वामी की जोड़ी चैंपियन बनी। वहीं, विमेंस रिकर्व में भावना-पूजा की जोड़ी चीन से हार गई और उन्हें सिल्वर मिला।

मेंस कंपाउंड में तोमान-श्याम सुंदर की जीत

फाइनल में तोमान कुमार और श्याम सुंदर स्वामी ने इराक के अब्बास काधिम और अनवर अलदावोद को 152-139 से हराया। भारतीय जोड़ी ने पहले तीर पर 8 अंक बनाए, लेकिन इसके बाद अगले 12 तीरों में सिर्फ 5 अंक गंवाए। तोमान और श्याम सुंदर मौजूदा वर्ल्ड चैंपियन भी हैं।

हरविंदर-विजय ने रिकर्व में स्लोवाकिया को हराया

मेंस रिकर्व टीम के फाइनल में हरविंदर सिंह और विजय सुंडी ने स्लोवाकिया के डेविड इवान और डेनिस इवान को 6-2 से हराया। भारतीय जोड़ी पहला सेट 34-37 से हार गई थी, लेकिन इसके बाद लगातार तीन सेट जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। तीसरे सेट में हरविंदर ने लगातार तीन 10 अंक हासिल किए। हरविंदर टोक्यो 2020 में ब्रॉन्ज और पेरिस 2024 में गोल्ड मेडल जीत चुके हैं।

भावना-पूजा को सिल्वर, चीन से 0-6 से हारीं

विमेंस रिकर्व टीम फाइनल में भारत की भावना और पूजा को चीन की जोड़ी के खिलाफ 0-6 से हार मिली। मैच के तीनों सेट भारत के पक्ष में नहीं रहे और स्कोर 23-34, 33-35, 30-31 रहा। भारतीय जोड़ी पूरे फाइनल में एक भी 10 का स्कोर नहीं कर सकी।

शीतल-पायल ब्रॉन्ज से चूकीं: विमेंस कंपाउंड टीम के ब्रॉन्ज मेडल मैच में शीतल देवी और पायल नाग को चीन की वांग हुईटिंग और गाओ फांगक्सिया से हार मिली। भारत की जोड़ी दूसरे एंड तक सिर्फ 1 पॉइंट पीछे थी, लेकिन तीसरे एंड में चीन ने बढ़त बढ़ा ली। इसके बाद भारतीय जोड़ी वापसी नहीं कर सकी और चौथे स्थान पर रही।

आईसीसी महिला रैंकिंग

हंटर कॅरियर की सर्वश्रेष्ठ 11वीं रैंक पर पहुंचीं, मंधाना और दीप्ति को भी फायदा

दुबई। आयरलैंड की विकेटकीपर बल्लेबाज एमी हंटर इंग्लैंड के खिलाफ शानदार वनडे शृंखला के बाद आईसीसी महिला वनडे बल्लेबाजी रैंकिंग में करियर की सर्वश्रेष्ठ 11वीं रैंकिंग पर पहुंच गई हैं। वहीं, महिला एशिया कप में शानदार प्रदर्शन के बाद भारतीय बल्लेबाज स्मृति मंधाना और ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा ने भी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में महत्वपूर्ण सुधार किया है। 20 वर्षीय हंटर ने इंग्लैंड के खिलाफ तीन मैचों की आईसीसी महिला चैंपियनशिप शृंखला में 62, 64 और 39 रन बनाए। इंग्लैंड ने श्रृंखला 3-0 से अपने नाम की, लेकिन हंटर के प्रदर्शन से उन्हें करियर के सर्वश्रेष्ठ 644 रेटिंग अंक मिले। वह आयरलैंड की महिला बल्लेबाजों में सर्वाधिक रेटिंग अंक हासिल करने के मामले में दूसरे स्थान पर पहुंच गई हैं। उनसे आगे केवल मिरियम ग्रीली हैं, जिन्होंने अगस्त 2000 में 654 अंक हासिल किए थे। इंग्लैंड के खिलाफ पहले वनडे में हंटर ने 62 रन बनाए, जबकि दूसरे मुकाबले में उन्होंने 64 रन की पारी खेलकर आयरलैंड की ओर से सर्वोच्च स्कोर बनाया। पहले मैच में इंग्लैंड ने मायआ बूशियर के 104 रन की मदद से 282 रन का लक्ष्य 71 गेंद शेष रहते हासिल किया था।

हाईकोर्ट में दूसरे दिन भी की गई सुनवाई,आज बचे प्रकरण रखेंगे

भोपाल में सीलिंग स्टे से जुड़े मामलों को सुन रहा है कोर्ट

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट की जबलपुर खंडपीठ में दूसरे दिन मंगलवार को भोपाल में सीलिंग कार्रवाई से जुड़े विचाराधीन मामलों की सुनवाई की गई। न्यायमूर्ति विशाल मिश्रा की कोर्ट ने 102 प्रकरणों में से 55 से ज्यादा मामलों को सुना। इससे पहले सोमवार को भी 42 प्रकरणों पर सुनवाई हो चुकी है। अब बचे प्रकरणों को सुनने के बाद हाईकोर्ट अपना फैसला सुनाएगा।

दरअसल शहर के कई इलाकों में सीलिंग कार्रवाई के विरुद्ध लोगों ने अपनी संपत्ति पर स्टे ले रखे हैं। पिछले 5 अगस्त को सुप्रीम कोर्ट के आदेश के मुताबिक सभी हाईकोर्ट के स्टे हटने हैं। बताया है कि करीब 102 स्टे के केस हाईकोर्ट की जबलपुर खंडपीठ सुन रहा है। सोमवार को 42 प्रकरणों की सुनवाई के बाद मंगलवार को 55 से अधिक प्रकरण रखे गए। इन सभी के फैसले कोर्ट ने सुरक्षित रख लिए हैं। इनमें से कितनों के स्टे बरकरार रहेंगे, यह कोर्ट ही तय करेगा। इधर भोपाल नगर निगम सीलिंग की कार्रवाई के लिए तैयार है। हालांकि दो सितंबर के बाद से शहर में कोई संपत्ति को सील नहीं किया गया है। विवेक त्रिपाठी ने बताया कि अरेरा कॉलोनी समेत भोपाल के विभिन्न आवासीय क्षेत्रों में आवासीय भूखंडों पर संचालित अवैध मॉल, शोरूम, शराब दुकान, पब, चाय-सुट्टा बार और अन्य व्यावसायिक गतिविधियों से संबंधित मामले भी सुनवाई के लिए लंबित हैं। जिनमें से कुछ मामलों की सुनवाई के लिए न्यायलय ने 9 और 11 सितंबर निर्धारित की है।

15 को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

इस पूरे प्रकरण को लेकर 15 सितंबर को सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई होना है। इससे पहले निगम ने अब तक शहर में 8 हजार 264 नोटिस जारी करते हुए करीब 190 संपत्तियों को सील किया है। इन सभी कार्रवाई का ब्यौरा 12 सितंबर तक नगर निगम सुप्रीम कोर्ट में देगा। इसको लेकर निगम अधिकारी तैयारी में जुटे हुए हैं।

बिजली कंपनियों का लाइन लॉस 24.50 प्रतिशत तक करने की तैयारी

प्रदेश में अगले साल 15 से 20% तक महंगी हो सकती है बिजली

भोपाल (नगर संवाददाता)

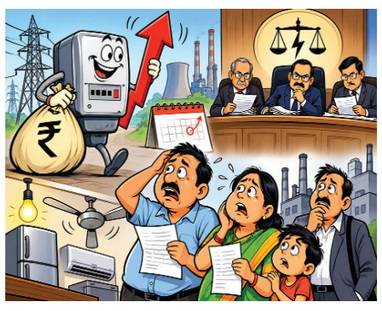

मध्यप्रदेश में अप्रैल 2027 से अगले पांच साल के लिए बिजली वितरण टैरिफ तय करने की प्रक्रिया शुरू हो गई है। इसी सिलसिले में मंगलवार को मध्यप्रदेश विद्युत विनियामक आयोग (MPERC) में हुई सुनवाई में बिजली उपभोक्ताओं और उद्योग प्रतिनिधियों ने बिजली कंपनियों के प्रस्तावों पर कई आपत्तियां दर्ज कराईं। सबसे बड़ा विरोध वितरण लाइन लॉस के तय मानकों को बढ़ाने को लेकर रहा। उपभोक्ताओं का कहना है कि बिजली कंपनियां वर्तमान में जिन लाइन लॉस को मान्य करा रही हैं, उन्हें कम करने के बजाय अगले पांच साल के लिए कई क्षेत्रों में बढ़ाने का प्रस्ताव दिया गया है। प्रस्ताव के अनुसार वर्ष 2027-28 में ईस्ट डिस्कॉम का लाइन लॉस 23 फीसदी और सेंट्रल डिस्कॉम का 24.50 फीसदी रखने की तैयारी है। वहीं वेस्ट डिस्कॉम के लिए यह मानक 12.20 फीसदी प्रस्तावित है। मंगलवार की सुनवाई में इन बढ़े हुए मानकों को मंजूरी नहीं देने की मांग की गई। सुनवाई में उद्योग प्रतिनिधियों ने भी पांच वर्षीय टैरिफ प्रस्ताव पर आपत्तियां दर्ज कराईं। उनका मुख्य विरोध उद्योगों से वसूले जा रहे थ्री-पार्ट टैरिफ को लेकर रहा।

पांच साल के लिए तय होगा वितरण टैरिफ

MPERC की प्रस्तावित MYT Distribution Regulations, 2026 के तहत अप्रैल 2027 से मार्च 2032 तक पांच साल की नियंत्रण अवधि के लिए बिजली वितरण टैरिफ तय किया जाना है। इसी प्रक्रिया में बिजली कंपनियों के खर्च, बिजली खरीद लागत, वितरण हानि और अन्य मानकों का निर्धारण होगा। आयोग उपभोक्ताओं और अन्य हितधारकों से प्राप्त आपत्तियों एवं सुझावों पर विचार करने के बाद अंतिम टैरिफ और नियामकीय मानक तय करेगा।

शिक्षक पात्रता परीक्षा: 31 दिसंबर से पहले होगी केवल एक ही परीक्षा

भोपाल (नगर संवाददाता)

शिक्षक पात्रता परीक्षा (टीईटी) को लेकर विभाग और शिक्षकों के संयुक्त मोर्चे के बीच गतिरोध बना हुआ है। लोक शिक्षण आयुक्त अभिषेक सिंह ने मंगलवार को संयुक्त मोर्चा के पदाधिकारियों के साथ बैठक में स्पष्ट किया कि टीईटी देने से शिक्षकों की सीनियरिटी प्रभावित नहीं होगी। परीक्षा सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन के लिए कराई जा रही है।

आयुक्त ने बताया कि इस साल विभाग दो बार परीक्षा नहीं करा सकेगा। एक ही परीक्षा 31 दिसंबर से पहले कराने की तैयारी है। कर्मचारी चयन मंडल (ईएसबी) ने ऑफलाइन परीक्षा कराने से इनकार कर दिया है, इसलिए विभाग दूसरे विकल्पों पर विचार कर रहा है। संभावना है कि माध्यमिक शिक्षा मंडल के माध्यम से परीक्षा कराई जाए, हालांकि अंतिम निर्णय अभी नहीं हुआ है।

मोर्चा परीक्षा के खिलाफ- संयुक्त मोर्चा ने साफ किया कि वह ञ्ञञ्ञ के पक्ष में नहीं है। मोर्चा पदाधिकारियों के अनुसार 2010 में आरटीई अधिनियम लागू होने से पहले नियुक्त शिक्षक परीक्षा में शामिल नहीं होंगे। शिक्षकों से परीक्षा का फॉर्म नहीं भरने की अपील भी की गई है।

लिखित निर्देश जल्द होंगे जारी

आयुक्त ने कहा कि किन शिक्षकों को परीक्षा देनी है और किन्हें नहीं, इसकी जानकारी लिखित रूप में दी जाएगी। वहीं, नई परीक्षा एजेंसी को श्वस्क्की परीक्षा फीस हस्तांतरित करने की प्रक्रिया पर भी विचार किया जा रहा है। 2005 और 2008 में नियुक्त शिक्षकों को राहत देने के लिए सुप्रीम कोर्ट में दायर याचिका के फैसले का भी विभाग इंतजार कर रहा है।

निशातपुरा सवारी डिब्बा कारखाना ने 473 कोचों का किया अनुरक्षण

भोपाल। पश्चिम मध्य रेल के निशातपुरा स्थित भोपाल रेल कारखाने में कोचों का पीरियोडिक ओवरहॉलिंग कार्य निरंतर उत्कृष्टता के साथ किया जा रहा है। मुख्य कारखाना प्रबंधक के अनुसार अनुरक्षण डिपो ने चालू वित्तीय वर्ष 2026-27 के प्रथम पांच माह में कुल 473 कोचों का सफलतापूर्वक अनुरक्षण कर उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। केवल अगस्त में ही 101 कोचों का पीओएच किया गया है। वरिष्ठ अधिकारियों की सतत निगरानी में भोपाल कारखाना प्रबंधन ने यह सफलता हासिल की।

प्रवेश समय सीमा बढ़ाई

भोपाल। उच्च शिक्षा विभाग ने स्नातक वर्ष द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ वर्ष तथा स्नातकोत्तर तृतीयवर्ष की प्रवेश नवीनीकरण की समय सीमा बढ़ाकर 15 सितंबर कर दी है।

साक्षरता दिवस पर भोपाल डाकघर ने जारी की विशेष विरूपण मोहर

भोपाल (नगर संवाददाता)

अंतर्राष्ट्रीय साक्षरता दिवस पर मंगलवार को भोपाल जीपीओ में विशेष विरूपण मोहर जारी की गई। निदेशक डाक सेवाएं आरएस रघुवंशी के मुख्य अतिथ्य में यह कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान प्रवर अधीक्षक डाकघर शिवांसु कुमार, डाक विभाग के अधिकारी, फिलाटेलिस्ट और नागरिक मौजूद रहे।

बता दें कि डाक टिकट संग्रहकर्ताओं के लिए भी विशेष विरूपण मोहर का खास महत्व है। यह किसी महत्वपूर्ण अवसर की याद को दस्तावेज के रूप में सुरक्षित रखने का माध्यम है। आयोजन में 'साक्षरता सबके लिए' का संदेश दिया गया। महत्वपूर्ण है कि हर साल 8 सितंबर को मनाए जाने वाले साक्षरता दिवस मनाया जाता है। 60वें वर्ष 2026 की थीम 'लोगों, पृथ्वी और समृद्धि के लिए साक्षरता' रही है।

मंत्री ने सुनीं समस्याएं

भोपाल। कैबिनेट मंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने मंगलवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकात कर उनकी जनसमस्याओं एवं सुझावों को गंभीरतापूर्वक सुना। पटेल ने संबंधित अधिकारियों से चर्चा कर कार्यकर्ताओं द्वारा प्रस्तुत विभिन्न जनसमस्याओं के तत्काल निराकरण के निर्देश दिए। जिन प्रकरणों में विभाग की कार्रवाई आवश्यक है, उन्हें शीघ्र निराकरण के लिए संबंधित विभागों को भेजा गया। इस अवसर पर प्रदेश मंत्री श्रीमती अर्चना सिंह उपस्थित रहीं।

ई-ज्ञानसेतु यू-ट्यूब चैनल पर पढ़ सकेंगे स्नातक पाठ्यक्रमों के कोर्स

- विद्यार्थियों को आज से मिलेंगे गुणवत्तापूर्ण ई-वीडियो कंटेंट
- मंत्री परमार आज करेंगे ई-ज्ञानसेतु चैनल का शुभारंभ

भोपाल (नगर संवाददाता)

उच्च शिक्षा विभाग ने नई शिक्षा नीति के तहत क्षेत्रीय भाषाओं में शासकीय महाविद्यालयों के प्राध्यापकों से स्नातक स्तर के विभिन्न विषयों एवं पाठ्यक्रमों के लिए ई-वीडियो कंटेंट तैयार किया है। ये कंटेंट छात्रों के लिए बुधवार से शुरू किए जा रहे ई-ज्ञानसेतु चैनल में प्रसारित होंगे। इसका लाभ कॉलेज के उन हजारों छात्रों को मिलेगा, जो घर बैठे अध्ययन करते हैं।

मध्यप्रदेश के सभी कॉलेजों और विश्वविद्यालयों के विद्यार्थियों को गुणवत्तापूर्ण डिजिटल अध्ययन सामग्री ई-वीडियो कंटेंट के रूप में 9 सितंबर से ई- ज्ञानसेतु यू-ट्यूब चैनल पर उपलब्ध होंगे। इस नए चैनल का शुभारंभ उच्च शिक्षा मंत्री इंदर सिंह परमार बुधवार को करेंगे। उच्च विभाग के अनुसार राष्ट्रीय शिक्षा नीति -2020 के अनुरूप तथा मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एवं मंत्री परमार के निर्देश पर प्रदेश के संभागीय मुख्यालयों में स्थापित 10 डिजिटल स्टूडियो के माध्यम से स्नातक स्तर के विभिन्न विषयों एवं पाठ्यक्रमों के लिए ई-कंटेंट तैयार किया जा रहा है।

ड्रोन ने खींची चौहद्दी | लिखी गयी सामाजिक-आर्थिक बदलाव की कहानी

62 लाख ग्रामीणों को मिला पुरखों के आवासीय जमीन का हक

प्रदेश के 43 हजार गांवों का हुआ सर्वेक्षण, भूमि दस्तावेजों में दर्ज

भोपाल (नगर संवाददाता)

मध्यप्रदेश के 43 हजार गांवों में रहे रहे 62 लाख से अधिक लोगों को उस जगह का स्वामित्व मिल गया है, जहां पुरखों के समय से रहते आये थे। इस जमीन पर अभी तक उनके कच्चे-पक्के मकान और झोपड़ियां थीं। अभी तक वह जमीन बंदोबस्त यानी सरकारी दस्तावेजों में किसी के नाम से दर्ज नहीं थी। मकान की जमीन का स्वामित्व मिलने के बाद संबंधित लोगों के नाम वह सरकारी दस्तावेजों में दर्ज कर दी गयी है। भूमि बंदोबस्त की यह क्रांतिकारी कवायद भारत सरकारी के एक विशेष ड्रोन सर्वेक्षण से संभव हो सकी है। ड्रोन ने मकानों की चौहद्दी या उसका मानचित्र निर्धारित कर सामाजिक-आर्थिक बदलाव वाली कहानी रची है।

आधिकारिक जानकारी के मुताबिक स्वामित्व पाने वाले अधिकतर लोग बेहद कमजोर वर्ग के थे। उन्हें अब इस जमीन का स्वामित्व मिल जाने से लोन आदि की वित्तीय मदद लेने के रास्ते भी खुल गये हैं।

जिलों की प्रगति

सबसे ज्यादा संपत्ति कार्ड	
सागर	2,80,347
खंडवा	2,70,587
खरगोन	2,60,862
सिवनी	2,47,701
बालाघाट	2,34,879
सबसे कम	
शहडोल	3,097
अलीराजपुर	3,608
उमरिया	4,123
सीधी	4,998
सिंगरौली	6,407

स्वामित्व योजना के तहत हुई इस कवायद का लाभ

करीब 62 लाख लोगों को मिला है। जमीन संबंधी विवादों के समाधान और संपत्तियों का मालिकाना हक तय करने 43 हजार गांवों का सर्वे कराया गया। जिसमें करीब 40 हजार से अधिक गांवों में प्रापर्टी कार्ड तैयार किये जा चुके हैं । पंचायत विभाग की जानकारी के अनुसार अगस्त तक राज्य में कुल 64 लाख 19 हजार 402 संपत्ति(प्रॉपर्टी)कार्ड तैयार किए गए हैं, जबकि इनमें से 54 लाख 18 हजार 319 कार्ड हितग्राहियों को बांटे जा चुके हैं। बताया जाता है कि केंद्र सरकार की स्वामित्व योजना के तहत 43 हजार 104 गांवों का ड्रोन सर्वे कराया गया। इनमें 40 हजार 731 गांवों का संपत्ति कार्ड तैयार किया जा चुका है। योजना के तहत चयनित शेष 2367 गांवों का संपत्ति कार्ड तैयार करने की कवायद जारी है।

सरकार से माफ है रजिस्ट्री खर्च

मप्र सरकार ने इन संपत्तियों की आधिकारिक रजिस्ट्री पर लगने वाली स्टाम्प ड्यूटी और पंचायत उपकर भी माफ कर दिया है। इससे लाभार्थियों को संपत्ति का कानूनी मालिकाना हक हासिल करने की प्रक्रिया में आर्थिक बोझ नहीं उठाना पड़ता है।

अब रहवासी जमीन पर मिल सकेगा कर्ज और दूसरी सरकारी वित्तीय मददें

योजना की स्थिति	संख्या
नोटिफाइड गांव	43,014
ड्रोन उड़ान पूरी	43,014
प्रॉपर्टी कार्ड तैयार करने वाले गांव	40,731
तैयार प्रॉपर्टी कार्ड	68,19,402
वितरित प्रॉपर्टी कार्ड	54,18,319

सागर सबसे आगे, पीछे है शहडोल

प्रॉपर्टी कार्ड तैयार करने के मामले में सागर 2,80,347 कार्ड के साथ सबसे आगे है। वहीं 3,097 कार्ड के साथ शहडोल सबसे पीछे है। राजधानी भोपाल में 45,666 कार्ड बने हैं। जबकि रीवा में 23,206 और सतना में 49,655 कार्ड तैयार हुए हैं। छतरपुर में 2,11,241, मंदसौर में 2,13,808 और शिवपुरी में 2,08,037 कार्ड तैयार किये गये हैं।

हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' थीम पर आज से राष्ट्रीय पोषण माह

भोपाल। प्रदेश में 9वां राष्ट्रीय पोषण माह 9 सितंबर से 8 अक्टूबर तक 'हमारी आंगनवाड़ी, हमारी जिम्मेदारी' थीम पर मनाया जाएगा। महिला एवं बाल विकास मंत्री निर्मला भूरिया बुधवार को इंदौर से राज्य स्तरीय अभियान का शुभारंभ करेंगी। अभियान में स्थानीय एवं मौसमी खाद्य पदार्थों, प्रोटीन, संतुलित आहार और बच्चों के पोषण पर विशेष जोर रहेगा। पंचायत, स्कूल और आंगनवाड़ी स्तर पर पोषण मेले, रेसिपी प्रदर्शनियां और जागरूकता कार्यक्रम होंगे। 11 सितंबर से छह वर्ष तक के बच्चों का वजन, लंबाई और ऊंचाई मापकर कुपोषित बच्चों की पहचान की जाएगी। गर्भावस्था से बच्चे के पहले 1000 दिनों तक पोषण, स्तनपान और देखभाल पर परामर्श दिया जाएगा। प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना के शत-प्रतिशत पात्र हितग्राहियों को लाभ दिलाने के लिए विशेष नामांकन अभियान भी चलेगा। अभियान में पंचायतों, स्वयं सहायता समूहों और समुदाय की भागीदारी सुनिश्चित की जाएगी।

पेड़ों की कटाई पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल सख्त

पांच साल में सूखे या नष्ट पौधों की जगह लगाएं नए पौधे, अगली सुनवाई छह को

- भोपाल में क्षतिपूर्ति पौधारोपण की कम सर्वाइवल दर पर जताई नाराजगी

भोपाल (नगर संवाददाता)

राजधानी में विकास परियोजनाओं के लिए पेड़ों की कटाई के बदले किए जा रहे क्षतिपूर्ति पौधारोपण में लापरवाही पर नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) की भोपाल पीठ ने सख्त रुख अपनाया है। याचिकाकर्ता नितिन सक्सेना के मामले में सुनवाई करते हुए पीठ ने कहा कि पिछले पांच साल में जो पौधे सूख या नष्ट हो गए हैं, उनकी जगह नए पौधे लगाए जाएं। उनकी नियमित सिंचाई और सुरक्षा सुनिश्चित कर 100 प्रतिशत उत्तरजीविता हासिल की जाए।

एनजीटी ने भोपाल नगर निगम और वन विभाग की रिपोर्ट में पौधों की बेहद कम जीवित रहने की दर को अस्वीकार्य बताया। अधिकरण ने पिछले पांच वर्षों में लगाए गए पौधों की औसत ऊंचाई और मोटाई का रिकॉर्ड भी मांगा है। हुजूर तहसील में लगाए जाने वाले 70 हजार और सड़क किनारे व मीडियन पर 10 हजार पौधों की साइटवार तस्वीरें भी प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए हैं। संबंधित रिपोर्ट 30 दिन में देने को कहा गया है। अगली सुनवाई 6 अक्टूबर को होगी।

जैव-चिकित्सीय कचरे पर नाराजगी

एनजीटी ने भोपाल में जैव-चिकित्सीय अपशिष्ट के निपटान को लेकर भी निर्देश दिए। अपशिष्ट परिवहन वाहनों में जीपीएस ट्रैकिंग, रिसावरोधी व्यवस्था और जैव-जोखिम चिन्ह अनिवार्य करने को कहा। कचरे के संग्रहण से उपचार तक की प्रक्रिया 48 घंटे में पूरी करने, नियमों का उल्लंघन करने वाले स्वास्थ्य संस्थानों पर कार्रवाई और खुले में कचरा जलाने पर रोक लगाने के निर्देश दिए।

कलेक्टर की जनसुनवाई में 121 आवेदन

गुहार:26 साल पुरानी जीपीएफ का हिसाब नहीं

- किसी का 60 हजार का बिजली बिल, किसी की मेट्रो में दुकान टूटने से पहले मुआवजे की चिंता

भोपाल (नगर संवाददाता)

सरकारी नौकरी में रहते हुए वेतन से कटी 26 साल पुरानी जीपीएफ की राशि का हिसाब अब तक नहीं मिल सका। गैस राहत विभाग के कर्मचारी प्रशांत उपाध्याय ने सेवानिवृत्ति से पहले कलेक्टर जनसुनवाई में अपनी समस्या रखी। उनका कहना है कि अगस्त 1998 में वेतन से जीपीएफ की राशि काटी गई थी, लेकिन यह रकम उनके खाते में दर्ज नहीं हुई। वर्ष 2027 में सेवानिवृत्ति प्रस्तावित है, ऐसे में कर्मचारी को अब अपने भविष्य निधि खाते का रिकॉर्ड दुरुस्त होने की चिंता सता रही है।मंगलवार को कलेक्ट्रेट में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशन में जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी ने लोगों की समस्याएं सुनीं। जनसुनवाई में कुल 121 आवेदन आए।

मेट्रो स्टेशन के लिए दुकान टूटेगी, मुआवजा में नाम नहीं- काजी कैंप-बैरसिया रोड निवासी जीशान खान ने मेट्रो स्टेशन निर्माण के लिए टूटने वाली अपनी पुश्तैनी चाय-पान की दुकान का मुआवजा नहीं मिलने की शिकायत की। उनका कहना है कि अन्य प्रभावित लोगों को मुआवजा दिया जा रहा है, लेकिन उनका नाम सूची में शामिल नहीं है।जीशान के मुताबिक दुकान उनके पिता की थी और उनकी मृत्यु के बाद से वे इसका संचालन कर रहे हैं।

1998 की कटौती, 2027 में सेवानिवृत्ति की चिंता

प्रशांत उपाध्याय के अनुसार उन्होंने इस मामले में पहले भी शिकायत की थी। 11 अगस्त 2026 की जनसुनवाई के बाद गैस राहत के मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को कार्रवाई के निर्देश दिए गए थे, लेकिन समस्या का निराकरण नहीं हुआ। उन्होंने महालेखाकार कार्यालय ग्वालियर से मिले निर्देशों का भी आवेदन में उल्लेख किया है। कर्मचारी ने कलेक्टर से अगस्त 1998 में वेतन से काटी गई जीपीएफ राशि से संबंधित बिल, वाउचर और प्रमाणित दस्तावेज उपलब्ध कराने के निर्देश देने की मांग की है, ताकि उनके खाते में आवश्यक सुधार हो सके।

नियमित बिल भरती रही महिला, अचानक आया 60 हजार का बिल- मुगालिया हाट निवासी देवी बाई प्रजापति की शिकायत भी जनसुनवाई में पहुंची। उनका कहना है कि वह हर महीने नियमित रूप से बिजली बिल जमा करती हैं, लेकिन अगस्त में अचानक करीब 60 हजार रुपए का बिल जारी कर दिया गया।इतनी बड़ी राशि आने से परेशान महिला ने मीटर रीडिंग और बिलिंग प्रक्रिया की जांच कराने की मांग की है।

आंगनवाड़ी का काम कराया, भुगतान अभी भी बाकी

एकतापुरी सेमरा स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक-447 में मरम्मत और पुताई का काम कराने वाले नीरज कुमार ने भी भुगतान की शिकायत की। उनका दावा है कि करीब दो लाख रुपए का काम कराने के बाद 19,500 रुपए के 10 चेक दिए गए, लेकिन बाद में भुगतान टेंडर प्रक्रिया से कराने की बात कही गई। शिकायतकर्ता के अनुसार उन्होंने टेंडर फीस और सिक्यूरिटी एफडीआर भी जमा की और प्रक्रिया पूरी की, लेकिन इसके बाद भी भुगतान नहीं मिला। परेवाखेड़ा निवासी शाजिया खान ने आरोप लगाया कि आयुष्मान कार्ड अपडेट करने के नाम पर कुछ लोग उनके घर पहुंचे और उनके नाम से जियो पेमेंट बैंक में खाता खुलवा दिया। महिला का दावा है कि खाते में उनका मोबाइल नंबर दर्ज करने के बजाय आरोपियों ने अपना नंबर जोड़ दिया।

स्वामी/मुद्रक/प्रकाशक **अभिषेक जोशी** द्वारा लक्की ऑफसेट 267 प्रगति नगर शहंशाह गार्डन भोपाल (म.प्र.) मुद्रित एवं म.नं. ई-100/22 शिवाजी नगर भोपाल मध्यप्रदेश से प्रकाशित।
मुख्य कार्यकारी संपादक : **श्रीमती रश्मि अग्रवाल**, सम्पादक : **अभिषेक जोशी** (समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा।)